हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

विश्व पर्यावरण दिवस

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 5 जून 2026

सुमीत बाजार

फैशन भी... बचत भी...

हर खुशियों की पहली पसंद

मेन्स वियर • किड्स वियर • टीन्स वियर • साड़ियाँ • सलवार सूट • सूटपीस सुटिंग • शर्टिंग एवं गृह साज-सज्जा के लिये होम फर्निशिंग आयटम्स का शानदार कलेक्शन

बेहतरीन कलेक्शन, भरोसेमंद क्वालिटी खुशियाँ भरी शॉपिंग

आइए... और अपने परिवार के लिये चुनें सबसे अच्छा!

BACK TO SCHOOL Combo offer for limited time

SPECIAL DISCOUNTS ON DOMS STATIONERY COMBO PRODUCTS

PRE-PRIMARY combo ₹499/-

Items	SRP	MRP
Bag pack	₹ 299/-	₹ 499/-
Lunch Box	₹ 100/-	₹ 160/-
Water Bottle	₹ 65/-	₹ 185/-
Pencil Box	₹ 35/-	₹ 100/-
Total Spend	₹ 499/-	₹ 944/-

Save ₹ 446/-

PRIMARY combo ₹999/-

Items	SRP	MRP
Bag pack	₹ 615/-	₹1210/-
Lunch Box	₹ 215/-	₹ 352/-
Water Bottle	₹ 110/-	₹ 325/-
Pencil Box	₹ 59/-	₹ 100/-
Total Spend	₹ 999/-	₹1987/-

Save ₹ 988/-

SECONDARY combo ₹1499/-

Items	SRP	MRP
Bag pack	₹ 945/-	₹1999/-
Lunch Box	₹ 299/-	₹ 486/-
Water Bottle	₹ 109/-	₹ 180/-
Pencil Box	₹ 65/-	₹ 190/-
Geometry Box	₹ 81/-	₹ 90/-
Total Spend	₹1499/-	₹2945/-

Save ₹1446/-

HIGH-SCHOOL / COLLEGE combo ₹1999/-

Items	SRP	MRP
Bag pack	₹ 1099/-	₹2240/-
Lunch Box	₹ 285/-	₹ 407/-
Water Bottle	₹ 336/-	₹ 499/-
Pencil Box	₹ 99/-	₹ 168/-
Geometry Box	₹ 180/-	₹ 200/-
Total Spend	₹1999/-	₹3514/-

Save ₹ 1515/-

रेनकोट एवं छतरी की आकर्षक रेंज उपलब्ध

*condition apply

छत्तीसगढ़ – रायपुर • बिलासपुर • भिलाई • दुर्ग • राजनांदगांव • डोंगरगढ़ • भाटापारा • सिमगा • बेमेतरा • कवर्धा आरंग • महासमुंद • सराईपाली • नयापारा राजिम • कांकेर • कोंडागांव • खरोरा • बालोद • धमतरी • बागबाहरा मध्यप्रदेश – बालाघाट • धामनोद • उड़ीसा – खरियार रोड • नुआपाड़ा

CUSTOMER CARE - 89820 44000 | info@sumeetbazaar.com | www.sumeetbazaar.com

श्रद्धांजलि सभा

स्व. श्री रुपनारायण सिन्हा

मानानीय अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ योग आयोग (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त)

पूर्व प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि श्री रूप नारायण सिन्हा जी का स्वर्गवास दिनांक 26.05.2026 मंगलवार को हो गया है।
विधि के विधान के आगे हम सभी नतमस्तक है।
पुण्यात्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा में आप सभी सादर आमंत्रित है

दिनांक:- 05 जून 2026
दिन:- शुक्रवार, **समय:-** सायं 05.30 बजे
स्थान:- पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम,
साइंस कॉलेज परिसर, रायपुर

विनीत :- मित्र एवं परिजन

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हमने आधुनिक बनकर बिल्डिंगों के जंगल बसाए

उन्होंने बचाए पेड़ पानी और प्रकृति

हमने आधुनिक बनकर न जंगल बचाए, न परिंदों को बसाया। हमने बिल्डिंगों के जंगल बसाए। हमने धरती को कांक्रीट के जंगलों से पाट दिया, उन्होंने बचाए पेड़, पानी और प्रकृति। जिसे हम आधुनिक सभ्यता कहते हैं, उसने ऊंचे टावर और प्रदूषित हवा दी है। लेकिन, हमारे आदिवासी आज भी इस धरती के सबसे बड़े और सच्चे 'साइंटिस्ट' बनकर खड़े हैं। उनके यहां कोर्ट के कागजों के बिना सिर्फ एक 'कसम' पर जंगल बच जाते हैं और शादी की रस्मों में अग्नि नहीं, बल्कि बहता जल साक्षी होता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर, विकास की अंधी दौड़ के शोर के बीच पढ़िए छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश की माटी से उपजा वो अनूठा जीवन दर्शन, जो केवल पर्यावरण को अपनी आत्मा से जोड़कर जीता और मरता है।

पर्यावरण के प्राचीन प्रहरी, जन्म से मृत्यु तक पेड़ साक्षी और साथी

देवताओं के नाम पर वृक्ष

जल को साक्षी मानकर ब्याह

जल को साक्षी मानकर रचाए जा रहे विवाह

जगदलपुर से महेन्द्र विश्वकर्मा

कागज पर बने पर्यावरण के कड़े कानून जब शहरों की प्रदूषित हवा और सूखते जल-स्त्रोतों को नहीं बचा पा रहे हैं। हम कथित आधुनिक लोग पेड़ों को काटकर सीमेंट-सरिया के जंगल उगा रहे हैं। हम बूंद-बूंद और तपती दोपहरी में एक छांव के लिए तरस रहे हैं। हम नियम, कानून और तमाम योजनाओं के बावजूद पर्यावरण को नाश ही कर रहे हैं, ऐसे में आदिवासियों के 'अलिखित सामाजिक नियम' हमारे लिए प्रेरणा बन रहे हैं। हम एसी कमरों में बैठकर 'सस्टेनेबिलिटी' की परिभाषाएं गढ़ते रहे और वे पीढ़ियों से जंगलों को देवता मानकर प्रकृति को महकाते रहे। बस्तर का धुरवा आदिवासी समाज इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। इस समुदाय के लोग पेड़ों को केवल ऑक्सीजन का जरिया नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज के सुख-दुख का सहभागी मानते हैं। धुरवा जनजाति में मान्यता है कि पेड़ों में निवास करने वाली पुरखों की आत्माएं और देव ही उनके गांवों की रक्षा करते हैं। आज भी किसी मांगलिक कार्य या विवाह के लिए पेड़ की एक छोटी सी टहनी या पत्ता तोड़ने से पहले शेष पेज 5 पर

बेशकीमती पेड़ों का 'दैवीय नामकरण'

बस्तर वन मंडल के माचकोट, तिरिया, बकावंड और करपावंड जैसे घने वन क्षेत्रों में ग्रामीणों ने जंगलों को तस्करों और कटाई से बचाने के लिए एक अनोखा और बेहद भावनात्मक तरीका खोज निकाला है। यहां के स्थानीय ग्रामीणों, धरम बघेल, तुलाराम, लखन, पदम सहित अन्य ने बेशकीमती पेड़ों का नामकरण अंचल के देवी-देवताओं के नाम पर कर दिया है। जैसे...पेड़ों को जटयाराव देव, बाघ डुमा, घाटमुंडिन, तेलगिन माता, जलनी माता, और मावली माता जैसे पूजनीय नामों से पुकारा जाता है। आस्था का यह ऐसा अनूठा कवच है कि कोई भी व्यक्ति इन पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने की हिम्मत नहीं कर पाता। ग्रामीणों का साफ कहना है कि पेड़ अनगिनत जीव-जंतुओं का घर हैं, और इन्हें भगवान का रूप देकर ही सुरक्षित रख सकते हैं।

पत्तों की हरकतों से मानसून का सटीक अनुमान

हम अभी तक यह तय नहीं कर पाए हैं कि इस बार मानसून कैसा होगा। आधुनिक मौसम विज्ञान करोड़ों के सैटेलाइट्स के बाद भी कई बार फेल हो जाता है, वहीं धुरवा समाज के बुजुर्ग सरगी के पेड़ों के पत्तों के रंग, उनके गिरने के पैटर्न और स्थानीय पक्षियों की हरकतों को देखकर मानसून और बारिश का एकदम सटीक अनुमान लगा लेते हैं। यह सदियों पुराना वो पारंपरिक विज्ञान है जो आज भी खेती-किसानी का आधार बना हुआ है।

महुआ और सेमर की पूजा

धुरवा समाज के संभागीय महासचिव डॉ. गंगाराम कश्यप धुर बताते हैं कि समाज में महुआ, सेमर, बांस और सरगी (साल) के वृक्षों का विशेष धार्मिक महत्व है। विवाह जैसे शुभ कार्यों की शुरुआत में ग्रामीण, माटी पुजारी के साथ जंगल जाते हैं। महुआ और सेमर के पौधों के पास महुआ शराब की बूंदें (तर्पण के रूप में) अर्पित की जाती हैं। इसके बाद पौधे की सात परिक्रमा करके पवित्र टहनी काटने की विनती की जाती है।

हम आधुनिक यह सीखें...

प्रकृति को बचाने के लिए बैनर-पोस्टर और बड़े कार्यक्रमों की जरूरत नहीं है। पर्यावरण को बचाने के लिए पेंटिंग काम्पीटिशन जरूरी नहीं है। नेताओं-अभिनेताओं को बुलाकर भव्य आयोजन आवश्यक नहीं हैं। आवश्यक है पेड़ों से जुड़ाव, उनकी आत्मा को महसूस करना। पानी को पवित्र मानना, जरूरी है पर्यावरण को बचाना, जरूरी है लालच को छोड़ना...यह समझना कि अगर प्रकृति नहीं रही तो हम भी नहीं रहेंगे।

अधिकारी कहते हैं-आदिवासी जन्मजात पर्यावरण संरक्षक

सीसीएफ आलोक कुमार तिवारी, इन्द्रावती टायगर रिजर्व जगदलपुर (वन्यजीवन) के क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य वन संरक्षक स्टायलो मण्डावी, डीएफओ उत्तम कुमार एवं नवीन कुमार का कहना है कि आदिवासी पर्यावरण के जन्मजात संरक्षक हैं। उनका जीवन, उनकी परंपराएं, उनकी आस्था प्रकृति से जुड़ी है।

पातालकोट का देववन विज्ञान...जहां पुरखों की आत्माएं करती हैं जंगलों की पहरेदारी

छिंदवाड़ा से मनीष बागड़ी

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के पातालकोट क्षेत्र में निवासरत भारिया जनजाति सदियों से प्रकृति संरक्षण की ऐसी परंपरा का पालन कर रही है, जो आधुनिक पर्यावरण प्रबंधन के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण मानी जा सकती है। घने जंगलों, दुर्लभ औषधीय वनस्पतियों और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध पातालकोट में आज भी अनेक वन क्षेत्र स्थानीय समुदाय द्वारा देववन अथवा देवस्थान के रूप में संरक्षित किए जाते हैं। भारिया जनजाति की मान्यता है कि गांव की सीमा पर स्थित कुछ प्राचीन वृक्ष और वन उनके पूर्वजों तथा ग्राम देवताओं का निवास स्थल हैं। इन स्थानों पर प्रायः साज, महुआ, बरगद, पीपल और अन्य विशालकाय वृक्ष पाए जाते हैं, जिन्हें विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्राप्त है। समुदाय के लोग इन वृक्षों को अपने पुरखों का शेष पेज 5 पर

औषधि संपदा के लिए विश्व प्रसिद्ध है पातालकोट

जबकि प्रकृति और पातालकोट का क्षेत्र अपनी औषधीय संपदा के लिए देशभर में जाना जाता है। यहाँ की पहाड़ियों और जंगलों में गिलोय, अश्वगंधा, कालमेघ, सफेद मुसली, शतावरी, वच तथा अनेक दुर्लभजड़ी-बूटियाँ प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं। भारिया समुदाय पारंपरिक वनौषधीय ज्ञान का संरक्षक माना जाता है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह ज्ञान मौखिक रूप से हस्तांतरित होता आया है।

ऐसी सीख

पातालकोट की भारिया जनजाति का यह पारंपरिक ज्ञान मानव और प्रकृति के सह-अस्तित्व का एक सशक्त वैज्ञानिक ढांचा है। पर्यावरण दिवस पर पातालकोट का यह अंचल कंक्रीट के जंगलों में रहने वाले आधुनिक इंसानों को यह बड़ी सीख देता है कि पर्यावरण की रक्षा केवल पौधे लगाने या भाषण देने की रस्म नहीं है। यह प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी, सम्मान और एक ऐसा भावनात्मक जुड़ाव है जिसे साल के 365 दिन जीना पड़ता है।

'विश्व पर्यावरण दिवस' आज

यह सीख सकते हैं

आज पर्यावरण को बचाने के लिए देश-दुनिया में सैकड़ों कानून और ट्रिब्यूनल बने हुए हैं, लेकिन कागजों पर बने इन नियमों के बावजूद जंगल लगातार सिकुड़ रहे हैं। कांडाडोंगर की यह जीवंत परंपरा बताती है कि पर्यावरण संरक्षण का सबसे मजबूत आधार अदालत का डंडा या कानून की धाराएं नहीं, बल्कि समाज की आंतरिक चेतना, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति भावनात्मक जुड़ाव है। पर्यावरण दिवस पर यह पहाड़ी संदेश दे रही है कि पौधा लगाना सिर्फ एक दिन का रस्म नहीं, उसे भगवान मानकर पालना असली सस्टेनेबिलिटी है।

न अदालत का पहरा, न कोई जुर्माना, सदियों से सुरक्षित है जंगल

मिलती है ऐसी सीख

अंबिकापुर से अजय नारायण पाण्डेय

आदिवासी समुदाय के जनजीवन में प्रकृति पूरी तरह से रची बसी है। खेती-बाड़ी की शुरूआत हो अथवा शादी-विवाह जैसे शुभ कार्य आदिवासी समाज के लोग अपने सारे कार्य सरना स्थल में सामूहिक पूजा करने के बाद ही करते हैं। आदिवासी समाज की सरहुल पूजा हो या फिर कठोरी पूजा अथवा महुआ पूजा आज भी लोग इस परंपरा का न केवल पालन कर रहे हैं बल्कि हर आयु वर्ग के लोग सक्रियतापूर्वक भागीदारी भी कर रहे हैं। आदिवासी समाज ने सरई पेड़ों के समूह को सरना स्थल के रूप में शेष पेज 5 पर

सरगुजा के आदिवासियों में अपना गोत्र पेड़ों, पक्षियों और वन्यजीवों के नाम पर रखने की परंपरा है, और वे जीवनभर उस प्रजाति को नुकसान न पहुंचाने का संकल्प लेते हैं। यह आज के दौर के लिए सबसे बड़ी सीख है। अगर शहरों में रहने वाला हर परिवार या व्यक्ति अपने जीवन में किसी एक पेड़, तालाब या पक्षी की प्रजाति को 'गोद' ले ले और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाए, तो न छांव के लिए तरसना पड़ेगा न बूंद-बूंद के लिए तड़पना।

84 गांवों का 'अलिखित कानून'

जिसने सदियों से बचाए रखा जंगल और पहाड़

गरियाबंद के अमलीपदर से गोरेलाल सिन्हा की रिपोर्ट

रायपुर से करीब 220 किलोमीटर दूर अमलीपदर क्षेत्र के ग्राम गुढियारी में स्थित कांडाडोंगर पहाड़ी, गरियाबंद जिले के ओडिशा सीमा से लगी है। घने जंगलों से घिरी यह पहाड़ी आसपास के 84 गांवों के लाखों लोगों की आस्था का केंद्र है। कांडाडोंगर अंचल के पहाड़ी को देवस्थल और जंगलों को अपने पुरखों की जीवित वसीयत मानकर पूज रहे हैं। यहां के लोगों के लिए प्रकृति ही देव है। प्रकृति ही आस्था का केंद्र। प्रकृति और देवता के बीच कोई लकीर नहीं है। जंगल केवल लकड़ी का स्त्रोत नहीं बल्कि देवताओं का वास है, पहाड़ केवल पत्थरों का समूह नहीं, बल्कि आस्था शिखर है। जलस्त्रोत पानी नहीं, बल्कि जीवन की धारा हैं। लोग जंगलों को बचाना अपना संवैधानिक शेष पेज 5 पर

सदियों पुरानी वो 'देवसभा', जिसने थाम लिया मानव-वन्यजीव संघर्ष

स्थानीय लोक श्रुतियों के अनुसार, प्राचीन समय में इस अंचल में भीषण सूखा, महामारी और हिंसक जंगली जानवरों का आतंक बढ़ गया था। तब संकट से मुक्ति के लिए आसपास के 84 गांवों के देवी-देवताओं को कांडाडोंगर की इसी पहाड़ी पर आमंत्रित किया गया था। तब एक ऐतिहासिक 'देवसभा' हुई और सबने मिलकर क्षेत्र की रक्षा का संकल्प लिया। उसी घटना की स्मृति में आज भी प्रतिवर्ष 'देव दशहरा महोत्सव' आयोजित होता है, जिसमें 84 गांवों के देवी-देवता अपने पारंपरिक निशानों के साथ शामिल होते हैं। इसी सह-अस्तित्व की संस्कृति का असर है कि आज भी इस घने जंगल में वन्यजीवों की भारी मौजूदगी के बावजूद इंसानों और जानवरों के बीच कभी कोई खूनी संघर्ष नहीं होता।

खम्भेश्वरी माता: पेड़ की टहनी नहीं, साक्षात प्रकृति का स्वरूप

कांडाडोंगर की सबसे अनूठी परंपरा खम्भेश्वरी माता की पूजा है। यहां किसी पत्थर या धातु की मूर्ति की पूजा नहीं होती। भुंजिया जनजाति के पारंपरिक पुजारी जंगल से लाए गए एक विशेष वृक्ष के 'लकड़ी के खंभे' को पहाड़ी पर स्थापित करते हैं। इसी काष्ठ-स्तंभ को खम्भेश्वरी माता का स्वरूप मानकर शीश नवाया जाता है। श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है कि इस खंभे में वास करने वाली शक्तियां ही समय पर पानी बरसाती हैं, जंगलों को हरा-भरा रखती हैं और क्षेत्र को हर प्राकृतिक आपदा से बचाती हैं।

कांडाडोंगर हमारे पूर्वजों की विरासत

कांडाडोंगर हमारे पूर्वजों की विरासत और अटूट आस्था का केंद्र है। यह पावन देवस्थल सदियों से लोगों को केवल सुख-शांति का आशीर्वाद ही नहीं दे रहा, बल्कि आधुनिक इंसानों को यह कड़ा संदेश भी दे रहा है कि यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी हमारा और हमारी आने वाली नस्लों का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

— डमरूधर पुजारी (पूर्व विधायक एवं पूर्व मुख्य पुजारी, कांडाडोंगर पहाड़ी)

विश्व पर्यावरण दिवस

आदिवासी समाज का जंगलों और वन्यजीवों के साथ अटूट रिश्ता

मैनपुर से शेख हसन खान

सैकड़ों वन चौकियां, हजारों का अमला फिर भी तस्कर पेड़ काट ले जाते हैं। भाठीगढ़ में माता पैरी और बम्हनीन दाई की आस्था का ऐसा पहरा है कि आदिवासी वहां से हरा पत्ता तोड़ना भी महापाप मानते हैं। असली पर्यावरण संरक्षण कानून की धाराओं से नहीं, अंतरात्मा के अनुशासन से आता है।

बूढ़ी दाई और बम्हनीन माता के खौफ से महफूज है जंगल, पैरी नदी के जन्म की सदियों पुरानी दास्तान

आदिवासी समाज का जंगलों और वन्यजीवों के साथ अटूट रिश्ता होता है। वे प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि अपने जीवन का आधार मानते हैं। आज आदिवासी समाज के कारण क्षेत्र में जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा हो रही है। तहसील मुख्यालय मैनपुर से तीन किमी दूर क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थल पैरी उद्गम पहाड़ी के जंगल में पैरी नदी का जन्म हुआ है और इस पहाड़ी जंगल में कोई भी पेड़ों की कटाई नहीं करता। क्योंकि, इस पहाड़ी में माता पैरी के साथ ही माता बम्हनीन दाई और पहाड़ी वाली मां के साथ अनेक देवी देवताओं के देवस्थल हैं, जो आदिवासी समाज का और पूरे क्षेत्रवासियों के लिए गहरे आस्था का केन्द्र है। एक तरह से आदिवासी समाज के कारण ही आज इस पैरी उद्गम पहाड़ी जंगल पूरी तरह सुरक्षित है और यहां तेंदुआ, सांभर, चितल, भालू, मोर आसानी से विचरण करते दिखाई देते हैं।

पैरी नदी का उद्गम है भाठीगढ़

ग्राम भाठीगढ़ व क्षेत्र के बुजुर्ग बताते हैं कि भाठीगढ़ पहाड़ी से का जन्म हुआ है और यह नदी छत्तीसगढ प्रदेश के लिए जीवनदायनी नदी के रूप में जाना जाता है। लगभग 52 ग्रामों के प्रमुख धार्मिक गढ़ के रूप में भाठीगढ़ पैरी उद्गम स्थल को मान्यता प्राप्त है। जिले के प्रमुख धार्मिक स्थल के साथ पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त है। मनौती पूरी होने की मान्यता के चलते भाठीगढ़ में श्रद्धालुओं की भारी भींड लगी रहती है। भाठीगढ़ के पहाड़ काफी घने जंगल चारों तरफ नदी नाले झरना वन्य प्राणियों भरपूर व काफी खूबसूरत है, जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। जमीन सतह से लगभग एक हजार फीट की ऊंचाई पहाड़ी के उपर बड़े बड़े चट्टानों के बीच से पैरी नदी का उदगम स्थल पर मंदिर का निर्माण किया गया है और इस उदगम स्थल मे जल कुंड बना हुआ है, जहां से लगातार बारहों माह पानी की धार बहती रहती है। यह पैरी उदगम से बहने वाली पानी की धार त्रिवेणी संगम राजिम मे मिलती है।

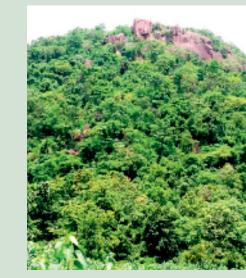

गोत्र के रूप में करते हैं पूजा

भाठीगढ़ क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक हरिशचंद नेगी, खेदु नेगी, डाकेश्वर नेगी, प्रेमसाय जगत, छबि दीवान, रामदास वैष्णव, रामकृष्ण ध्रुव माखनदास वैष्णव, तुलसीराम, लिलेश कुमार साहू व क्षेत्र के लोगों ने बताया पैरी उद्गम पहाड़ी ऊपर घने जंगल से लगातार पानी निकल रहा है जो हजारों वर्ष पुराना है और भाठीगढ़ की पहाड़ी क्षेत्र आदिवासी समाज के प्रमुख देवी देवताओ का स्थल है, जहां हमेशा पूजा अर्चना किया जाता है इस क्षेत्र का काफी धार्मिक महत्व है। उन्होंने बताया कि आदिवासी समाज पेड़, नदी और वन्य जीवों को गोत्र के प्रतीक के रूप में मानता है। किसी खास वन्यजीव या पेड़ को नुकसान न पहुंचाना उनकी परंपरा का हिस्सा होता है।

अब तक करीब 10 हजार पौधे लगा चुके हैं, अब युवाओं का सहयोग

किराना दुकान की कमाई पौधे लगाने में, बच्चों की तरह प्यार भी, मटकों से बचा रहे हरियाली

एक तरफ विकास के नाम पर हरियाली पर लगातार कुल्हाड़ी चल रही है, वहीं बिलासपुर में एक व्यक्ति हैं, जो प्रकृति को बचाने और आस-पास के क्षेत्र को हरा-भरा बनाने का काम कर रहे हैं। सेंदरी के रहने वाले दूजराम भेंड़पाल उन तमाम लोगों के लिए मिसाल कायम कर रहे हैं, जो प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में कुछ करना चाहते हैं। सेंदरी में रहने वाले दूजराम प्रकृति संरक्षण के लिए लगातार पौधरोपण का काम कर रहे हैं। अब तक वो करीब 10 हजार पौधे लगा चुके हैं। इसके लिए दूजाराम ने एक बाइक भी मोडिफाई कराई है। यही नहीं इन पौधों की देखभाल भी वे अपने बच्चों की तरह करते हैं। इसी कारण लगाए गए पौधे बड़े हो रहे हैं। दूजराम सिर्फ पौधे नहीं लगाते, बल्कि उसके आसपास पूरा एक इकोसिस्टम तैयार कर कीटों से लेकर घास तक को बचाने की पहल करते हैं।

बिलासपुर से विकास चौबे

दूजराम अकेले मेहनत करते हुए अब तक करीब 10 हजार पौधे लगा चुके हैं। खास बात तो यह है कि दूजराम पौधे लगाने के बाद उन्हें भगवान भरोसे नहीं छोड़ते, बल्कि निरंतर अपने द्वारा लगाए गए पौधों को पानी देने से लेकर खाद देने तक का काम करते हैं। यह प्रक्रिया दूजराम तब तक करते हैं, जब तक वह पौधा बड़ा न हो जाए। वह 6 सालों से निरंतर पेड़-पौधे लगाने का काम कर रहे हैं। कभी अकेले शुरू की गई उनकी इस मुहिम से आज कई युवा जुड़ कर पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग दे रहे हैं। पौधों को लगाने में आने वाला खर्चा भी दूजराम स्वयं ही उठाते हैं। हालांकि अच्छा काम करने वालों को सहयोग करने वालों की भी कमी नहीं है। यही वजह है कि कभी भी दूजराम को अपने काम के लिए चंदा नहीं जुटाना पड़ता। बल्कि उन्हें सहयोग करने वाले कई लोग आगे आते हैं। वन विभाग की नर्सरी का एक स्टाफ उन्हें पौधे प्रदान करते हैं। इसी तरह से ट्री गार्ड आदि की व्यवस्था हो जाती है। सड़े-गले पत्तों व खाद्य पदार्थों से युक्त लेकिन पौधों के लिए पौष्टिकता का काम करने वाला पानी वे खुद तैयार करते हैं।

भगत सिंह को मानते हैं अपना रोल मॉडल

पेड़ लगाने का नशा सा है दूजराम को। वे शहीद भगत सिंह को अपना रोल मॉडल मानते हैं। वे सड़क किनारे, नदी किनारे, मुक्तिधाम, स्कूल कैंपस आदि में पौधे लगाकर वहां हरियाली बिछाने का काम करते हैं। दूजराम बताते हैं कि शुरुआत में वे एक संगठन से जुड़े थे, जसिके सदस्य मिलकर पौधे लगाते थे। उसमें अधिकांश शहर के लोग थे। बाद में संगठन टूट गया पर खुद नहीं टूटे और पौधे लगाने का काम जारी रखा। अब बस एक वाट्सएप ग्रुप है, जिसमें उन्हें पौधे लगाने, पौधों की उपलब्धता, संबंधित सामान जुटाने में मदद भी मिल जाती है।

मटकों से बचा रहे हरियाली, गाड़ियों में हरियाली का संदेश

पौधा लगाकर हरियाली बिछाने के अलावा प्रकृति का कैसा ध्यान रखते हैं, ये दूजराम की एक और पहल से जाना जा सकता है। उनको जहां भी मटके मिलते हैं, जैसे मंदिरों में पूजन के बाद खाली पड़े हुए, वैवाहिक समारोहों में आदि को वे जुटाते हैं। इसके बाद उन्हें जगह-जगह खाली जगहों पर व पौधों के किनारे रख देते हैं। उनमें वे सप्ताह में एक दिन पानी भर देते हैं। इससे मटकों के नीचे जमीन पर नमी बनी रहती है। यह नमी न सिर्फ पौधों के लिए बल्कि घास तक के लिए मददगार साबित होती है। कुल मिलाकर ये इकोसिस्टम का काम करता है। दूजराम के मुताबिक हमारे आसपास कई जगहों पर कुछ ऐसे पौधे उगा जाते हैं, जो वहां सर्वाइव नहीं कर सकते या फिर ऐसी जगह, जसिे हटाना जरूरी है।

मुक्तिधाम की सफाई से शुरू हुआ अभियान

दूजराम बताते हैं कि 2017 में उन्होंने टीवी में गुजरात के मुक्तिधाम के बारे में देखा। तब उनके मन में इस बात की चाह जागी कि हमारे गांव सेंदरी का मुक्तिधाम भी इसी तरह सुन्दर होना चाहिए। इसके बाद वह मुक्तिधाम की सफाई के काम में जुट गए। धीरे धीरे उनके कार्य को देखते हुए पौधा लगाने वाले एक ग्रुप ने उनसे संपर्क किया। एक ग्रुप ने उन्हें पौधा रोपण करने की मुहिम से जुड़ने का न्योता दिया और फिर दूजराम पौधे लगाने के काम में जुट गए। इसकी शुरुआत उन्होंने बिलासा ताल के समीप नदी के किनारे पर पौधे लगाने से की। धीरे-धीरे उन्होंने अपने काम के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करना शुरू किया। सोशल मीडिया पर लोगो के द्वारा मिले प्रोत्साहन से उनका संकल्प और मजबूत होता चला गया। आज वह अकेले पौधरोपण और उनकी देखभाल का काम करते हैं, जिसमें गांव के ही कुछ युवा उनके साथ जुड़े हुए हैं।

पौधारोपण के लिए बनवाया मॉडिफाइड बाइक

बिलासपुर से निकलकर जैसे ही आप रतनपुर-कटघोरा-कोरबा रोड की ओर आगे बढ़ेंगे, महज 5 किलोमीटर की दूरी पर पड़ता है गांव सेंदरी। इस गांव में एक छोटी सी किराना दुकान है। दुकान की आय ज्यादा नहीं है, लेकिन इतनी है कि इसके मालिक दूजराम अपना घर चलाने के साथ-साथ हरियाली बिछाने के उनके काम में मदद कर देती है। यही नहीं, दुकान उन्हें इतना समय भी दे देती है कि वे अपने घर, परिवार और गांव से आगे बढ़कर प्रकृति के लिए कुछ कर गुजरने में सफल हो जाते हैं। इस पौधा रोपण की मुहिम को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए दूजराम ने एक बाइक मोडिफाई कराई है।

एक संकल्प ने बचा ली 65 एकड़ जमीन, नहीं होने दिया अतिक्रमण

30 साल पहले लगाए बांस आज बन गए गांव की पहचान

पर्यावरण संरक्षण को लेकर जहां आज पूरी दुनिया चिंतित है, वहीं कबीरधाम जिले के विकासखंड बोड़ला अंतर्गत मड़मड़ा ग्राम ने तीन दशक पहले ऐसा कदम उठाया, जो आज पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता का अनूठा उदाहरण बन चुका है।

कवर्धा से महेश मिश्रा

ग्राम पंचायत मड़मड़ा की 65 एकड़ भूमि पर फैला बांस वन न केवल गांव की हरियाली को संरक्षित कर रहा है, बल्कि पंचायत के लिए आय का प्रमुख स्त्रोत भी बन गया है। लगभग 30 वर्ष पूर्व ग्रामीणों ने गांव की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से बचाने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सामूहिक सहमति से बांस का रोपण किया था। आज यही पहल गांव की पहचान बन चुकी है। पंचायत द्वारा बांस वन की सुरक्षा के लिए चौकीदार नियुक्त किया गया है। बांस की नीलामी से पंचायत को प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख रुपए की आय होती है, जिसका उपयोग गांव के विकास कार्यों में किया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह व्यवस्था पिछले कई दशकों से संचालित हो रही है और गांव के लोग स्वयं इसकी देखरेख करते हैं।

गांव के सुख-दुख में भी काम आता है बांस

मड़मड़ा में किसी परिवार में विवाह, पूजा-पाठ या सामाजिक कार्यक्रम होने पर मंडप निर्माण के लिए 16 नग बांस निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। वहीं निधन पर संस्कारों के लिए भी बांस मुफ्त दिया जाता है। शेष बांस की खुली नीलामी कर पंचायत आय अर्जित करती है।

ग्रामीणों की दूरदर्शिता का परिणाम

करीब 30 वर्ष पहले गांव की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से बचाने और उसे उपयोगी बनाने के उद्देश्य से ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से बांस रोपण का निर्णय लिया था। उस समय शुरू की गई पहल आज विशाल बांस वन का रूप ले चुकी है। ग्रामीणों की सहभागिता और पंचायत की सतत देखरेख से यह क्षेत्र हरियाली से आच्छादित हो गया है। पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और स्थानीय संसाधनों से विकास का यह मॉडल आज अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बन गया है।

आत्मनिर्भर पंचायत का मॉडल

ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती दीपिका पप्पू सिंह ठाकुर ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से शुरू किया गया यह प्रयास आज पंचायत की आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार बन चुका है। बांस वन से प्राप्त आय का उपयोग गांव के विकास कार्यों में किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी का यह मॉडल देखने के लिए अन्य क्षेत्रों से भी लोग यहां पहुंचते हैं।

चार साल तक करीब 1500 पेड़ लगाकर की उनकी सेवा, एक हादसे के बाद सूख गए कई

दादा की सीख, गुरुजी का संकल्प और सड़क किनारे खड़ी हरियाली की विरासत

पर्यावरण प्रेम की मिसाल महापल्ली के टंकधर गुरुजी द्वारा लगाए गए आम के पेड़ आज राहगीरों को सुकून की छांव और मीठे फल दे रहे हैं। दरअसल, जब दिसंबर 2005 में टीडी सर (टंकधर प्रधान गुरुजी) रिटायर हुए तो इसी सुकून की छांव की तलाश में दर-दर भटकते रहे। तब उनको ऐसा लगा कि जीवन में कुछ तो करना चाहिए और 2007 से उन्होंने पेड़ लगाना शुरू किया। पूर्वांचल के सकरबोगा और बनोरा के रास्ते में दोनों ओर करीब 1500 पेड़ लगाए, लेकिन पेड़ों ने भी गुरुजी की परीक्षा ली और 2011 में उनका एक्सीडेंट हो गया। उनकी कमर में चोट लगी और गुरुजी लगभग असक्षम हो गए। उस दौर में पेड़ अपने आप को एकबारगी अनाथ महसूस करने लगे, प्यास से उनके कंठ सूखने लगे। धीरे-धीरे पेड़ अपना अस्तित्व खोने लगे, लेकिन जो पेड़ संभल गए थे वह बिना पानी के ही बड़े हो गए। चार साल का जो समय था वह काफी कष्ट भरा था, ऐसे में पेड़ों की सेवा नहीं हो सकी और एक हजार से अधिक पेड़ मर गए। करीब डेढ़ दो सौ पेड़ ही जिंदा रहे, जो आज भी सड़क के दोनों ओर सीना ताने खड़े हैं और लोगों को राहत पहुंचा रहे हैं।

रायगढ़ से स्वतंत्र महंत

बाल्टी-कांवर से करते थे पेड़ों में सिंचाई

उस दौर में पानी की कुछ ज्यादा व्यवस्था नहीं थी। तब टीडी सर दो बाल्टी का कांवर बनाकर तालाब से पानी ढो-ढोकर पेड़ों की प्यास बुझाते थे। कभी बोरिंग से तो कभी तालाब से, इसी तरह का सिलसिला चलता रहा, लेकिन 2011 में एक दुर्घटना हो गई और गुरुजी को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। हादसे के बाद पेड़ों को समय पर पानी नहीं मिला तो कुछ जिंदा रहे बाकी दम तोड़ गए। टीडी सर कहते हैं कि आत्म परीक्षण आत्म मूल्यांकन के लिए जीवन मे हर आदमी को कम से कम पांच पेड़ लगाना ही चाहिए। टीडी सर अंग्रेजी के मास्टर हैं, लेकिन संस्कृत में भी उनकी रुचि है। वर्तमान में उनको 134-135 श्लोक कंठस्थ हैं। एक दिलचस्प बात और, गुरुजी घर में अखबार का सोडूकु बनाते हैं। इसके लिए उनके हाथ में हमेशा कागज पेन नजर आता है।

दादा जी से मिली प्रेरणा

टंकधर प्रधान गुरुजी बताते हैं कि उनको पेड़ लगाने की प्रेरणा उसके दादा जी अनिरुद्ध प्रधान से मिली। टीडी सर बताते हैं कि उनके दादा जी भी पर्यावरण प्रेमी थे, और गांव में अनगिनत पेड़ लगाए। उनके दादा जी द्वारा गांव में लगाए गए हजारों पेड़ आज भी जिंदा हैं और उनके फल गांव के लोग खाते हैं। टीडी सर के दादा कहा करते थे कि पेड़ लगाने के बाद उसे अपना कभी मत समझना। कहने का तात्पर्य है कि पेड़ लगाने के बाद वह दूसरों के ही काम आता है। दादा जी की प्रेरणा से ही टंकधर गुरुजी ने भी गांव में पेड़ लगाए। टीडी सर कहते हैं उनके जीवन को सुधारने में दादा जी का बहुत बड़ा योगदान है।

पंडितजी ने कहा था 65 साल ही है आपकी उम्र

आज टंकधर प्रधान गुरुजी करीब 83 साल के हो गए हैं, लेकिन पेड़ों के प्रति उनका प्रेम कम नहीं हुआ है। उन्हीं पेड़ों को अपना जीवन का आधार मानते हैं। इसमें भी एक दिलचस्प वाक्या है। टीडी सर बताते हैं कि उनके स्टाफ में एक पंडित गुरुजी हुआ करते थे। वे सभी का हाथ देखकर भाग्य बताया करते थे। टंकधर गुरुजी ने भी अपना हाथ दिखाया तो पंडित ने बता दिया कि वे 65 साल से ज्यादा जिंदा नही रहेंगे। 62 साल के बाद जब रिटायर हुए तो टीडी सर ने सोचा कि अब तो तीन साल ही जीना है। ऐसे में उनको कुछ करना चाहिए और पेड़ लगाना शुरु किया। बताते हैं कि आज पेड़ लगाने की वजह से शायद 83 साल तक जिंदा हैं। पेड़ उनके जीवन का आधार बन गए हैं।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) - ₹114621/-
22 कैरेट रेट (91.60%) - ₹139990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) - ₹152813/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels Pandri, Raipur

गगनचुंबी 28 फीट गोलाई वाला 1400 साल पुराना साल का पेड़ हमारी सांस्कृतिक सामाजिक विरासत

छत्तीसगढ़ में आस्था और भरोसे ने बरकरार रखी है हरियाली

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

पेड़ ईश्वर, पीढ़ियां करती आ रहीं पूजा, इसलिए ऐसे भी वृक्ष मौजूद जिनकी उम्र 100 से 1400

● रायपुर से गिरीश केशरवानी

जनजातियों को आस्था विरासत में मिली है। पीढ़ियों से चली रहीं प्रकृति पूजा ने जंगलों की हरियाली बचा रखी है। सही मायने में पर्यावरण के पोषक यही आदिवासी हैं। इनकी ही बदौलत छत्तीसगढ़ में आज ऐसे विशाल पेड़ मौजूद हैं, जिनकी उम्र 100 साल से लेकर 1400 साल तक की है। आदिवासी और जंगल में रहने वाले अन्य पारंपरिक समुदायों के बीच वन्यजीवों और जंगलों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से वन विभाग ने उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में एक सर्वे कराया है। सर्वे का मकसद इलाके में मौजूद पवित्र उपवनों को दर्ज करना और यह पता लगाना है कि कौन सा समुदाय किस पौधे और जंगली जानवरों की पूजा करता है। यह प्रकृति के साथ उनके गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाता है। यूएसटीआर के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन के अनुसार हमारे देश में प्राचीन काल से ही प्रकृति की पूजा की जाती रही है। जन जातीय समाज ने इबादत को पीढ़ियों से संभाल रखा है।

पेड़ों की जीआईएस मैपिंग

बलौदाबाजार वनमंडल के डीएफओ धमशील गणवीर के अनुसार बलौदाबाजार में मनीराम की बगिया सहित कई ऐसे वृक्ष हैं, जिनकी उम्र सौ वर्ष से ज्यादा है। ऐसे वृक्षों का संरक्षण, संवर्धन करने जीआईएस मैपिंग कर धरोहर के रूप में सहेजने की योजना है। साथ ही लोगों को उन पेड़ों के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी।

वृक्ष, जीव-जंतुओं की पूजा करते हैं

यूएसटीआर के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन के मुताबिक जो सर्वे कराए गए, उसमें कई दिलचस्प प्रथाओं का पता चला है। भुंजिया जनजाति की उप-जनजाति नागेश सांपों की पूजा करती है, नेताम समुदाय कछुओं की पूजा करता है, लोहार विश्वकर्मा समुदाय इंडियन रोलर पक्षी की पूजा करता है, गाड़ा-जगत मोर की पूजा करता है, कमार-पहाड़िया स्लॉथ भालुओं की पूजा करता है, भुंजिया-सोरी बाघों की पूजा करता है, गोंड-ओटी गोह (मॉनिटर छिपकली) की पूजा करता है और मेहर-कश्यप जंगली भैंसों और सूअरों की पूजा करता है। बरगद, कदंब, साजा, पीपल, आंवला, कुंभी, कसाई, बेल, महुआ, वन तुलसी, पलाश और कुरवा जैसे वृक्ष प्रजातियों की भी पूजा की जाती है।

राज्य के चर्चित धरोहर वृक्ष

- कोरबा, सतरंगा स्थित साल वृक्ष – 1400 वर्ष, यह राज्य का सबसे पुराना साल वृक्ष माना जाता है, जिसकी गोलाई लगभग 28 फीट है।
- कोरबा, सर्वमंगला मंदिर परिसर स्थित वट वृक्ष – 500 वर्ष, यह वट वृक्ष काफी विशाल है।
- धमतरी, दुगली स्थित सरई (साल) वृक्ष – 400 वर्ष से अधिक, इसे स्थानीय लोग ''सरई बाबा'' के नाम से पूजते हैं और इसे आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है।
- बस्तर जिला स्थित विशाल वट वृक्ष – 250 वर्ष, 12 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला यह राज्य का सबसे विशाल पेड़ माना जाता है।
- कोंडागांव स्थित बरगद का पेड़ – 200 वर्ष, इस एक ही विशालकाय वट वृक्ष पर 9 अलग–अलग प्रजातियों के पौधे, पेड़ लगे हैं।
- दंडकारण्य, बस्तर – तेंदू और अन्य वृक्ष – 600 वर्ष से अधिक, इन पेड़ों को भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और भरत से जुड़ा ऐतिहासिक व पौराणिक स्थल माना जाता है।

पहाड़ का सीना चीरकर रोपी हरियाली, पौधों को सदमे से बचाने 'उनकी मिट्टी' में ही रोपण

● रायपुर से रुचि वर्मा

राजनांदगांव वन क्षेत्र के डीएफओ आईएफएस आयुष जैन की पहल

चट्टानों को काटकर मिट्टी भरी, इसमें बड़े पौधे लगाए ताकि जमा सके अपनी जड़ें

राजनांदगांव का डूडेंरा पहाड़ जहां आज से दो साल पहले तक सिर्फ कठोर चट्टान, धूप की तपिश, गर्म हवाओं का कहर और चारों ओर विरानगी थी, वहां आज जिंदगी मुस्कुरा रही है। तपती गर्मी में भी ऐसी सुकून भरी छांव मिल रही है कि जो यहां आए ठहर जाए। यह बदलाव एक दिन में नहीं हुआ। इसके पीछे बीते दो वर्षों की कठिन मेहनत, जुनून और दृढ़ संकल्प है जिसने यह उम्मीद जगाई है कि हम धरती का खोया हुआ सौंदर्य लौटा सकते हैं। डूंडेरा के चटियल इलाका हराभरा बन चुका है। दरअसल, यह पूरी कवायद अंबाला हरियाणा के मूल निवासी आयुष जैन की है। वह 2017 के छग बैच के आईएफएस हैं। जब उन्हें राजनांदगांव के वनक्षेत्र का डीएफओ नियुक्त किया गया तब उनके कार्यक्षेत्र के हिस्से जो जमीन आई उनमें एक बड़ा हिस्सा पहाड़ी था। जहां मिट्टी का नामो-निशां नहीं था। इसके बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। अब डूडेंरा पहाड़ के करीब 7 हेक्टेयर क्षेत्र में 8 हजार से भी अधिक पेड़-पौधे लहरा रहे हैं।

ऐसे हुआ परिवर्तन

बदले गए मापदंड 50% बढ़ाई चौड़ाई-गहराई

प्लांटेशन के लिए सामान्य रूप से 45 इंच चौड़ा और गहरा गड्ढा खोदा जाता है। चूंकि पौधारोपण डूडेंरा के पहाड़ों में किया जाना था, जहां केवल चट्टान ही थे, इसलिए इसकी गहराई-चौड़ाई लगभग 50 प्रतिशत बढ़ा दी गई। यहां 45 इंच की जगह 60 इंच चौड़े गड्ढे खोदे गए। पौधारोपण के लिए विशेष मिट्टी तैयार की गई, जिसमें खाद तथा अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा जिस मिट्टी में पौधों का रोपण हुआ था उस मिट्टी को भी यथावत रखा गया ताकि पौधों को पूर्ण परिवर्तन के कारण सदमा ना लगे और वे विकसित हो सकें। यहां नीम, खैर, सागौन, बरगद, आंवला और शिशु जैसे पेड़ लगाए गए हैं।

चमगादड़ों की मौत प्रकृति का संकेत

आयुष जैन बताते हैं कि वन क्षेत्र में आना संयोगवश हुआ, लेकिन इसके बाद से उनका जीवन बदल गया। वे जिस स्थान से आते हैं, वहां जंगल और वन क्षेत्रों की कमी है। जब जिम्मेदारी मिली तो तय किया कि पृथ्वी ने जो उन्हें दिया है, उसे वे लौटाएंगे। वे कहते हैं कि पिछले दिनों भीषण गर्मी से हुई चमगादड़ों की मौत प्रकृति का संकेत है। धरती एक है। मानव, जीव-जंतु सभी यहीं रहना है। बेहतर होगा कि इंसान इसे समझे।

ममता की छांव में पनप रही हरियाली... रायपुर में 59 हजार पौधों की बच्चों के साथ परवरिश कर रहीं 12 हजार माताएं

● रायपुर से विकास शर्मा

पर्यावरण के लिए इसे भी एक साधना ही कहेंगे कि रायपुर की 12 हजार माताएं उन पौधों को अपने बच्चों की तरह बड़ा कर रही हैं, जो उनको प्रसव के दौरान मिले थे। बच्चे और पौधे साथ बड़े हो रहे हैं। ममता की छांव में पनप रहे इन पौधों की संख्या 59 हजार पहुंच चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के 'ग्रीन पालना' प्रोजेक्ट के तहत कांक्रीट में तब्दील हो रहे शहर और गांवों पर ग्रीन कवर चढ़ाया जा रहा है, जिसमें माताओं की बड़ी भूमिका है। इस प्रोजेक्ट के तहत प्रसव के लिए आने वाली माताओं को पांच पौधे उपहार में दिए जा रहे हैं। पिछले साल जून से शुरू हुए इस अनूठे अभियान को अब सालभर हो चुका है। इस दौरान जन्म लेने वाले बच्चों के साथ मांओं को उपहार में मिले पौधे भी बड़े होने लगे हैं। अपने इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन मैदानी टीम से बाकायदा नवप्रसुताओं के घर जाकर पेड़ का आकार ले रहे पौधों की मानिटरिंग कर रहे हैं।

मातृत्व और प्रकृति का बड़ा जुड़ाव

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश चौधरी का तर्क है यह प्रोजेक्ट सीधे मां की ममता से जुड़ा हुआ है। मां अपने बच्चे का लालन-पालन इस तरह करती है कि वह हमेशा स्वस्थ रहे। वह अपनी संतान को भविष्य में स्वस्थ पर्यावरण देना चाहती है, इसलिए वह बच्चों के साथ गोद में मिले पौधों को भी कभी मुरझाने नहीं देगी। उन्हें अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराने के लिए कलेक्टर डा. गौरव सिंह के निर्देश पर विभागीय टीम प्रत्येक सप्ताह इन महिलाओं के घर जाकर निगरानी भी कर रही है।

होता है सुखद अहसास

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसींवा में करीब 9 माह पहले मां बनी कपसदा की हेमलता साहू के पति खोमलाल ने बताया कि बेटी संध्या के घर की बाड़ी में लगे पौधे को देखकर सुखद अहसास होता है। परिवार के सभी सदस्यों को इस बात की जिम्मेदारी दी गई है कि सुबह शाम पौधे का विशेष ख्याल रखे।

पत्नी की जिम्मेदारी

तिरैया निवासी साकेत यादव ने बताया कि उनकी बेटी पीहू को पालने की जिम्मेदारी जिस तरह पत्नी कुमकुम की है, उसी तरह बाड़ी में लगाये गए पौधे की देखरेख की जिम्मेदारी भी उसी को दी गई है। जीवन मे बेटी के रूप में बड़ा उपहार उन्हें मिला है । उसके जन्म के दौरान पहला उपहार पांच पौधे के रूप में मिला था इसलिए उसे संजोकर रख रहे हैं।

घर के भीतर बेटी, बाहर पेड़

ग्राम कपसदा में रहने वाले नरेंद्र साहू ने बताया कि बेटी लक्षिता का दिसम्बर में धरसींवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जनम के दौरान दिये गए पौधों को देखकर कुछ अजीब सा लगा। पत्नी ने पेड़ घर के बाहर लगा दिया था। समय बीतने के बाद घर के बाहर लगे आम के पौधे और भीतर खिलखिलाती बेटी को देखकर सुखद अहसास की अनुभूति हो रही है।

पेड़ नहीं, पुरखों का वरदान है साल, संकट में यही 'कल्पवृक्ष' पालता है वनांचल का पेट

● रविकांत राजपूत

सरई वनों का द्वीप है मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर, कल्पवृक्ष में बसती है लोगों की आत्मा। क्या सीख सकते हैं हम। साल में एक दिन 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाकर, कुछ पौधे रोपकर और भाषण देकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं। इसके उलट वनवासी-आदिवासियों के लिए हर दिन पर्यावरण दिवस है। उनके तीज-त्योहार, पूजा-पाठ और बच्चों का पेट इसी पेड़ की छांव में पलता है। आदिवासियों से हमें सीखना होगा कि पर्यावरण की रक्षा कोई एक दिन का इवेंट नहीं, बल्कि जीवन जीने का रोजमर्रा का सलीका है।

जब हवाओं में सरई (साल) के फूलों की भीनी-भीनी खुशबू घुलने लगे और वनांचल की हरी-भरी गोद नई कोमल पत्तियों से सज जाए, तो समझ लीजिए कि कुदरत खुद को नए रूप में ढाल रही है। विश्व पर्यावरण दिवस पर छत्तीसगढ़ का नवगठित जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर प्रकृति के इसी अद्भुत उत्सव का गवाह बन रहा है। कहने को तो सरई छत्तीसगढ़ का राजकीय वृक्ष है, लेकिन इस जिले के लिए यह सिर्फ एक पेड़ नहीं, बल्कि आदिवासियों का कल्पवृक्ष है। जिस पर उनका जीवन, उनकी संस्कृति और उनकी अर्थव्यवस्था की हर एक सांस टिकी है।

यही वजह है कि घने जंगलों से घिरे इस क्षेत्र को सरई वनों का द्वीप भी कहा जाता है।

आदिवासी समाज और सरई का अटूट रिश्ता

जिले के वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समाज और सरई के पेड़ के बीच का रिश्ता सदियों पुराना और बेहद पवित्र है। ट्राइबल कम्युनिटी के लिए सरई का पेड़ कोई आम वनस्पति नहीं, बल्कि उनके सुख-दुख का साथी है। आदिवासी समाज हर शुभ कार्य और त्योहारों पर सरई (साल) के पेड़ की पूरे विधि-विधान से पूजा करता है।

सहेजने के साथ बचाने की भी चुनौती: डीएफओ

मनेंद्रगढ़ वन मंडल के डीएफओ चंद्र कुमार अग्रवाल का कहना है कि, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला प्राकृतिक रूप से साल (सरई) के वनों से समृद्ध है। यह पेड़ हमारे ईकोसिस्टम और स्थानीय आदिवासी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। वन विभाग पर्यावरण दिवस के अवसर पर संकल्पित है कि इन बहुमूल्य वनों का न केवल वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण किया जाएगा, बल्कि सरई वनों के द्वीप कहे जाने वाले इस क्षेत्र में अवैध कटाई को पूरी तरह रोका जाएगा। हमारा मुख्य उद्देश्य आदिवासियों को सरई के लघु वनोपज (जैसे बीज और राल) का सही मूल्य दिलाकर उन्हें आर्थिक रूप से और सशक्त बनाना है।

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ

इस तस्वीर में एलआईसी एजेंट को पहचानिए

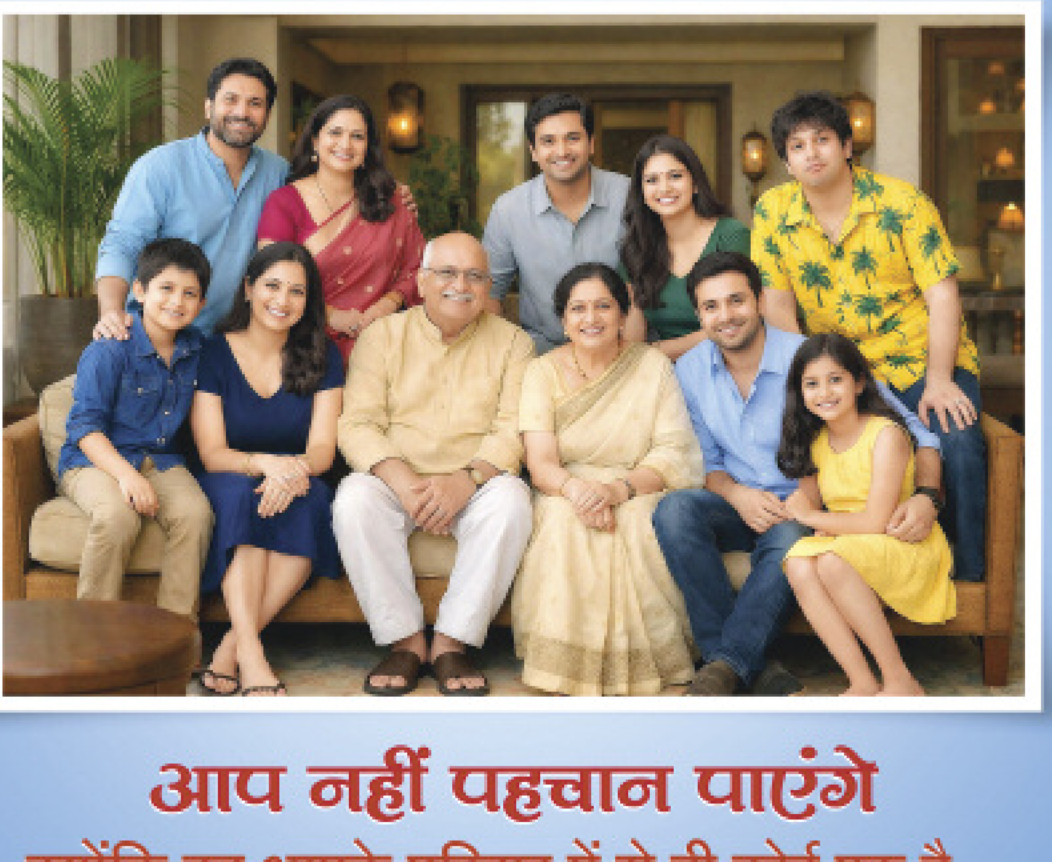

आप नहीं पहचान पाएंगे
क्योंकि वह आपके परिवार में से ही कोई एक है...

हमारे एजेंट से आज ही संपर्क करे, जो आपका पारिवारिक मित्र है, और विचार विमर्श करें कि जीवन बीमा आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति और नियोजित रिटायरमेंट को पूरा करने में कैसे मददगार हो सकता है।

क्यूआर कोड स्कैन करें और डाउनलोड करें My LIC App
विजिट करें: licindia.in
कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827
हमारा व्हॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'
हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

चिंतन

'तिजौरी' का ताला है साइबर सुरक्षा

डिजिटल युग में हमारी जिंदगी जितनी आसान हुई है, उतनी ही जोखिमों से भी घिर गई है। बैंकिंग से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा से लेकर सरकारी कामकाज तक लगभग हर व्यवस्था इंटरनेट और डिजिटल नेटवर्क पर निर्भर है। ऐसे समय में साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और व्यक्तिगत गोपनीयता का भी अहम हिस्सा बन गई है। अक्सर लोग साइबर सुरक्षा को उतनी गंभीरता से नहीं लेते, जितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। विशेषकर पासवर्ड को लेकर लापरवाही बरतते हैं, जबकि आज के डिजिटल नेटवर्क में पासवर्ड को डिजिटल दुनिया की 'तिजौरी' का ताला कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जिस प्रकार कोई व्यक्ति अपनी 'तिजौरी' की चाबी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं सौंपता, उसी प्रकार पासवर्ड को भी पूरी तरह गोपनीय रखना आवश्यक है, लेकिन व्यवहार में अक्सर इसके उलट देखने को मिलता है। लोग आसान पासवर्ड रखते हैं, एक ही पासवर्ड कई खातों में इस्तेमाल करते हैं या फिर उसे दूसरों के साथ साझा कर देते हैं। कई बार सिस्टम तक को खुला छोड़ देते हैं। यही लापरवाही साइबर अपराधियों के लिए अवसर बन जाती है। हाल ही में सीबीएसई की ओर से री-इवैल्यूएश के लिए खोले गए पोर्टल को महज 2 मिनट के भीतर 15 लाख से ज्यादा बार हैक करने की कोशिश की गई। यह दर्शाता है कि साइबर अपराधी कितने शातिर हो गए हैं। केंद्र सरकार ने तमाम राज्यों को अगाह किया है कि कोई बड़ा साइबर अटैक हो सकता है। यह हमला तभी रुकेगा, जब हमारी साइबर सुरक्षा मजबूत होगी। सुरक्षा के विभिन्न चरणों में पासवर्ड भी इसे सुरक्षा प्रदान करते हैं। अब कोई कर्मचारी अपने पासवर्ड को किसी के साथ शेयर करता है तो वह उसकी घोर लापवाही है। कर्मचारी कई बार अपने सिस्टम को खुला छोड़ देते हैं, इससे सिस्टम अपराधियों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। इससे दुनिया के तमाम साइबर अपराधी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हैं और उनकी साइबर सुरक्षा में सेंध लगा देते हैं। भारत में साइबर हमलों की बढ़ती घटनाएं इस खतरे का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। हर वर्ष लाखों साइबर सुरक्षा घटनाएं दर्ज की जा रही हैं और प्रतिदिन हजारों वेब-आधारित हमलों का सामना करना पड़ रहा है। साइबर अपराधी डेटा चोरी, फिशिंग, रैंसमवेयर और पहचान की जालसाजी जैसे हथकंडों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनसे बचाव के लिए केवल तकनीकी उपाय ही नहीं बल्कि जागरूकता भी आवश्यक है। दिल्ली स्थित एम्स पर हुए रैंसमवेयर हमले ने देश को यह दिखा दिया था कि साइबर सुरक्षा में एक छोटी सी कमजोरी भी कितनी बड़ी समस्या बन सकती है। इस हमले के कारण अस्पताल की सेवाएं कई सप्ताह तक प्रभावित रहीं और लाखों मरीजों का डेटा खतरे में पड़ गया। चिंता की बात यह भी है कि देश के कई राज्य साइबर अपराधों के हॉटस्पॉट बनकर उभर रहे हैं। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश में साइबर अपराधों के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। इसका अर्थ है कि समस्या अब किसी एक क्षेत्र या संस्थान तक सीमित नहीं रह गई है। यह राष्ट्रीय स्तर की चुनौती बन चुकी है, जिसके समाधान के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। ऐसे में सरकार को भी अपने साइबर सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना चाहिए, ताकि कोई भी साइबर अपराधी वहां तक न पहुंच सके। अगर हम समय रहते नहीं चेते तो भविष्य में बड़ा नुकसान हो सकता है।

विकास की दौड़ में दम तोड़ती धरती

पर्यावरण दिवस
राज कुमार सिन्हा

पर्यावरण को समझने के लिए अपने आस-पास के जैविक और अजैविक घटकों जैसे हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे और जीव-जंतुओं के आपसी संबंधों को जानना बहुत जरूरी है। जैविक घटक में सभी सजीव चीजें शामिल हैं, जैसे पेड़-पौधे, सूक्ष्मजीव, जानवर और मनुष्य। अजैविक घटक में सभी निर्जीव लेकिन जीवन के लिए आवश्यक तत्व आते हैं, जैसे हवा, पानी, मिट्टी, धूप, और तापमान।पर्यावरण को समझने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को जानना आवश्यक है। यह एक ऐसा प्राकृतिक वातावरण है जहां सभी जीव एक-दूसरे पर और अपने आस-पास के निर्जीव वातावरण पर निर्भर रहते हैं जैसे पौधे धूप और मिट्टी से बढ़ते हैं और जीव-जंतु उन पौधों पर निर्भर रहते हैं। एक प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र मानव हस्तक्षेप के बिना बनता है।जैसे वन और घास के मैदान, रेगिस्तान और पहाड़, झीलें, नदियां और महासागर आदि। ये पर्यावास अपने आप विकसित होते हैं, और विशिष्ट परिस्थितियों के अनुकूल ढलने वाले विविध जीवों को सहारा देते हैं। पर्यावरण हमारे जीवन-रक्षक तंत्र के रूप में कार्य करता है, जो हमें ऑक्सीजन और स्वच्छ हवा, जल संसाधन,खाद्य आपूर्ति और प्रजातियों के लिए आवास विकसित करता है। जिससे एक स्वस्थ वातावरण और जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है, जो पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। प्रारंभिक मानव ने स्वयं को प्रकृति के अनुरूप बना लिया था। उनका जीवन सरल था एवं आस-पास की प्रकृति से उनकी आवश्यकताएं पूरी हो जाती थीं। समय के साथ कई प्रकार की आवश्यकताएं बढ़ीं। मानव ने पर्यावरण के उपयोग और उसमें परिवर्तन करने के कई तरीके सीख लिए। उसने फसल उगाना, पशु पालना एवं स्थायी जीवन जीना सीख लिया। पहिए का आविष्कार हुआ, आवश्यकता से अधिक अन्न उपजाया गया, वस्तु-विनिमय पद्धति का विकास हुआ, व्यापार आरंभ हुआ एवं वाणिज्य का विकास हुआ। औद्योगिक क्रांति से बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रारंभ हो गया। परिवहन तेज गति से प्रारंभ हुआ। सूचना क्रांति से पूरे विश्व में संचार सहज और द्रुत हो गया है। प्रकृति एवं मानवीय पर्यावरण के बीच सही संतुलन होना आवश्यक है। मानव को पर्यावरण के साथ समरसता से रहने एवं उसका उपयोग सीखना चाहिए। इन तत्वों के सामंजस्यपूर्ण ढंग से कार्य किए बिना, पृथ्वी पर जीवन खतरे में पड़ जाएगा, जो हमारे पर्यावरण को बचाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। पर्यावरण केवल वैज्ञानिक या तकनीकी मुद्दा नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा हुआ है। जबकि केंद्रीकृत और कॉर्पोरेट-प्रधान विकास मॉडल पारिस्थितिक असंतुलन और सामाजिक असमानता को बढ़ाता है। यूँ तो विकास प्रकृति का स्वाभाविक नियम है, लेकिन यहां हम विकास के पीछे छिपी पूंजीवादी ताकतों के एजेंडे की बात कर रहे हैं। पूंजीवादी प्रणाली में उत्पादन और वितरण सामाजिक समानता, न्याय और पर्यावरण की सुरक्षा की बजाय निजी मुनाफे से संचालित होती है। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और विनाश पर अधारित विकास के कारण उन समुदायों को विस्थापित होना पङता है जो इन संसाधनों पर निर्भर हैं। अधिकांश जैव विविधता का प्रबंधन स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों द्वारा किया जाता है, यही कारण है कि यह सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रकृति की रक्षा और पुनर्स्थापना को उचित स्थान मिले।आज भारत में विकास, जलवायु संकट और प्राकृतिक आपदाओं के चौराहे पर खड़ा है, इसलिए प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व ही टिकाऊ भविष्य का एकमात्र रास्ता है। आज आदिवासियों की बदहाली के मूल में तथाकथित विकास की अवधारणा है। विकास की अंधी दौड़ में उन्हें जबरन घसीटकर इस बदहाली तक पहुंचा दिया गया है। अब और विकास हुआ तो शायद वे खत्म ही हो जायेंगे। पूंजी और मुनाफे से दूर उनका जीवन दर्शन जल, जंगल, जमीन के प्रति हमेशा संवेदनशील रहा है। उनके अस्तित्व का संकट, दुनिया का संकट है और उनको बचाने का मतलब है, दुनिया को भी बचाए रखना है।जीवन का मूल आधार, हवा, पानी और मिट्टी गहरे संकट में है, और यह स्थिति आगे और बदतर होगी। करोड़ों लोगों को बढ़ती असुरक्षा, फसल नुकसान, भीषण गर्मी, जल संकट, प्रदूषण, कुपोषण, बेरोजगारी तथा अलगाव और जीवन के अर्थ खोने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

कृषि 'ग्रीनहाउस गैसों' का एक प्रमुख स्त्रोत है जिससे भविष्य में खाद्य-सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न होने की संभावना है। जल के बढ़ते उपयोग और सूखे के कारण उत्पादन के लिए पानी की कमी हो सकती है। कृषि में कीटनाशकों के प्रयोग से भूजल और पर्यावरण में जहर घुल रहा है। 'प्राकृतिक' और 'जैविक खेती' ऐसी कृषि पद्धति है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना उत्पादन बढ़ा सकती है। 'प्राकृतिक खेती' से कार्बन उत्सर्जन में 35% से 50% तक की कमी आ सकती है। दूसरी ओर ईंधन का जलना (जैसे कोयला, तेल, और गैस), वनों की कटाई, और औद्योगिक प्रक्रियाएं, ये सभी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन के प्रमुख स्त्रोत हैं। ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख कारण है, जिसके कारण तापमान में वृद्धि, समुद्र के स्तर में वृद्धि, और चरम मौसमी घटनाओं जैसे प्रभाव होते हैं। तीव्र होती समुद्री ऊष्मा तरंगें मानवजनित जलवायु परिवर्तन की व्यापक और विनाशकारी संकेत हैं। जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए आर्द्रभूमि (वेटलैंड) हमारा सबसे प्रभावी पारिस्थितिकी तंत्र है। ये कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर तापमान कम करने और प्रदूषण घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परन्तु वर्ष 1970 से लेकर अब तक दुनिया की 35 प्रतिशत आर्द्रभूमि विलुप्त हो चुकी है। 'वेटलैंड इंटरनेशनल' के अनुसार भारत की करीब 30 प्रतिशत आर्द्रभूमि पिछले तीन दशकों में विलुप्त हो चुकी है।इसी तरह महासागर एक प्रमुख कार्बन सिंक होने के अलावा, महासागर जलवायु नियमन और पोषक चक्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह पृथ्वी के वायुमंडलीय ऑक्सीजन का 50% से 85% तक उत्पादन करता है। वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे तटीय समुदायों और बाढ़ की चपेट में आने वाले शहरों के जीवन और आजीविका को खतरा है।दूसरी ओर सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायरनमेंट (सीएसई) दिल्ली के अध्ययन अनुसार 2015-16 से 2024-25 के दौरान भारत में 1.76 लााख हेक्टेयर वनभूमि गैर-वन कार्यों के लिए दी गई है। इसमें से 97,050 हेक्टेयर जमीन पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में डायवर्ट हुई है जो 2015 से 2020 की तुलना में 23 फीसदी अधिक है। 24,347 हेक्टेयर वन भूमि मध्यप्रदेश में डायवर्ट किया गया है जो पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में गैर-

वन गतिविधियों के लिए डायवर्ट की गई कुल हिस्सा का करीब 25 प्रतिशत है। सीएसई दिल्ली की रिपोर्ट अनुसार 79 लाख लोगों की मृत्यु विश्व में वायु प्रदूषण के कारण हुई है और 20.1 लाख वायु प्रदूषण के कारण मृत्यु भारत में दर्ज की गई है। हाल के दशक (2014 से 2023) में भारत में परिवेशीय पीएम 2.5 के कारण होने वाली मृत्यु में 61.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत का औसत तापमान पिछले एक दशक (2015–2024) में लगभग 0.9सेंटीग्रेड बढ़ गया है, जो 20वीं सदी की शुरुआत (1901–1930) की तुलना में अधिक है। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी और पूर्वोत्तर भारत में वर्ष के सबसे गर्म दिन का तापमान 1950 के दशक से अब तक 1.5 से 2C तक बढ़ चुका है। आधुनिक विकास के नाम पर जिन 'भस्मासुरों' को बनाया, बढ़ाया जा रहा है, प्लास्टिक उनमें से एक है। कुल-जमा सौ-सवा सौ साल पहले ईजाद किया गया यह कारनामा आज प्रकृति-पर्यावरण और इंसानों के अस्तित्व के लिए संकट बन गया है। मनुष्य अपनी सुविधाओं और भौतिक इच्छाओं की पूर्ति के लिए जंगल काटता है, खनिजों का अत्यधिक दोहन करता है, नदियों को प्रदूषित करता है। विश्व की आर्थिक तरक्की ने पिछले 50 से 70 वर्षों में उत्पादन, व्यापार, और तकनीकी विकास को तेज़ किया है। लेकिन इस तरक्की की पर्यावरणीय कीमत भारी है।

भारत में प्राकृतिक संसाधनों की बर्बादी केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गहरी आजीविका और सामाजिक न्याय की समस्या है। गरीब और निर्भर समुदायों के लिए भूमि, जल और वन केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की बुनियाद हैं। जब ये संसाधन अनियंत्रित रूप से नष्ट या निजी हितों के लिए उपयोग किए जाते हैं, तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा नुकसान उन्हीं लोगों को होता है जिनकी आवाज सबसे कमजोर होती है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण वास्तव में गरीबी उन्मूलन और सामाजिक न्याय की भी शर्त है।

-बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ

दिवस विशेष
अरविंद जयतिलक

आइए, सभी पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लें

आज विश्व पर्यावरण दिवस है। यह दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु विश्व भर में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक व सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष 1972 में की थी। विडंबना यह है कि इस दिवस पर हम एक ओर पर्यावरण सुरक्षा के प्रति चिंता जाहिर करते हैं, संगोष्ठियां करते हैं, नए कानून गढ़ते हैं, वहीं अंधाधुंध विकास के नाम पर प्रति वर्ष 7 करोड़ हेक्टेयर वनों का विनाश करते हैं। ऐसे में पर्यावरण दिवस मनाना अपने आप में बेमानी हो जाता है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले सैकड़ों सालों में मनुष्य जाति ने विकास के नाम पर करोड़ों हेक्टेयर वनों का विनाश किया है। उसके इस कृत्य से प्रकृति की तकरीबन एक तिहाई से अधिक प्रजातियां नष्ट हुई हैं। जंगली जीवों की संख्या में 50 फीसद की कमी आई है। उदाहरण के लिए भारत में पिछले एक दशक में पर्यावरण को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों की संख्या में 97 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। इससे मृत पशुओं की सफाई, बीजों का प्रकीर्णन और परागण कार्य काफी हद तक प्रभावित हुआ है।

गिद्धों की तरह अन्य प्रजातियां भी तेजी से विलुप्त हो रही हैं। वनों के विनाश से वातारण भी जहरीला होता जा रहा है। यानी प्रतिवर्ष 2 अरब टन अतिरिक्त कार्बन-डाइआक्साइड वायुमण्डल में घुल-मिल रहा है। इससे जीवन का सुरक्षा कवच मानी जाने वाली ओजोन परत को नुकसान पहुंच रहा है। नेचर जिओसाइंस की मानें तो ओजोन परत को होने वाले नुकसान से कुछ खास किस्म के अत्यंत अल्प जीवी तत्वों (वीएसएलएस) की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है जो मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरनाक है। गौरतलब है कि दुनिया के 20 सबसे ज्यादा क्लोरोफ्लोरो कार्बन उत्सर्जित करने वाले देशों के बीच ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए 16 सितंबर, 1987 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक संधि हुई जिसे मांट्रियाल प्रोटाकॉल नाम दिया गया। इसका मकसद ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार गैसों एवं तत्वों के इस्तेमाल पर रोक लगाना था। इस दिशा में अभी तक अपेक्षित सफलता हासिल नहीं हुई है। अब तक वायुमण्डल में 36 लाख टन कार्बन डाइआक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और वायुमण्डल से 24 लाख टन आक्सीजन समाप्त हो चुकी है। यदि पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो जाए तो आर्कटिक एवं अण्टाकर्टिका के विशाल हिमखण्ड पिघल जाएंगे जिससे समुद्र के जल स्तर में 10 इंच से 5 फुट तक वृद्धि हो सकती है। वर्ष 2007 की इंटरगवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के करीब 30 पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई वर्ष 2005 में आधे मीटर से ज्यादा कम हो गई। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके लिए मुख्य रूप से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन जिम्मेदार है। हिमालय क्षेत्र में पिछले पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर 2 से 5 किलोमीटर सिकुड़ गए हैं। इसके अलावा हिमालय के 76 फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। कश्मीर और नेपाल के बीच गंगोत्री ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ते ग्लेशियर का एक अन्य उदाहरण है। अनुमानित भूमंडलीय तापन से जीवों का भौगोलिक वितरण भी प्रभावित हो सकता है। पृथ्वी पर करीब 12 करोड़ वर्षों तक राज करने वाले डायनासोर नामक दैत्याकार जीवों के समाप्त होने का कारण संभवतः ग्रीन हाउस प्रभाव ही था। निश्चित रुप से मनुष्य के विकास के लिए प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का दोहन आवश्यक है। पर उसकी सीमा भी निर्धारित होनी चाहिए। स्टाकहोम सम्मेलन 1972 में मानवीय पर्यावरण पर घोषणा हुई।

सैद्धांतिक रूप से पृथ्वी के प्राकृतिक द्रव्यों जिनमें वायु, पानी, भूमि तथा पेड़-पौधे शामिल हैं, को वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों के लिए सावधानीपूर्ण तथा उपयुक्त योजना तथा प्रबंध द्वारा सुरक्षित रखने पर बल दिया गया। 1992 के रिओ शिखर सम्मेलन में कहा गया कि स्थायी विकास के सभी सरोकारों का केंद्र-बिंदु मानव जाति ही है और उसे प्रकृति के साथ पूर्ण समरसता रखते हुए स्वस्थ एवं उत्पादनशील जीवन जीना चाहिए, लेकिन ये सभी सिद्धांत कागजों तक ही सीमित है। उसका अनुपालन नहीं हो रहा है। लेकिन गौर करें तो आज भी मनुष्य अपने दुराग्रहों के साथ ही खड़ा है। प्रकृति से उसका खिलवाड़ का तरीका पहले से भी जघन्य हो गया है। नतीजा सामने है। प्रकृति भी प्रतिक्रियावादी बनती जा रही है। पर विडंबना है कि मानव जाति समझने को तैयार नहीं। किंतु उसे समझना ही होगा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर वह स्वयं को सुरक्षित नहीं रख सकता।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन को स्थिर रखना ही है जीवन का सूत्र

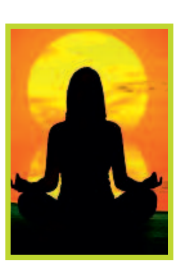

संकलित
दर्शन

काम, क्रोध, लोभ और मोह की स्वाभाविक वृत्तियों से घिरा हुआ मनुष्य जब अपनी असत दृष्टि से इनमें आनंद का अनुभव करने लगता है, तो उसे यह संसार खुशनुमा लगने लगता है। काम अर्थात इच्छा। जब भी किसी व्यक्ति के मन में उठी इच्छा की पूर्ति होती है, तो वह परम आनंद को प्राप्त होता है, पर वह यह भूल जाता है कि उसकी यह इच्छापूर्ति उसी तरह से उसके मन में एक और इच्छा जागृत करके उसके चित्त को अव्यवस्थित कर देगी, जिस तरह से जलती हुई अग्नि पूरी मात्रा में घी पाने पर भी बुझती नहीं है, अपितु और वेग से जलने लगती है। इसी भांति से यदि अन्य किसी व्यक्ति के साथ विचार भिन्नता होती है तो वे दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की हानि करने के लिए तत्पर हो जाते हैं और अपने चित्त की सहज शांति खो बैठते हैं। इस स्थिति में जिसकी हानि होती है वह तो दुखी होता ही है, जो लाभ में रहता है वह भी हारे हुए पक्ष की ओर से आने वाली संभावित प्रतिक्रिया से हर दम चिंता में डूबा रहता है। और इस तरह से क्रोध भी व्यक्तियों को पीड़ित करने का कारण ही बनता है। वहीं लोभ और मोह की असीमित शक्ति का तो यह हाल है कि हम अपना पूरा का पूरा जीवन इसमें लगा देते हैं कि हमारे पास इतनी अथाह संपत्ति हो, जिसकी बराबरी धरती का कोई भी दूसरा व्यक्ति कभी न कर सके और हमारी अपनी संतान भी ऐसी हो, जिसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला न हो सके। रावण से लेकर कंस आदि के उदाहरण हमारे सामने हैं, जो अपने जीवन में अपनी ऐसी ही मानसिक विकृतियों से कभी भी पार नहीं पा सके।

आखिर कर्म ही महान

संकलित
प्रेरणा

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछाः कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

अंतर्मन

आज की पाती

जरूरत से ज्यादा विनम्र होना भी ठीक नहीं

जरूरत से ज़्यादा विनम्र होना और किसी को अधिक सम्मान देना भी आज के समय में कई बार एक बड़ी मूर्खता प्रतीत होती है। वे लोग आपको/हमें लगभग उनका दास ही समझने लगते हैं, विशेषकर बड़े प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के विषय में। मुख्यत:, यदि कुछ प्रशासनिक अधिकारी ईमानदार और पूर्णत: संवैधानिक विषयों, कार्यों में भी सहयोग नहीं करते हैं, तो ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध निर्भीक होते हुए कानूनी तरीके से नि:संकोच होकर अवश्य ही अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। हमारे पूर्ण मर्यादा में रहते हुए, उन लोगों को भी कुछ सेंक/आंच महसूस होनी चाहिए। ये हम सभी को बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए कि बड़े से बड़े प्रशासनिक अधिकारी और चुने हुए प्रतिनिधि जनता की सेवा करने के लिए ही होते हैं, जनमानस–नागरिकों पर राज करने के लिए नहीं।

– विवेक सक्सेना, भिलाई

ट्रेंड

कल्याणकारी राजनीति

पिछले एक दशक में, भारत में मोदी जी के नेतृत्व में कल्याणकारी राजनीति का रूपांतरण हुआ है और यह सेवा, सुशासन और सशक्तिकरण के एक नए मॉडल में तब्दील हो गई है।

- **सम्राट चौधरी,** सीएम, बिहार

कबीले के साथ विश्वासघात

जो अपने ही कबीले के साथ विश्वासघात करते हैं...वे अंत में दुखी आत्माओं के रूप में भटकते रहते हैं! कुछ लोग बड़े-बड़े दावे करने के लिए मोहरे बन रहे हैं; अगर मोहरा बनना ही है, तो कम से कम कुछ बेहतर बनो—सिर्फ एक सिपाही बनकर रहना ठीक नहीं है।

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

भाजपा की अक्षमता

मोदी सरकार न केवल स्वास्थ्य सेवा और पोषण को लेकर भारत की महिलाओं और बच्चों को धोखा देती है, बल्कि यह जानबूझकर महत्वपूर्ण डेटा भी छिपाती है जो इसकी विफलताओं को उजागर करता है। एनएफएचएस-6 डेटा से भाजपा की पूर्ण अक्षमता उजागर हो गई है।

-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

अपार जनविश्वास

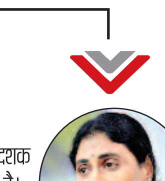

मोदी सरकार को विरासत में एक मजबूत अर्थव्यवस्था, सुदृढ़ संस्थाएं और अपार जनविश्वास मिला था। लेकिन महज एक दशक में इसने इन तीनों को कमजोर कर दिया है। मोदी जी का समय समाप्त हो गया है।

-वाईएस शर्मिला, कांग्रेसाध्यक्ष, आंध्र प्रदेश

करंट अफेयर

थ्येनआनमन स्क्वायर पर नहीं जाने की चेतावनी

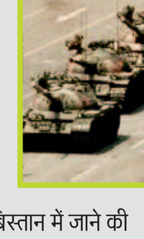

चीन का प्रशासन 1989 में थ्येनआनमन स्क्वायर पर विद्यार्थियों के नेतृत्व में हुए लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के खिलाफ की गयी सैन्य कार्रवाई की यादों को मिटाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस वर्ष प्रशासन ने इस घटना के पीड़ितों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी यह घटना बृहस्पतिवार को आज के ही दिन 37 साल पहले घटी थी। यह जनमानस से इस घटना को पूरी तरह मिटाने के लिए वर्षों से जारी अभियान का एक और कड़ा कदम है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पुलिस ने इस कार्रवाई में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, इस घटना में मारे गये लोगों के परिजन पिछले 30 सालों के दौरान पुलिस की निगरानी में कब्रिस्तान में जाकर श्रद्धांजलि देते रहे हैं। ये परिजन, 'थ्येनआनमन मदर्स' नाम के एक समूह से जुड़े हैं। चीनी सेना ने वर्ष 1989 में थ्येनआनमन चौक पर प्रदर्शनकारियों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश करने वाली भीड़ को कुचलते हुए हजारों लोगों को मार गिराया था।

ऑफ बीट

दर्द का आकलन 'लाई डिटेक्टर टेस्ट' की तरह नहीं हो सकता

आधुनिक मस्तिष्क स्कैनिंग तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग के बीच वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि किसी व्यक्ति के दर्द का आकलन 'लाई डिटेक्टर टेस्ट' (झूठ पकड़ने वाली मशीन से जांच) की तरह नहीं किया जा सकता, क्योंकि दर्द एक व्यक्तिगत अनुभव है जिसे केवल तकनीकी संकेतों के आधार पर प्रमाणित या खारिज नहीं किया जा सकता। वैज्ञानिकों का कहना है कि पुराना या दीर्घकालिक दर्द अक्सर दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका असर व्यक्ति के जीवन पर गहरा पड़ता है। वैज्ञानिक ने दावा किया कि मस्तिष्क स्कैन में कोच के दर्द के संकेत दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद मामला उस राशि से दस गुना अधिक पर सुलझा, जितनी राशि नियोक्ता पहले देने को तैयार था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह निष्कर्ष वैज्ञानिक रूप से उतना स्पष्ट नहीं है जितना प्रतीत होता है। उनका तर्क है कि यदि कोई विशेषज्ञ यह दावा कर सकता है कि स्कैन में दर्द दिखाई दे रहा है, तो वही तकनीक किसी दूसरे मामले में यह भी निष्कर्ष निकाल सकती है कि व्यक्ति दर्द का नाटक कर रहा है। यही स्थिति इस तकनीक को विवादास्पद बनाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, पुराना दर्द उन चिकित्सीय स्थितियों में से एक है जिन पर अक्सर संदेह किया जाता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

रायपुर
शुक्रवार 5 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी
वर्ष : 24, अंक : 315
16+8 =24 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 42.0
न्यून. 30.5

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
विश्व पर्यावरण दिवस
haribhoomi.com

दक्षिण-पश्चिम मानसून के असर से केरल में सात दिनों तक बारिश का अनुमान

केरलम में मानसून की दस्तक, छत्तीसगढ़ में दो दिन तेज हवाओं के साथ होगी बारिश

दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार को केरलम में प्रवेश कर गया है।भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देशभर के लिए विस्तृत मौसम चेतावनी जारी करते हुए बताया कि अगले सात दिनों के दौरान केरल और कर्नाटक में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत में अगले पांच से छह दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने बृहस्पतिवार को केरल में दस्तक दे दी। आमतौर पर मानसून एक जून के आसपास केरल पहुंचता है, जो दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (जून से सितंबर) की शुरुआत का संकेत माना जाता है। आईएमडी ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून, 2026 को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के शेष हिस्सों, पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ भागों, पूरे लक्षद्वीप द्वीपसमूह, केरल और माहे, कर्नाटक तथा तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के शेष भागों, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी तथा दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तक आगे बढ़ गया है। इससे पहले मौसम विभाग ने अनुमान लगाया था कि मानसून 26 मई को केरल पहुंचेगा। पिछले सप्ताह विभाग ने मौसमी वर्षा के अपने पूर्वानुमान में संशोधन करते हुए कहा था कि इस वर्ष बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है।

- उत्तर-पूर्वी भारत में अगले 5-6 दिनों तक भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना

केरल-कर्नाटक में भारी बारिश की संभावना

दक्षिण-पश्चिम मानसून 4 जून 2026 को केरल में प्रवेश कर गया है। अगले 7 दिनों के दौरान केरल और कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) होने की प्रबल संभावना है। तमिलनाडु में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। उत्तर-पूर्वी भारत में अगले 5-6 दिनों तक भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

पश्चिम भारत में भी सक्रिय रहेगा मौसम

कोंकण और गोवा, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र तथा सौराष्ट्र-कच्छ में अगले कुछ दिनों तक गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। कोंकण और गोवा में 4 से 10 जून तक भारी बारिश का अनुमान है। मध्य महाराष्ट्र में 5 जून और 7 से 10 जून के दौरान भारी वर्षा हो सकती है।

छत्तीसगढ़-मप्र में ऐसा अलर्ट

पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 4-5 जून, विदर्भ में 4 जून तथा छत्तीसगढ़ में 4-6 जून के दौरान गरज-चमक, बिजली और 50-60 किमी प्रति घंटे की तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इन क्षेत्रों में थंडरस्क्वॉल की भी संभावना है, जिसमें हवा की रफ्तार 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मध्य प्रदेश में 4 जून को अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि की चेतावनी भी जारी की गई है।

बिहार और यूपी में हीटवेव

मौसम विभाग के अनुसार बिहार में 6 से 8 जून के दौरान अलग-अलग स्थानों पर लू चलने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 7 से 10 जून तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 8 से 10 जून तक हीटवेव की स्थिति बन सकती है। ओडिशा में 4 से 8 जून तक गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। इसके अलावा तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 4-5 जून के दौरान उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है।

छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव परिणाम से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह

कांग्रेस ने जीत को जनता के विश्वास का प्रतीक बताया

5 नगर पंचायतों में 3 भाजपा और 2 पर कांग्रेस का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनावों के परिणाम घोषित हो गए, जिसने स्थानीय स्तर पर राजनीतिक तस्वीर साफ कर दी है। राज्य की पांच प्रमुख नगर पंचायतों में से भारतीय जनता पार्टी ने तीन सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस को दो सीटों से संतोष करना पड़ा है। 1,310 रिक्त पदों के लिए 1 जून को हुए मतदान के बाद गुरुवार सुबह से शुरू हुई मतगणना के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। आयोग द्वारा चुनाव परिणाम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता खत्म करने का आदेश जारी किया गया। चुनाव परिणामों के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और पार्टी नेताओं ने इसे सरकार की नीतियों तथा संगठन की मजबूती का परिणाम बताया है। दूसरी ओर कांग्रेस ने दो नगर पंचायतों में मिली जीत को जनता के विश्वास का प्रतीक बताते हुए आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन का दावा किया है। स्थानीय निकाय चुनावों के इन नतीजों को क्षेत्रीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन परिणामों का प्रभाव आगामी चुनावी रणनीतियों और स्थानीय विकास ▶▶| शेष पेज 5 पर

वार्डों में कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस ने नगर निगमों के उपचुनावों में महत्वपूर्ण वापसी की है। बस्तर जिले के जगदलपुर नगर निगम के 'इन्दिरा वार्ड' से कांग्रेस के रामकृष्ण तिवारी विजयी रहे। वहीं, बिलासपुर नगर निगम के 'संजय गांधी नगर' वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी शेख आजम ने भाजपा उम्मीदवार को शिकस्त देकर जीते। पांच निकायों में पार्षद के 71 पद में से 39 पद में भाजपा और 30 पद में कांग्रेस तथा 2 पद मे निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए हैं।

कहां, किसे मिली जीत

- कबीरधाम जिले में सहसपुर लोहारा नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए भाजपा की सरिता संतोष मिश्रा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के रोशन वैष्णव को 754 वोटों के बड़े अंतर से हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा किया
- जांजगीर-चांपा जिले की नगर पंचायत बामनीडीह इस नवगठित निकाय में भाजपा का दबदबा रहा। भाजपा के रमेश डड़सेना अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने कांग्रेस के रामलाल सहारे को हराया। यहां पर 15 में से 11 वार्डों में भी भाजपा ने जीत दर्ज की
- सूरजपुर जिले के शिवनंदनपुर भाजपा समर्थित रितेश जायसवाल अध्यक्ष का चुनाव जीत गए। उन्होंने कांग्रेस के संजय सोनी को हराया।

हालांकि यहां वार्डों में कांग्रेस ने 8 सीटें जीतकर कड़ी टक्कर दी है।

- राजनांदगांव जिले की घुमका नगर पंचायत में कांग्रेस की फूलमती वर्मा भाजपा की किरण वर्मा को महज 85 वोटों से हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा किया। वहीं 15 में से 11 वार्डों पर

▶▶| शेष पेज 5 पर

फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का निधन

मुंबई। फिल्म प्रोड्यूसर और सीबीएफसी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) के अध्यक्ष रहे पहलाज निहलानी का 76 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह कई दिनों से बीमार थे। उन्होंने बुधवार देर रात 3 बजे आखिरी सांसें लीं। पहलाज निहलानी का अंतिम संस्कार आज 3 बजे मुंबई के सांताक्रूज श्मशान में हुआ। निहलानी का स्वास्थ्य खराब चल रहा था। कोविड में तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें कुछ दवाइयों से कॉम्प्लिकेशन्स हो गए थे, जिससे उनकी किडनी पर असर पड़ा था। उनका इसी से संबंधित इलाज चल रहा था। फिल्म एसोसिएशन आईएमपीए के प्रेसिडेंट अभय सिन्हा ने पहलाज निहलानी के निधन पर कहा- वे हॉस्पिटल में थे। रात 3 बजे उनका देहांत हुआ है।

शार्ट सर्किट बना मौत की वजह, चार दिन की हिरासत में होटल मालिक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टेज़ बी एंड बी में लगी आग में 21 लोगों की मौत हो गई। इस भयावह हादसे की शुरुआती जांच के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। इधर, दिल्ली की एक अदालत ने मालवीय नगर इलाके के एक होटल में लगी आग के सिलसिले में होटल मालिक लवकेश बजाज को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई। अदालत ने मामले में बजाज की गिरफ्तारी को 'वैध और न्यायसंगत' बताया। न्यायिक मजिस्ट्रेट भानु प्रताप सिंह ने दिल्ली पुलिस की उस याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें आरोपी से चार दिन तक हिरासत में पूछताछ का अनुरोध किया गया था। बजाज की गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली दलीलों भी खारिज कर दी गई। बजाज पर गैर इरादतन हत्या समेत कई आरोपों के तहत मामला दर्ज किया।

अदालत ने होटल मालिक लवकेश बजाज को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

मृतकों के परिवार को 10-10 लाख का मुआवजा

दिल्ली सरकार ने मालवीय नगर अग्निकांड में जान गंवाने वाले मृतक के परिजनों को 10. 10 लाख रुपए और गंभीर रूप से घायलों को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जिन मृतकों के परिजन अन्य राज्यों या विदेशों में रहते हैं, उनके पार्थिव शरीरों को सम्मानपूर्वक उनके घर तक पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तुरंत की जाएं।

होटल सील, कर्मचारियों से पूछताछ

पुलिस ने दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में आग से तबाह हुए एक होटल की बृहस्पतिवार को छानबीन की ताकि इस हादसे के घटनाक्रम का पता लगाया जा सके। पुलिस ने स्थानीय लोगों और होटल कर्मचारियों से पूछताछ भी की। होटल के आसपास के इलाके को सील कर दिया गया। दिल्ली पुलिस, अपराध शाखा और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें बुधवार सुबह लगी आग से संबंधित सबूत इकट्ठा करने में जुटी हैं। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता भवन निर्माण नियमों के कथित उल्लंघन, अग्नि सुरक्षा में चूक, अवैध निर्माण और उन परिस्थितियों सहित सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं, जिनके कारण इतनी अधिक मौतें हुईं।

'मुझे माफ कर देना मम्मी-पापा, मैंने सब कुछ बर्बाद कर दिया'

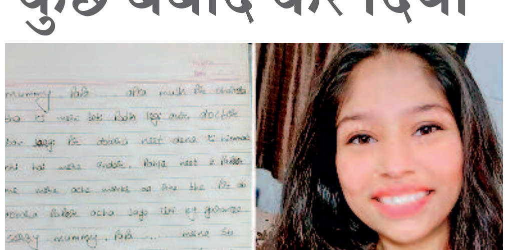

नीट की तैयारी कर रही एमपी की छात्रा का सुसाइड नोट

भोपाल। महाराष्ट्र के नागपुर में आत्महत्या करने वाली मध्य प्रदेश निवासी 18 वर्षीय नीट अभ्यर्थी आकांक्षा चतुर्वेदी के परिवार को उसका एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें माता-पिता से माफी मांगते हुए कहा है कि उसमें मेडिकल प्रवेश परीक्षा में दोबारा बैठने का साहस नहीं है। सुसाइड नोट में छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी ने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह दोबारा होने वाली परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर लेगी। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में रहने वाली आकांक्षा नागपुर में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परीक्षा रद्द होने की घोषणा के एक सप्ताह बाद, आकांक्षा का शव 20 मई को नागपुर स्थित उसके घर के कमरे में फंदे से लटकता पाया गया। घटना के कुछ दिन बाद परिवार को अब उसका सुसाइड नोट मिला है।

यह लिखा है पत्र में

आकांक्षा की मौत के दो हफ्ते से ज्यादा समय बीत जाने के बाद, जब आकांक्षा के दुखी रिश्तेदार उसके कमरे में उसका सामान समेट रहे थे, तो उन्हें एक हाथ से लिखा हुआ नोट मिला। आकांक्षा ने नोट में लिखा, 'मम्मी और पापा, आपको भरोसा था कि आपकी बेटी खूब पढ़ाई करेगी और डॉक्टर बनेगी, लेकिन अब मुझमें दोबारा नीट परीक्षा देने की हिम्मत नहीं बची है। मुझे माफ कर देना, मम्मी और पापा। मैंने सब कुछ बर्बाद कर दिया है।'

जागरूकता

डॉ. मोनिका शर्मा

छोटे-छोटे कदम उठाकर हम करें पर्यावरण की रक्षा

बच्चो, विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। आओ, हम अपने पर्यावरण की वर्तमान स्थिति के बारे में जानें। साथ ही इस बात को भी जानें कि हम बच्चे अपने पर्यावरण को कैसे प्रदूषणमुक्त और सुरक्षित रख सकते हैं।

बच्चो, हमारा पर्यावरण हमारे जीवन का आवरण है, जो हमें हर ओर से घेरे हुए है। प्यारे-प्यारे पशु-पक्षी, हरे-भरे पेड़ पौधे, सुंदर-मनमोहक नदी-पहाड़, समुंदर, तालाब और हम इंसान सब इस घेरे में ही रहते हैं। धरती, जल, आकाश और वायु से बना पर्यावरण यूं तो खुद को शुद्ध और स्वच्छ रखना जानता है, लेकिन हम इंसानों की एक्टिविटीज ही इसे दूषित कर रही हैं। इसीलिए पर्यावरण की संभाल-देखभाल बहुत जरूरी है। सबसे बड़ी बात यह है कि पर्यावरण की रक्षा हम छोटे-छोटे कदम उठाकर भी कर सकते हैं। तुम अपने रूटीन में कुछ आदतों को शामिल कर अपनी धरती और अपने पर्यावरण के रंगों को सहेज सकते हो। इसके लिए तुम्हें यह जानना चाहिए कि वे कौन से कारण हैं, जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है।

बदलता मौसम

बच्चो, तुमने घर के बड़ों को अकसर यह कहते हुए सुना होगा कि पहले तो इतनी गर्मी नहीं होती थी। कुछ साल पहले तक ठिठुराने वाली ऐसी ठंड भी नहीं पड़ती थी। बरसात भी समय पर होती थी। अच्छी बारिश से हरियाली भी खूब रहती थी। लेकिन अब तुम खुद देख रहे हो कि मौसम का रूप पूरी रह बदल गया है। झुलसाने वाली गर्मी हो या कड़ाके की ठंड, मौसम के बदलते रंग-ढंग के पीछे पर्यावरण असंतुलन ही है। यह असंतुलन इंसानों की गतिविधियों से कुदरत को पहुंचे नुकसान का नतीजा है। यही स्थिति बनी रही तो प्यारी-प्यारी तितलियां, हरे-भरे पार्क, रंग-बिरंगे फूलों से सजा स्कूल कैंपस और सहन करने लायक मौसम हमारे लिए सपना बन जाएंगे।

मौसम का बदलता पैटर्न

बच्चो, पर्यावरणीय असंतुलन की वजह से मौसम का पैटर्न भी बदलता है। मौसम के पैटर्न का बदलना हमारे जीवन के हर पहलू पर नकारात्मक असर डालता है। इससे बीमारियां बढ़ती हैं। बेमौसम बहुत ज्यादा बरसात होने से बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। बारिश की कमी से सूखे की स्थितियां बन जाती हैं। ऐसे में आने वाले कल की बेहतरी के लिए आज ही हम सबको सजग होना होगा। ग्लोबल वार्मिंग की अलार्मिंग स्थितियों में पर्यावरण रूपी अनमोल धरोहर की रक्षा में जुट जाना होगा। कुदरत के हर हिस्से से मिल रही वॉर्निंग्स को सुनना और हमारे पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में सही कदम उठाना हम सभी का कर्तव्य है।

क्लाइमेट चेंज का नतीजा

बच्चो, क्लाइमेट चेंज का ही नतीजा है कि कहीं पहाड़ दरक रहे हैं तो कहीं नदियां सूख रही हैं। दुनिया के किसी कोने में ग्लेशियर पिघल रहे हैं, तो कहीं रेगिस्तान का विस्तार हो रहा है। ऐसा सब होना और तेजी से होना, वाकई चिंता की बात है। इस साल पर्यावरण दिवस पर लोगों को जागरूक करने वाला यह विषय साफ-साफ समझा रहा है कि हमारी धरती हमसे बहस नहीं करती। हमारा घर कहा जाने वाला यह प्लेनेट कोई बातचीत नहीं करता। यह सिर्फ संकेत भेजता है। ग्लेशियर पिघलने से बढ़ते समुद्र, जंगल में आग की बढ़ती घटनाएं, बेहद गरम या ठंडी हवाएं, ऐसी बहुत सी बातें बिगड़ते पर्यावरण के ही इशारे हैं। चिंता की बात है कि हम सब ऐसे सिग्नल्स की अनदेखी कर रहे हैं। हमारी प्यारी पृथ्वी द्वारा भेजे जा रहे संकेतों के प्रति नासमझ बने बैठे हैं। वर्ल्ड एनवॉयरनमेंट-डे हमारी इस लापरवाही को लेकर चेताने वाला दिन है।

क्लाइमेट केयर है जरूरी

बच्चो, क्लाइमेट चेंज जैसी स्थिति से निपटने के लिए हमें प्रॉपर क्लाइमेट केयर करना होगा। तभी जाकर हमारा एनवॉयरनमेंट भी संतुलित और सुरक्षित रहेगा। इसके लिए तुम भी अपना योगदान दे सकते हो, बस तुम्हें अपने डेली-हैबिट्स में थोड़ा-सा बदलाव लाना होगा। पानी बचाना, फूड वेस्ट न करना, अपने कमरे से बाहर आते हुए बिजली-पंखे के स्विच बंद करना, कूड़ा-कचरा को सही जगह फेंकना, साफ-सफाई का ध्यान रखना... जैसी छोटी-छोटी बातें भी बहुत बड़ा बदलाव ला सकती हैं।

बच्चो, असल में बात केवल अपनी जिम्मेदारी समझने की है। पर्यावरण सहेजने के लिए घर के छोटे-बड़े सभी सदस्यों को क्लाइमेट वॉरियर बनना होगा। आस-पास जाने के लिए पैदल चलना या साइकिल का इस्तेमाल करने से लेकर अपने साथ एक थैला लेकर चलने और प्लास्टिक से दूरी बनाने तक। सब कुछ क्लाइमेट केयर से जुड़ा है। यूनाइटेड नेशंस द्वारा तय किया गया यह दिन, पर्यावरण की सेफ्टी और स्वास्थ्य के साथ ही दुनिया भर के लोगों की भलाई से भी जुड़ा है। ऐसे में क्लाइमेट केयर करना कहीं न कहीं खुद अपनी और अपने एनवॉयरनमेंट की देखभाल करने जैसा ही है। *

जागरूक करता खास दिन

विश्व पर्यावरण दिवस, पर्यावरण को बचाने के लिए जागरूकता लाने से जुड़ा एक विशेष दिन है। इससे जुड़ी अवेयरनेस कैंपेन में हर साल खास थीम के साथ लोगों को जागरूक किया जाता है। इस साल का विषय क्लाइमेट चेंज से जुड़ा है। इस साल पर्यावरण दिवस 'नाउ फॉर क्लाइमेट' थीम-टैगलाइन के तहत बिना देरी किए कार्रवाई करने का संदेश लिए है। यह पृथ्वी, पर्यावरण और मौसम के बदलावों से मिल रही चेतावनी को समझने से भी जुड़ा है।

बच्चो, बिजली की बचत और सौर ऊर्जा का अधिक उपयोग पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से बहुत जरूरी है। सौर ऊर्जा के महत्व, उसके इस्तेमाल के साथ जानो कि तुम किन तरीकों से बिजली की बचत में अपना योगदान दे सकते हो?

बिजली और सौर ऊर्जा का समझदारी से करो उपयोग

पहल

डॉ. दीपक कोहली

बच्चो, राजमर्रा के जीवन में हमारे चारों तरफ बिजली यानी विद्युत ऊर्जा का इस्तेमाल कई तरह से होता है जैसे-घर, स्कूल, पार्क, खेल के मैदान, खेल के उपकरण और छोटे-छोटे खिलौने तक में। लेकिन क्या तुम जानते हो कि पृथ्वी पर सूरज से इतनी ऊर्जा आती है कि अगर हम इसका सही इस्तेमाल करें, तो बहुत सारी बिजली बचाई जा सकती है? सूर्य से मिलने वाली इस ऊर्जा को सौर ऊर्जा कहते हैं।

क्या है सौर ऊर्जा: सौर ऊर्जा सूरज की किरणों से प्राप्त होती है। यह स्वच्छ, प्राकृतिक और नवीकरणीय (रीन्यूएबल) ऊर्जा है। इसका मतलब है कि यह कभी खत्म नहीं होती और पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचाती। आजकल तो घरों, स्कूलों, स्ट्रीट लाइट और खेतों में पानी के पंप चलाने तक में सौर ऊर्जा का इस्तेमाल होने लगा है।

किस तरह करती है काम: सूरज की किरणें जब सोलर पैनल पर पड़ती हैं, तो ये पैनल सूरज की रोशनी को विद्युत ऊर्जा में बदल देते हैं। यह बिजली घर में लाइट, पंखे और छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चलाने में काम आती है। सोचो, अगर हर घर और स्कूल में सौर ऊर्जा का इस्तेमाल इस तरह से हो, तो बिजली की कमी नहीं होगी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

सौर ऊर्जा से करो ये छोटे-छोटे प्रयोग: बच्चो, तुम घर या स्कूल में अपने पैरेंट्स की निगरानी में या फिर टीचर की गाइडेंस से छोटे सोलर पैनल से चलने वाले खिलौने बना सकते हो। इससे तुम्हें सौर ऊर्जा के काम करने का तरीका समझ में आएगा। दोस्तों के साथ मिलकर छोटे-छोटे प्रयोग और प्रतियोगिताएं आयोजित कर सकते हो। स्कूल में, घरों में और अन्य स्थानों पर सोलर पैनल लगाने के प्रयोग दिखाकर सभी को इसके बारे में बता सकते हो। इस प्रकार तुम सब बच्चे सौर ऊर्जा के बारे में समझकर, इसका प्रयोग करके और अपनी रोजमर्रा की आदतों में बदलाव लाकर ऊर्जा की बचत कर सकते हो, पर्यावरण की रक्षा में अपना योगदान दे सकते हो।

तुम भी बचाओ ऊर्जा: सोलर एनर्जी के यूज को बढ़ाने के साथ ही एनर्जी कंजर्वेशन यानी घरों में आने वाली विद्युत ऊर्जा की बचत करना भी जरूरी है। तुम अपने छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा की बचत कर सकते हो। जैसे- जब कमरे में रोशनी की जरूरत न हो तो लाइट्स बंद कर दो। कमरे की खिड़कियों से आ रही प्राकृतिक रोशनी का इस्तेमाल करो। पंखे और टीवी जैसे इलेक्ट्रिक उपकरणों का जब इस्तेमाल नहीं करना हो तो इन्हें बंद कर दो। घर में सबके साथ मिलकर 'एक घंटा बिना बिजली' जैसी एक्टिविटी करो। अपने दोस्तों और भाई-बहनों को भी ऊर्जा बचाने के तरीकों के बारे में बताओ।

जरा सोचो बच्चो, अगर हर बच्चा अपने घर, स्कूल और आस-पास के क्षेत्र में बिजली का समझदारी से इस्तेमाल करे और सौर ऊर्जा का अधिक इस्तेमाल करे तो हमारे गांव, शहर और देश में बिजली की कितनी बचत होगी। साथ ही हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। *

तुम्हारे लिए प्रेरक किताब / विज्ञान भूषण

पर्यावरण के प्रति हमें जागरूक बनाता उपन्यास

बच्चो, यह तो तुम जानते ही हो कि इस समय पूरी दुनिया पर पर्यावरण का संकट मंडरा रहा है। इस संकट को दूर करने में केवल बड़े ही नहीं बच्चे भी अपने स्तर पर प्रयास कर सकते हैं, लोगों में जागरूकता फैला सकते हैं। बाल उपन्यास 'हरियाली की ओर' भी कुछ ऐसा ही संदेश देता है। इसकी लेखिका प्रसिद्ध बाल साहित्यकार मीनू त्रिपाठी हैं, जिन्हें इस पुस्तक के लिए 'हरिकृष्ण देवसरे बाल साहित्यकार सम्मान-2025' से सम्मानित किया गया है।

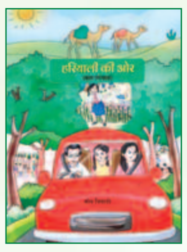

इस उपन्यास की मुख्य पात्र वंशिका है, जो समझदार होने के साथ थोड़ी चंचल भी है। वह बहुत अच्छी एक्टिंग कर लेती है। इसीलिए थोड़ी नाराजगी के बावजूद नाटक मंचन का आयोजन करने वाले नीलेश सर, उसे स्कूल के समारोह में होने वाले नाटक (सिर सांठें रूंख..) के मंचन में अमृता देवी (जिन्होंने करीब तीन सौ साल पहले राजस्थान के खेजड़ली गांव में पेड़ों को कटने से बचाने के लिए अपनी तीन बेटियों के साथ बलिदान दे दिया था) की मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिलता है। वंशिका के पापा और मम्मी भी उसे पर्यावरण संरक्षण के बारे में वन के महत्व और चिपको आंदोलन जैसी बहुत सी बातें बताते हैं, उसे प्रेरित करते हैं। कई भावुक और रोमांचक घटनाओं के साथ अंत में वंशिका बड़े साहस से अपने पापा को भी एक मुसीबत से बचाती है। पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रोचक तरीके से प्रस्तुत करता यह उपन्यास बच्चो, तुम्हें जरूर पसंद आएगा और अपने आस-पास के पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए प्रेरित भी करेगा। निश्चित ही इससे तुम भी अपने आस-पास के पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए हर संभव प्रयास करोगे। *

किताब : हरियाली की ओर (बाल उपन्यास), **लेखिका :** मीनू त्रिपाठी, **मूल्य :** 140 रुपए, **प्रकाशक :** प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली

जीके क्विज-208

1. हरे पेड़-पौधे प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया में कौन-सी गैस उत्पन्न करते हैं?
2. पेड़ों को बचाने के लिए चिपको आंदोलन किसके नेतृत्व में शुरू किया गया था?
3. ग्लोबल वार्मिंग का प्रमुख कारण कौन-सी गैस को माना जाता है?
4. वायुमंडल की कौन-सी परत सूर्य की पराबैंगनी किरणों से हमारी रक्षा करती है?
5. अम्ल वर्षा किन गैसों के कारण होती है?
6. आईपीएल-2026 का फाइनल मैच किस टीम ने जीता?
7. आईपीएल के एक ही सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड किस भारतीय क्रिकेटर ने बनाया?
8. हाल ही में भारत का पांचवां पूर्ण साक्षर राज्य कौन बना है?
9. किस देश को हजारों झीलों का स्थान कहा जाता है?
10. भारतीय सशस्त्र बलों के नए सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) कौन बनाए गए हैं?

बच्चो, जीके क्विज-208 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-207 का उत्तर : 1. दिल्ली, 2. यांग शुआंग जी, 3. केरल, 4. 21 जून, 5. यमुना, 6. कामी रीता शेरपा, 7. तारापुर, 8. डायबिटीज, 9. अमेजन वर्षा वन, 10. मध्य प्रदेश

जीके क्विज-207 का सही उत्तर देने वाले : पूरब-बिलासपुर, मोनू-गरियाबंद, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, जिया शिया-रायगढ़, कुणाल-रायपुर, तान्या-दुर्ग, सचिन-बालोद, हर्ष-महासमुंद, कबीर-हिसार, राजन-रायगढ़, अंकित-कटनी

कहानी

डॉ. विमला भंडारी

मुन्ना एक दिन तेज गर्मी से बेहाल था। बिजली भी नहीं आ रही थी, जो उसे पंखे, एसी की हवा में राहत मिलती। मम्मी गर्मी की तेज धूप में उसे बाहर भी नहीं जाने दे रही थीं। मुन्ना को जब मम्मी ने इस भीषण गर्मी की वजह बताई तो उसने जो कोशिश की, वह कोशिश पर्यावरण संरक्षण के लिए हर बच्चे को करनी चाहिए।

प्रकृति से दोस्ती

दो पहर में मुन्ने का जो रोना शुरू हुआ, थमने का नाम ही नहीं ले रहा था। गर्मी ने उसकी हालत खराब कर दी थी। उसका छोटा-सा चेहरा लाल हो गया था। पसीना बालों से टप-टप पानी की तरह गिर रहा था। वह बार-बार अपने नन्हे हाथ चेहरे पर ले जाकर पसीना पोंछता और रोते हुए कहता, 'उऊं मां... बहुत गर्मी लग रही है... अब क्या करें, कहां जाएं... इस गर्मी से कैसे छुटकारा पाएं? तुम बाहर भी नहीं निकलने देतीं... बिना दोस्तों के कैसे मन बहले?'

मां ने मुन्ना को गोद में उठाया और प्यार से सहलाते हुए बोलीं, 'चुप हो जा बेटा... लाइट भी चली गई है। देख, पंखा भी बंद है, फ्रिज भी... ऐसी गर्मी में तो...।'

'...तुम तो मुझे ठंडा पानी ही ला दो। जरा मुंह धो लूं और पी भी लूंगा।' मुन्ना बीच में ही बेचैन स्वर में बोला।

'अब ठंडा पानी कहां से लाऊं?' मां मुन्ने की तरफ देखते हुए बोलीं। पास में बैठा डॉग रॉकी भी हांफ रहा था। उसकी जीभ बाहर लटक रही थी। मुन्ना उसे देखकर बोला, 'मां, रॉकी को देखो, इसको क्या हो गया है? इसने क्यों जीभ बाहर निकाल रखी है? क्या इसको भी बहुत गर्मी लग रही है... यह भी मेरी तरह खेलने नहीं जा पा रहा...।'

मां ने गहरी सांस ली और बोलीं, 'बेटा, यह सिर्फ गर्मी नहीं है, यह तो हमारी गलती का नतीजा है।'

मुन्ना थोड़ी देर के लिए चुप हो गया। उसने मां को देखा, मां आसमान की ओर इशारा कर रही थीं। मुन्ना ने आसमान की ओर देखा, सूरज आग उगल रहा था। उसने पूछा, 'मां, क्या सूरज गुस्सा है?'

मां हंसी फिर बोलीं, 'सूरज गुस्सा नहीं है बेटा... लेकिन हमने धरती को इतना बदल दिया है कि अब गर्मी ज्यादा लगने लगी है। जब मैं छोटी थी, तब हमारे घर में बड़ा-सा आंगन होता था। उसमें नीम और आम के पेड़ होते थे। उनकी छांव इतनी ठंडी होती थी कि बिजली से चलने वाले पंखे की जरूरत ही नहीं पड़ती थी। एसी और कूलर तो थे ही नहीं। केवल हाथ से चलने वाली छोटी पंखी होती थी। उसकी जरूरत भी कभी-कभी पड़ती थी।'

एआई इमेज

मां मुन्ने को पंखी की कहानी सुनाने लगीं कि वह कैसे धागे से कशीदा करके सुंदर-सुंदर पंखियां बनाती थीं। गर्मी को भूल कहानी में डूबे मुन्ना ने हैरानी से पूछा, 'क्या.. सच मां? फिर पानी ठंडा कैसे होता था? क्या उसको भी पंखी से हवा करते थे?'

मां ने पास रखी एक पुरानी मटकी की ओर इशारा किया, 'ऐसी ही मटकी में पानी रखते थे। इसमें पानी ठंडा रहता था। चाहे कितनी भी गर्मी हो, मटकी में हमेशा ठंडा पानी मिलता था। खूब ठंडे पानी के लिए गीला कपड़ा मटकी के चारों ओर लपेट देते थे और पेड़ की छाया के नीचे गीली मिट्टी में रख देते थे। इससे तो मटकी से बहुत ही ठंडा पानी मिलता था। मेरे ननिहाल में तो रात को पलंग के पास सुराही में पानी भरकर रखते थे।' 'यह सुराही क्या होती है मां?' मुन्ना ने आंखें झपकाते हुए पूछा।

'सुराही मिट्टी की बनी होती है। तुम्हारी वाटर बॉटल की तरह होती थी। इसमें भी मटकी की तरह बड़ा ठंडा पानी मिलता था। सब मिट्टी और पेड़ की माया थी।' मां मुन्ने को समझाते हुए बोलीं। मुन्ना धीरे-धीरे शांत होने लगा। उसने रॉकी की ओर देखा, वह भी कान खड़े किए मानो ठंडे पानी और ठंडी छाया की बात शांत मन से सुन रहा था। मुन्ना बोला, 'मां, अगर हम भी पेड़ लगाएंगे तो क्या फिर ठंडी छांव मिलेगी?'

मां के चेहरे पर हल्की मुस्कान आ गई, 'हां, बेटा, बिल्कुल मिलेगी। अगर हम पेड़ लगाएंगे, पानी बचाएंगे और प्रकृति का ध्यान रखेंगे, तो गर्मी भी कम लगेगी।'

अगले ही दिन, मुन्ना ने शावर नहीं चलाया और बाल्टी में पानी भर के नहाया। उसने बेसिन का नल भी खुला नहीं रखा, मुंह-हाथ धोने के बाद नल बंद कर दिया। मां बोलीं, 'आज गमले में एक पौधा लगाएंगे।'

'मां क्या आम का पेड़ लगाएंगे?' मुन्ना ने उत्साह से पूछा।

मां हंसते हुए बोलीं, 'हमारे घर अब छोटे हो गए हैं। यहां आम का पेड़ नहीं लगा सकते, पर गमले में किसी बेल का पौधा जरूर लगाएंगे, जो चारों तरफ बालकनी में फैल जाएगी और फिर हमें थोड़ी छाया और ठंडी हवा देगी। अगर तुम्हें पेड़ लगाना है तो घर के बाहर खाली मैदान में लगा सकते हो।' मुन्ने ने घर की बालकनी में गमले में बेल तो लगाई ही, मां के साथ मिलकर घर के बाहर की जमीन एक छोटा-सा पौधा लगाया। मुन्ना रोज उसे पानी देता और रॉकी उसकी रक्षा के लिए उसके पास बैठा रहता। कुछ दिनों बाद वह पेड़ बड़ा हो गया। मुन्ना ने मां से कहा, 'अब तो यह बड़ा होकर हमें छाया देगा ना!'

मां ने उसे गले लगाते हुए कहा, 'हां बेटा, यह पेड़ सिर्फ तुम्हारी पीढ़ी को ही नहीं, तुम्हारी अगली पीढ़ियों को भी छाया देगा। तुमने पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा की है। बेटा, तुमने एक बड़ा काम किया है।'

मुन्ना खुश था। अब उसे समझ आ गया था कि गर्मी से लड़ने का असली उपाय पंखा-एसी-फ्रिज नहीं, बल्कि प्रकृति से दोस्ती है। इस धरती और पर्यावरण को बचाना है, तो निरंतर हमें पेड़ लगाने होंगे। *

कविता

डॉ. उमेश चंद्र सिरसवारी

एआई इमेज

मिलकर पर्यावरण बचाएं!

धरती मां की सुनो पुकार,
पेड़-पौधों से करो प्यार।
नदियां कहतीं, जल बचाओ,
आओ बच्चो कदम बढ़ाओ।
चिड़िया गाए, पवन मुस्काए,
हरी-भरी धरती हर्षाए।
सब मिलकर पौधे लगाएं,
सुंदर अपना भविष्य बनाएं।
कूड़ा न फेंकें इधर-उधर,
स्वच्छ रखें हर गली-डगर।
जल हो निर्मल शुद्ध हवा हो,
प्रदूषण कहीं भी न जरा हो।
धरा के रक्षक बनें सब बच्चे,
काम करें हम अच्छे-अच्छे।
गाएं, खेलें, हाथ मिलाएं,
सब मिलकर पर्यावरण बचाएं!

रंग भरो-203

रंग भरो-203 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

वर्णिका, खैरागढ़

मान्या, बिलासपुर

साक्षी, दुर्ग

तन्मय, महेंद्रगढ़

श्रेया, दुर्ग

दीक्षांत, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आशना-जांजगीर, साक्षी-रायपुर, सिद्धि-राजनांदगांव, सौम्या-बालोद, साक्षी-रायपुर, आशुतोष-इंदौर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, कोमल-जांजगीर, श्वेता-कटनी, अदिति-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, हेमंत-करनाल, सपना-बिलासपुर

रंग भरो 204

बच्चो, इस चित्र में पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोनी नया पौधा लगा रही है। इस तस्वीर को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

16 प्रजातियों के पेड़ जन्म से लेकर मृत्यु तक के कर्मकांड में शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर में आदिवासियों में जल, जंगल और जमीन से जुड़ी सनातन परंपरा आज भी कायम है। बस्तर के आदिवासी पेड़ों को अपने जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण मानते हैं। वे अपने जीवन काल में सल्फी, ताड़, महुआ, बरगद, पीपल, आम, नींबू , केला, मुनगा, अमरुद, बेर, गूलर, तेंदू, साल, साजा और बेल प्रजाति के पेड़ों को अपना जीवन रक्षक मानते हैं। इसलिए इन पेड़ों की जान से बढ़कर रक्षा करते हैं। बस्तर के आदिवासी 16 प्रजातियों के पेड़ों को कभी नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। बस्तर के आदिवासी अपनी संस्कृति और परंपराओं में पेड़ों को देवी-देवता के रूप में पूजते हैं। वे प्रकृति के बीच रहते हैं और जंगल को ही अपना ईश्वर, जीवन रक्षक और पालनहार मानते हैं।

पेड़ों को देवता मान लिया जाता

ऐसे रचाते हैं ब्याह

यही नहीं अविवाहितों या पति-पत्नी की मौत के बाद उनके बेटे या पोते महुए के पेड़ की लकड़ी से बने पुतले और पुतली बनाकर विधि विधान से ब्याह रचाते हैं और इन पुतलों और पुतलियों को कुल देवता मान लिया जाता है। जिस किसी आदिवासी के घर ब्याह होता है तो दूल्हन के घर वालों के द्वारा दूल्हे के घरवालों को सल्फी का पौधा देने की परंपरा आज भी कायम है। इस तरह की परंपरा केवल बस्तर में ही देखने को मिलती है। इसके अलावा मौत को मान देते हुए शिशु का शव महुआ पेड़ के नीचे दफनाया जाता है तो वहीं गर्भवती महिला का शव गांव से दूर अर्जुन या कुसुम पेड़ के नीचे दफनाया जाता है।

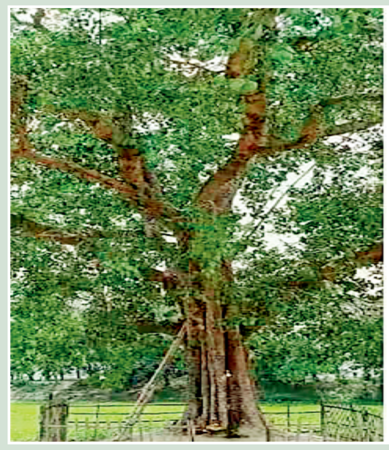

शादी विवाह व पूजा पाठ में होता पेड़ों का महत्व

आदिवासी समाज प्रमुख प्रकाश ठाकुर ने बताया कि आदिवासियों में महुआ, साल और साजा के पत्तों से अर्पण कर प्रकृति की पूजा की जाती है। आदिवासी संस्कृति में पेड़-पौधों का ब्याह भी रचाया जाता है। आम के पेड़ की टहनी पिता की बहन बुआ को देने का रिवाज है। माना जाता है कि ऐसा करने से रिश्ते और मजबूत होते हैं, विवाह संस्कार को भी पूरा करने महुआ, साल, साजा के लकड़ी से बनी खंभों की मदद से इनके पत्तों की छांव वाला मंडप आज भी बनाया जाता है।

बस्तर में गोड़ जनजाति के सबसे प्रमुख आराध्य 'आंगा देव' को सागौन की लकड़ी और मोर पंखों से बनी डोली में स्थापित कर पूजा जाता है। आदिवासी समाज में महुआ, साल, सल्फी, ताड़, बरगद और पीपल के पेड़ों को बेहद पवित्र माना जाता है। नवजात शिशु के जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर संस्कार में सल्फी, महुआ या आम के पेड़ का उपयोग और पूजन अनिवार्य माना जाता है।

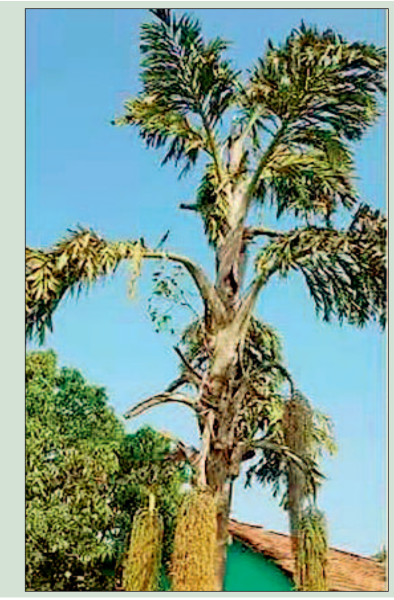

गेवड़े के पेड़ों पर कुल्हाड़ी चली तो आ जाएगी विपदा, बुंदेलखंड में बचा रहे पेड़

अनुरोध पटेरिया ▶▶| जबलपुर

जबलपुर। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन की आधुनिक अवधारणाओं से बहुत पहले बुंदेलखंड के ग्रामीण समाज ने अपनी लोक परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं के माध्यम से वृक्षों एवं प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा का प्रभावी तंत्र विकसित कर लिया था। आज भी क्षेत्र के अनेक गांवों में गेवड़े की खेरमाई और चरनोई भूमि प्रकृति संरक्षण के जीवंत उदाहरण हैं। बुंदेलखंड के अधिकांश गांवों के बाहरी हिस्से को स्थानीय भाषा में गेवड़ा कहा जाता है। यहां ग्राम देवी अथवा खेरमाई माता के मंदिर स्थापित किए जाते हैं। इन स्थलों के आसपास सघन वृक्ष समूह विकसित हो जाते हैं। देवी पूजन में प्रयुक्त होने वाले लोहे के भाले, सांग और अन्य धार्मिक प्रतीक इन्हीं वृक्षों के बीच रखे जाते हैं। ग्रामीण मान्यता है कि इन वृक्षों की कटाई या अनावश्यक छंटाई करने पर देवी अप्रसन्न हो सकती हैं, जिससे गांव में सूखा, बीमारी या अन्य प्राकृतिक विपत्तियां आ सकती हैं। यही कारण है कि इन क्षेत्रों के वृक्ष वर्षों तक सुरक्षित बने रहते हैं।

■ मान्यता है कि वृक्ष की जड़ में ब्रह्मा, मध्य भाग में विष्णु और शीर्ष पर भगवान शिव का निवास

इसी प्रकार प्रत्येक गांव में चरनोई भूमि आरक्षित रखी जाती है। यह भूमि केवल पशुओं के चरने के लिए निर्धारित होती है। यहां कृषि, निर्माण अथवा किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि सामाजिक रूप से प्रतिबंधित मानी जाती है। भूमि स्वामी भी इस पर अपना व्यक्तिगत अधिकार नहीं जताते और इसे सामुदायिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखते हैं। परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में प्राकृतिक वनस्पतियां और वृक्ष संरक्षित रहते हैं तथा पशुधन के लिए चारे की उपलब्धता बनी रहती है।

पूजन में आम, पान, केला तथा अन्य पौधों के पत्तों का उपयोग

बुंदेली संस्कृति में धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से भी वृक्षों के प्रति सम्मान की भावना विकसित की गई है। पूजन में आम, पान, केला तथा अन्य पौधों के पत्तों का उपयोग किया जाता है। हवन और धार्मिक अनुष्ठानों में आम की लकड़ी सहित विभिन्न पवित्र वृक्षों की सामग्री प्रयुक्त होती है। इससे लोगों में वृक्षों के संरक्षण और संवर्धन की भावना मजबूत होती है। सनातन परंपरा में अनेक वृक्षों को देवस्वरूप माना गया है। पीपल और बरगद को विशेष रूप से पूजनीय माना जाता है। तुलसी, बेल, शमी, आंवला, नीम, केला और कदंब जैसे पौधों का धार्मिक महत्व होने के कारण इन्हें रोपा और संरक्षित किया जाता है। भारतीय पौराणिक साहित्य में भी वृक्षों में देवी-देवताओं के वास का उल्लेख मिलता है।

धर्मग्रंथों में वर्णित श्लोक

मूलतो ब्रह्मरूपाय मध्यतो विष्णुरूपिणे।
अग्रतः शिवरूपाय वृक्षराजाय ते नमः॥

वृक्षों के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करता है। इसके अनुसार वृक्ष की जड़ में ब्रह्मा, मध्य भाग में विष्णु और शीर्ष पर भगवान शिव का निवास माना गया है।

लोकमान्यताओं के अनुसार पीपल में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास, बरगद में त्रिदेव का निवास, तुलसी में माता लक्ष्मी का स्वरूप, बेल में भगवान शिव की उपस्थिति तथा कदंब को भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय वृक्ष माना गया है। इसी प्रकार नीम को शीतला माता और दुर्गा से तथा आंवले को भगवान विष्णु से जोड़ा गया है। वृक्षारोपण के महत्व को बताते हुए एक अन्य प्राचीन श्लोक में पीपल, नीम, बरगद, अनार, नींबू और आम जैसे वृक्ष लगाने को पुण्यकारी बताया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि धार्मिक आस्था और सामाजिक अनुशासन पर आधारित ये परंपराएं आज भी पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम हैं। बुंदेलखंड की खेरमाई, गेवड़ा और चरनोई जैसी व्यवस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय लोकजीवन में प्रकृति संरक्षण केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि संस्कृति और आस्था का अभिन्न हिस्सा रहा है।

गोविंदा को बनाया सुपरस्टार सेंसर बोर्ड के संस्कारी चीफ बन बटोरीं चर्चाएं

मुंबई। निर्माता-निर्देशक और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के पूर्व चेयरमैन पहलाज निहलानी ने 76 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। पहलाज निहलानी के निधन से पूरी इंडस्ट्री शोक में है। पहलाज निहलानी की गिनती इंडस्ट्री के चर्चित और सफल फिल्ममेकर्स में होती थी। उन्होंने गोविंदा जैसे स्टार को लॉन्च किया, जबकि चंकी पांडे को भी इंडस्ट्री में लाने वाले पहलाज निहलानी ही थे।

हथकड़ी से की बतौर प्रोड्यूसर शुरुआत

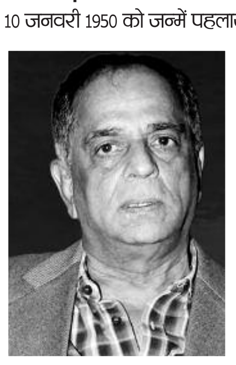

10 जनवरी 1950 को जन्में पहलाज निहलानी को बचपन से ही सिनेमा के प्रति गहरी रुचि और लगाव था। यही कारण है कि वो मुंबई की चकाचौंध की ओर खिंचे चले आए। उन्होंने फिल्म निर्माण की बारीकियों को जमीन से जुड़कर सीखा। 1970 के दशक के अंत 1980 के दशक की शुरुआत में जब हिंदी सिनेमा रोमांटिक फिल्मों से हटकर एक्शन और ड्रामा की तरफ बढ़ रहा था, तब उन्होंने बतौर स्वतंत्र निर्माता कदम रखा। वह ऐसा सिनेमा बनाना चाहते थे जो भारत के आम आदमी, रिक्शेवाले और फ्रंट-रो दर्शकों को पसंद आए। पहलाज निहलानी ने साल 1982 में फिल्म 'हथकड़ी'से बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत की। फिर 1985 में दूसरी फिल्म आंधी-तूफान का निर्माण किया। ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं।

कई बड़े स्टार्स के साथ किया काम

पहलाज निहलानी ने अपने कॅरियर में कई दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया और फिल्में बनाईं। इनमें धर्मेंद्र, शत्रुघ्न सिन्हा, मिथुन चक्रवर्ती और दिव्या भारती जैसे स्टार्स के नाम शामिल हैं। उन्होंने अपने कॅरियर में दर्जनों मसाला और फैमिली एंटरटेनर फिल्मों का निर्माण किया।

शोला और शबनम जैसी सफल फिल्म दी

हालांकि, पहलाज को गोविंदा का चेहरा पसंद नहीं आया, लेकिन डांस और एक्शन से प्रभावित होकर उन्होंने गोविंदा को हां कह दिया। इस तरह से फिल्म इल्जाम से गोविंदा ने अपने एक्टिंग कॅरियर की शुरुआत की। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर रही और गोविंदा रातों-रात डांसिंग और एक्टिंग आइकन बन गए। इसके बाद उन्होंने गोविंदा के साथ शोला और शबनम (1992) और आंखें (1993) जैसी सफल फिल्में दीं।

गोविंदा को किया लॉन्च

गोविंदा को इंडस्ट्री में लॉन्च करने वाले और उन्हें सुपरस्टार बनाने वाले पहलाज निहलानी ही थे। पहलाज निहलानी ने साल 1986 में फिल्म इल्जाम से गोविंदा को इंडस्ट्री में लॉन्च किया। हालांकि, पहलाज को गोविंदा की शक्ल पसंद नहीं आई थी, लेकिन उनके डांस मूव्स और एक्शन ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने गोविंदा को लीड एक्टर के तौर पर लॉन्च कर दिया। एक पुराने इंटरव्यू में पहलाज निहलानी ने बताया था कि वो आंधी तूफान के बाद मैं मिथुन चक्रवर्ती और शत्रुघ्न के साथ एक फिल्म बनाना चाहता था। लेकिन, उन दोनों की डेट्स नहीं मिल सकीं। तभी मेरे पास गोविंदा आए। लेकिन उनके फोटोग्राफ्स मुझे पसंद नहीं आए। अगले दिन गोविंदा वीडियो कैसेट लेकर पहुंचे, जिनमें उनके डांस मूव्स थे।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Bhilai : 6267136903

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc.	2 Years
Paramedical Course	Duration
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	Duration
D Pharmacy	2 Years
B Pharmacy	4 Years

Eligibility- B.Sc. Nursing-Biology (PBCE), P.B.B.Sc. Nursing-GNM Pass
M.Sc. Nursing-BSc.,P.B.B.Sc. Pass,
Paramedical Course - 12th pass (Bio)
Pharmacy - 12th pass , Maths, Bio
HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS
क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 250 सीटो का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु : 7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु 9201622400, 9201641200, 9201631200

Appointment आवश्यकता

टीचर

आवश्यकता है- लेडी वाईस प्रिंसीपल, लेडी इंचार्ज, क्लर्क, कम्प्यूटर टीचर, स्पोर्ट्स टीचर एवं कॉमर्स ग्रुप, साइंस ग्रुप एवं मैथ्स, साइंस, एसएसटी पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, ड्राईवर, आयाबाई, माली की आवश्यकता हैं। साक्षात्कार 08.06.2026 प्रातः 9:30 बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी के पास खमतराई, 9826198065, 0771-2252855.(RO-084)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Wanted- Teachers Required for Nursery to 12th (English Medium)- All Subjects. Streams for Classes 11th & 12th: Maths, Biology, Commerce, Arts Candidates must be B.Ed./ D.Ed. qualified. Teachers should be fluent in English. Interview: 08.06.2026. 09:00AM- 12:30PM Raipur Convent Hr.Sec. School, Gudhiyari (8109077721/23), Shivanand Nagar (8109077730), New Rajendra Nagar, Raipur- 8109077729/31(RO-082)

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई विद्यापीठ उमावि. तीन दर्शन मंदिर, केम्प-1 भिलाई को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने वाले सभी विषय शिक्षकों की आवश्यकता है। विद्यालय में संपर्क करें।(आरो न -286)

फीटर/वेल्डर

आवश्यकता है- अनुभवी फीटर एवं वेल्डर की योग्यता- ITI/ अनुभवी उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जाएगी। वेतन- योग्यता एवं अनुभव के अनुसार इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें। मो. नं- 9244561775, 8501982222. पता- माही इको बिल्ड D-25 रिसदा लोहा बाजार, सोनडोंगरी रायपुर छ.ग. (RO-854)

सेल्स/कुक/मेड

आवश्यकता है- सेल्स एग्जीक्यूटिव- 02 (पुरुष /महिला) डायरेक्टर सहायक- 01 (पुरुष /महिला) सेल्स पर्सन- 02 (पुरुष /महिला) कुक /मेड- 01 (महिला) योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवार संपर्क करें:- 9827900065 पता- नियर माखीजा IVF, तेलीबांधा, रायपुर।(RO-033)

हाउसकीपिंग/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- हाउसकीपिंग- पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने के लिए), ड्राइवर- केवल रायपुर लोकल के लिए, ऑफिस बॉय- केवल रायपुर लोकल के लिए, हाउस सुपरवाइजर, संपर्क करे- 6232022676.(आरो-460)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

दुकान कार्य

आवश्यकता है- जनरल दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता हैं। वेतन 11,000 रूपये प्रतिमाह, अपने परिचय पत्र के साथ मिले- श्री कृष्णा मार्केटिंग, पेटी लाईन, गोल बाजार, रायपुर, फोन: 7224926767. (RO-083)

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- Hari group हेतु सिक्योरिटी गार्ड - 40, सुपरवाइजर - 05, फील्ड आफिसर (अनुभव 05 वर्ष) - 03, लेडीज गार्ड - 10, हाउसकीपीग बाई - 10, गनमेंन 05, वेतनमान - 13000 से 20000/- स्थान - कृष्णा प्लाजा अश्वनी नगर सुन्दरनगर रायपुर मो. - 9171511755, 9039437556. (RO-196)

आवश्यकता है- रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन : 15,000 - 18,000 प्रतिमाह।PF, ESIC रहने - खाने की व्यवस्था उपलब्ध 9201958117, 8109080600. (RO-855)

पैकिंग/डिलीवरी/सफाई

आवश्यकता है- ऑयल मिल हेतु स्टाफ चाहिए कामः तेल बनाना, पैकिंग, डिलीवरी, सफाई। लेडीज - लड़के दोनों सैलरीः 200 से 230 रोज रहने के लिए कमरे की सुविधा- संपर्क-महादेव घाट रोड, अग्रोहा कॉलोनी 9977067874, 9826323421. जरूरतमंद तुरंत कॉल करें। (RO-398)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सुपरवाइजर/अकाउंटेंट

आवश्यकता है- सिलतरा कंपनी के लिये सुपरवाइजर की आवश्यकता हैं, कम से कम 3-4 वर्ष का अनुभव हो, एवं एकॉउंटेन्ट की आवश्यकता है, अनुभव कम से कम 4-5 वर्ष का हो, भनपूरी, रांवाभाटा, धनेली, सिलतरा, धरसींवा एवं शादीशुदा को प्राथमिकता। शीघ्र संपर्क करे:- 8305119768. (RO-032)

सेल्समैन/ड्रायवर

आवश्यकता है- सेल्समेन एवं सेल्स गर्ल एवं ड्राइवर एवं बाई की आवश्यकता है संपर्क संजय फर्नीचर दक्षिण गंगोत्री सुपेला भिलाई एवं अरुण कुमार एंड सन उतई नियर महिमा हॉस्पिटल के सामने (आरो न -285)

आवश्यकता है- शंकर नगर रायपुर में घरेलू कार ड्राईवर चाहिए। कार्य समय प्रातः 9 से रात्रि 8 बजे तक। सिर्फ दोपहर 3 से 5 के बीच ही संपर्क करे 9584333999.(RO-0118)

आवश्यकता है- शंकरनगर ऑफिस में - (1)कार चलाने हेतु अनुभवी , कुशल ड्राईवर (2)ऑफिस बॉय की आवश्यकता है जो ऑफिस की साफ-सफाई व अन्य कार्यों में सहायता करें। बायोडाटा सहित संपर्क करें:- 9993011757 / 8878228031. (RO-409)

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के।जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955. (RO-63586)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करें:- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector - 6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (आरो -4154)

Property प्रापर्टी

बेचना है- प्राइम लोकेशन 02.22 एकड़ कृषि भूमि सारखी, अभनपुर। डामर रोड 120'+ फ्रंट @ 1.50 करोड़/एकड़। स्टेट हाईवे से 1300 मी., केवल लेवाल संपर्क करें 7987504355, 7477202779. (RO-853)

For Rent किराया

किराये पर उपलब्ध- बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) सम्पर्क करें- 9589740766, 9425530355. (RO-40953)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Finance फायनेंस

फाइनेंस - विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 9981421206 , 9437550462(RO-4345)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

डीजल माफिया से मिले कनेक्शन, चार पुलिसकर्मी सस्पेंड

कोरबा। जिले में डीजल चोरी के बड़े नेटवर्क की जांच के दौरान जो खुलासे सामने आए हैं, उसमें पुलिस कर्मियों की संलिप्तता सामने आने पर एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने तत्काल एक्शन लेते हुए जिले के विभिन्न थानों में पदस्थ दो प्रधान आरक्षक व दो आरक्षकों को सस्पेंड किया है। पिछले दिनों दीपका पुलिस ने डीजल चोर गिरोह के सदस्यों को पकड़कर एक बड़े गिरोह का खुलासा किया था। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी को सूचना मिली थी कि कुछ पुलिस कर्मियों की डीजल चोरों से सांठगांठ है। एसपी ने बांकीमोंगरा थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक राजेश कंवर, आरक्षक रोहित, कटघोरा थाना में पदस्थ गोपाल यादव एवं साइबर सेल से प्रशांत सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। हालांकि इस संबंध में पुलिस के किसी भी अधिकारी द्वारा इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

लगातार चुनाव हारकर बौखला गई है कांग्रेस : मुख्यमंत्री साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

सुशासन तिहार के दौरे पर गुरुवार को बिलासपुर पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि लगातार चुनाव हारने के बाद कांग्रेस बौखला गई है, कांग्रेस के भीतर ही सिर फुटव्वल चल रही है। उन्होंने ने नगरीय निकाय उपचुनाव में तीन नगर पंचायतों में भाजपा के अध्यक्ष व पार्षद की जीत पर खुशी जाहिर की है।

बिलासपुर में सुशासन शिविर के बाद कलेक्टोरेट में रात में रिव्यू मीटिंग पश्चात पत्रकारों से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि नगरीय निकाय उपचुनाव तहत 1 जून को मतदान हुआ था, जिसका आज 4 जून को मतगणना पश्चात परिणाम आया है। इसमें छत्तीसगढ़ के पांच नगर पंचायतों में उपचुनाव हुए थे, जिसमें से तीन नगर पंचायतों में भाजपा के अध्यक्ष व पार्षद चुनाव जीतकर आए हैं। इसके लिए उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए इसे भाजपा के मंत्री, विधायक, सांसद और कार्यकर्ताओं की मेहनत बताया है। बिलासपुर में एनएसयूआई के घेराव आंदोलन दौरान लाठीचार्ज के प्रश्न पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि कांग्रेस लगातार चुनाव हारते जा रही है, जिससे कांग्रेस बौखला गई है और कांग्रेस भीतर ही सिर फुटौव्वल हो रही है।

सुशासन तिहार में योजनाओं का ले रहे फीडबैक

मुख्यमंत्री श्री साय कहना है कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, यह पार्टी मुद्दाविहीन हो गई है। सुशासन तिहार को लेकर मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 मई से शुरू हुआ यह अभियान 40 दिनों तक चलेगा। इस दौरान मंत्री, विधायक से लेकर अफसर सब 45-46 डिग्री में फील्ड में जा रहे हैं और सरकार की योजनाओं का फीडबैक ले रहे हैं। यह देखा जा रहा है कि सरकार की योजना कहां-कहां तक पहुंची है, राशन मिल रहा है कि नहीं, पेयजल, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, महतारी वंदन का लाभ मिल रहा है कि नहीं तथा समाधान शिविर में उनका निराकरण भी किया जा रहा है। इसके पहले अप्रैल माह में सभी कलेक्टरों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए गए थे, अब राजस्व प्रकरणों के निराकरण की दिशा में भी काम हो रहा है।

दो हाइवा में भिड़ंत, केबिन में फंसे चालक

नवापारा-राजिम। नवागांव मुख्य मार्ग पर बुधवार देर रात दो हाइवा वाहनों में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और दोनों गाड़ियो के चालक केबिन में ही फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ठीक उसी समय राजिम विधायक रोहित साहू राजधानी रायपुर से वापस लौट रहे थे। जैसे ही उनकी नजर इस हादसे पर पड़ी, उन्होंने तत्काल अपनी गाड़ी रुकवाया और बिना देर किए डायल-112 को सूचना दी तथा स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। हादसे में दोनों हाइवा वाहन के चालक केबिन में बुरी तरह फंस गए थे। दोनों चालकों को वाहन से निकालकर अस्पताल भेजा गया।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 03.06.2026

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (including GST)
1.	17/CE/NH/TC/ 44-05/2026 (3rd Call)	2026_MoRTH_ 910992_1	CONSTRUCTION OF BREAST WALL AT K.M. 266+700 TO 266+820, 266+840 TO 266+960, 267+100 TO 267+140, 267+160 TO 267+220 AND 282+680 TO 282+750, 283+325 TO 283+475, 284+000 TO 284+070, 284+432 TO 284+500 (TOTAL LENGTH 0.698 KM.) ROAD SAFETY PROTECTION WORK ON MP/CG BORDER TO SURAJPUR SECTION OF NH-43 ON SBD MODE IN THE STATE OF CHHATTISGARH.	Rs. 245.49 Lakhs
2.	18/CE/NH/TC/ 44-12/2026 (1st Call)	2026_MoRTH_ 910993_1	Construction of RCC drain from National Highway No.930 near Bus Stand Balod at Ward No.16.	Rs. 23.29 Lakhs

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सरल क्र. (1) हेतु दिनांक 17.06.2026 शाम 17.30 बजे तक एवं सरल क्र. (2) हेतु दिनांक 23.06.2026 शाम 17.30 बजे तक है।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H'S) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

G-262701194/5

कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी जिला - रायपुर (छ.ग.)

website-www.deoraipur.com, Email:- Deoraipurict@gmail.com, rmsaraipur@gmail.com
Phone No-0771-4002693

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में संविदा भर्ती स्थगित की सूचना

पत्र क्र./सेजेस/संविदा नियुक्ति / 2026 / 761 रायपुर, दिनांक : 02/06/2026

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय, योजना अंतर्गत रायपुर जिले के विद्यालयों हेतु संविदा भर्ती विज्ञापन क्रमांक / शिक्षा / सेजेस / संविदा भर्ती / 2026 / 648 रायपुर दिनांक 19.02.2026 के अनुक्रम में विभिन्न शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पदों हेतु दिनांक 20.03.2026 तक ऑनलाईन गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गये थे। सभी आवेदनों का परीक्षण किया गया तथा पात्र / अपात्र अभ्यर्थी की सूची तैयार कर जिले की वेबसाईट https://raipur.gov.in/ में देखने हेतु तथा इस संबंध में दावा / आपत्ति दिनांक 26/05/2026 से दिनांक 08/06/2026 तक निर्धारित प्रारूप में सीधे स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर टैगोर चौक पेंशन बाड़ा, रायपुर पिन कोड - 492001 के पते पर प्रस्तुत करने हेतु NIC में अपलोड किया गया है। उक्त लोक शिक्षण संचालनालय इन्द्रावती भवन, खण्ड तीन-प्रथम तल अटल नगर रायपुर का पत्र क्रमांक / पी. ए. / संचालक/2026-27/246 दिनांक 30/05/2026 द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में प्रचलित शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक पदों पर वर्तमान में संविदा भर्ती को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है ।

संलग्न- लोक शिक्षण संचालनालय इन्द्रावती भवन,
खण्ड तीन-प्रथम तल अटल नगर रायपुर का पत्र ।

जिला शिक्षा अधिकारी
जिला - रायपुर (छ.ग.)

G-262701210/1

महिला को बातों में उलझाकर छीनी माला सफेद कार में सवार होकर भागे आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

फाइल फोटो

जिले के दुर्गुकोंदल थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े झपटमारी की एक घटना सामने आई है। महुआ दारू का पता पूछने के बहाने एक महिला के गले से माला छीनकर कार सवार चार आरोपी फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात तीन युवकों और एक युवती के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम घोटिया बढ़ईपारा निवासी 47 वर्षीय कुमारी बाई साहू पति त्रिभुवनलाल साहू 3 जून की दोपहर अपने खेत में काम करने के बाद घर लौट रही थीं। दोपहर करीब 1.30 बजे जब वह विक्रमगंज मुख्य मार्ग पर अस्सी राम दर्रो के घर के पास पहुंचीं, तभी दुर्गुकोंदल की ओर से आ रही एक सफेद रंग की छोटी कार उनके पास आकर रुकी। कार में तीन युवक और एक युवती सवार थे। इनमें से एक युवक वाहन से उतरकर महिला के पास आया और गांव में महुआ दारू कहां मिलेगी, इसकी जानकारी पूछने लगा। महिला के अनुसार बातचीत के दौरान युवक ने अचानक उनके गले में पहनी बाजारू माला, जिसकी कीमत लगभग 500 रुपये बताई गई है, झटके से खींच ली और तेजी से कार में बैठ गया। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद महिला ने शोर मचाते हुए मदद की गुहार लगाई, लेकिन तब तक आरोपी आंखों से ओझल हो चुके थे।

मामला दर्ज

पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात तीन युवकों एवं एक युवती के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 3 (5), 304 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में आरोपियों की तलाश कर रही है तथा घटना से जुड़े संभावित सुराग जुटाए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग धमतरी वनमंडल धमतरी

काष्ठागार धमतरी का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि धमतरी वनमंडल धमतरी के अन्तर्गत धमतरी काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ, जलाऊ एवं बल्ली का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय / वन काष्ठागार धमतरी से प्राप्त की जा सकती है।

निलाम दिनांक- 11 जून 2026
निलाम समय- प्रातः 9.00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रित वनोपज		योग वनोपज	
	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/खूंट नग में	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/खूंटा नग में	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/खूंटा नग में
1	2	3	4	5	6	7
सागौन	4.027	66	189.791	8195	193.818	8261
साल	89.198	20	101.911	-	191.109	20
बीजा	34.431	-	76.039	-	110.470	-
शीशम	-	-	1.247	-	1.247	-
तिन्सा	2.836	-	1.742	-	4.578	-
हल्दू/मुण्डी	2.559	-	24.349	-	26.908	-
साजा	24.536	89	68.552	55	93.088	144
धावड़ा	2.960	-	18.510	-	21.470	-
पापडा	0.328	-	1.860	-	2.188	-
अन्य	123.030	2461	147.933	94	270.963	2555
योग-	283.905	2636	631.934	8344	915.839	10980

जलाऊ

प्रजाति	काष्ठागार धमतरी		
	नया	अविक्रित	योग
अन्य	136 चट्टा	63 चट्टा	199 चट्टा
योग-	136 चट्टा	63 चट्टा	199 चट्टा

टीपः- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं। (2) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई कार्मस पोर्टल में अपने आईडी से लॉगइन करके देख सकते है। (4) ई-ऑक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेंकड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट मे अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

फोन 07722-238371, फैक्स 07722-236137

वनमंडलाधिकारी
धमतरी वनमंडल धमतरी

G-262701198/3

छत्तीसगढ मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर

द्वितीय निविदा
ई- प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना (निर्माण प्रकोष्ठ)

Website - www.cgmsc.gov.in
Main portal - http://eproc.cgstate.gov.in

स. क्र.	नि.आ. सू.क्र.	कार्य का नाम	राशि (रू. लाख)
1	10882	जिला बेमेतरा के नवागढ़ में 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का निर्माण कार्य। (प्रपत्र-अ)	1690.30
2	10883	जिला बीजापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगालूर में 02 नग 2 जी टाईप स्टॉफ क्वार्टर का निर्माण कार्य। (प्रपत्र-अ)	55.24
3	10884	जिला बस्तर ब्लॉक तोकापाल के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय डिमरापाल में IPHL हमर लैब के स्थापना कार्य का शेष निर्माण कार्य। (प्रपत्र-अ)	14.72

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर दिनांक 02/06/2026 से देखी जा सकती है। जिसकी अंतिम तिथि दिनांक 17/06/2026 तक है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि, निविदा प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा संबंधित सभी दस्तावेज आनलाईन स्वीकार की जावेगी।

sd/-
अधीक्षण अभियंता

S-48029/1

ट्यूशन जा रहे बच्चों से भरी ई-रिक्शा को बाइक ने मारी टक्कर, 8 बच्चे घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

■ घायलों को गुण्डरदेही अस्पताल में कराया गया भर्ती

ई रिक्शा के माध्यम से ट्यूशन पढ़ने जा रहे बच्चो को बाईक ने ठोकर मार दी। जिससे बच्चे ई रिक्शा सहित कटिले झाड़ियो में जा गिरे। जिसके बाद उन्हे अस्पताल पहुंचाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार गुण्डरदेही ब्लाक के ग्राम तवेरा मार्ग पर ई-रिक्शा के माध्यम से ट्यूशन की पढ़ाई करने के लिए जा रहे थे तभी सामने से आ रही बाईक ने ई रिक्शा को ठोकर मार दिया। जिसमें सामने की ओर से अपनी ओर आ रहे बाईक से बचने के लिए ई रिक्शा चालक ने वाहन सड़क किनारे मोड़कर बचने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार आ रहे वाहन ने ई रिक्शा को तेजगति से ठोकर मार दिया, जिससे ई रिक्शा कटिले झाड़ियो में जा गिरा। जिसमे सवार 8 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)

दूरभाष- 07642-252443 ई-मेल – eephedmal@mp.nic.in फेक्स- 07642-253622

निविदा क्र. 37 से 42 / 2026-27 / नि.शाखा / लो.स्वा.या./2026 — मण्डला, दिनॉक 02.06.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर निविदा आमंत्रित किये जाते है। ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि 12/06/2026 सायं 17.30 बजे तथा निविदा खुलने का दिनांक 15/06/2026 दोपहर 12.00 बजे के पश्चात है। निविदा से सम्बंधित कोई भी संशोधन ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर प्रदर्शित है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

S. N.	NIT No.	Tender ID No.	Block	No. of Tube well	Probable Amount	EMD	Tender Doc. Fee	Time
Drilling of 150/125/115mm Dia 120mtr. Deep Telescopic Tube Well								
1	2	3	4	5	5	6	7	8
1	37/26-27	2026_PHED_512403_1	Nainpur	95	97.95	97950	10000	04 Month E/R
2	38/ 26-27	2026_PHED_512404_1	Niwas	95	97.95	97950	10000	04 Month E/R
3	39/26-27	2026_PHED_512405_1	Bichhiya	80	82.49	82490	10000	04 Month E/R
4	40/26-27	2026_PHED_512407_1	Ghughri	80	82.49	82490	10000	04 Month E/R
5	41/26-27	2026_PHED_512408_1	Narayanganj & Bijadandi	180	185.59	185590	12500	04 Month E/R
Drilling of 200/150/125mm Dia 170 mtr. Deep Telescopic Tube Well								
1	42/26-27	2026_PHED_512409_1	Nainpur	80	111.89	111890	12500	04 Month E/R

नोटः- निविदा पत्र उपरोक्त वेबसाईट पर कैश कार्ड, ए. टी. एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान पर क्रय किया जा सकता है ।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मण्डला

G-13915/26

Home First Finance Company India Limited

CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

धारा 13 (2) के तहत मांग सूचना

आप, निम्नलिखित ऋणधारक, ने अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति को गिरवी रखकर ऋण लिया है और आप ही ने ऋण समझौते के लिए ऋणधारक/सह-ऋणधारक/जमानतदार के रूप में कार्य किया है। आपके द्वारा किए गए चूक के परिणामस्वरूप, प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफेसी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत **03-06-2026** को आपके ऋण खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हम, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, ने सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के साथ धारा 13(13) के तहत आपके द्वारा दिए गए पते पर मांग नोटिस जारी किया है। उक्त नोटिस **03-06-2026** को जारी किए गए हैं और इनमें कहा गया है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है। अत:, वर्तमान प्रकाशन एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (2) के प्रावधान के अनुसार और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार नोटिस देने के लिए किया गया है:

क्र. सं.	खाताधारक का नाम और पता, ऋणधारक(ओं) और जमानतदार(ओं)	लागू की जाने वाली सुरक्षा का विवरण	मांग नोटिस की तिथि तक कुल बकाया राशि, ब्याज और अन्य व्यय सहित (रुपये में)
1.	अनिता भक्तिंती, योगराज भक्तवंती	फ्लैट-एलआईजी-4, मकान नंबर 4, दीन दयाल आवास खिलोरा एलआईजी, दीन दयाल आवास खिलोरा एलआईजी, खिलोरा, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001, चौहद्दी: पूर्व-एलआईजी-5, पश्चिम-एलआईजी-3, उत्तर-6.00 मीटर रोड, दक्षिण-एलआईजी-9	5,49,241

आपको इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को ब्याज और लागत सहित उपर्युक्त राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड उक्त अधिनियम के प्रावधानों के तहत उधारकर्ताओं, बंधककर्ताओं और गारंटरों की सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करेगी, जिसमें उनकी सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करना भी शामिल है। उक्त अधिनियम के तहत होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को प्राप्त शक्तियों में शामिल हैं: (1) ऋणधारकों/जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करने की शक्ति, जिसमें सुरक्षित संपत्तियों को मुक्त करने के लिए पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है; (2) सुरक्षित संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेना, जिसमें पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है, और सुरक्षित संपत्तियों को वसूल करना; और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड द्वारा सुरक्षित संपत्तियों का कोई भी हस्तांतरण, हस्तांतरित सुरक्षित संपत्तियों के सभी अधिकारों और संबंधों में उसी प्रकार निहित होगा जैसे कि हस्तांतरण आपके द्वारा किया गया हो।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार, आपको होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड की पूर्व सहमति के बिना, ऊपर उल्लिखित और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के पास गिरवी रखी गई किसी भी सुरक्षित संपत्ति को बिक्री, पट्टे या अन्य किसी भी तरीके से (आपके व्यवसाय के सामान्य संचालन के अलावा) हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्थान: रायपुर
दिनांक: 05-06-2026

हस्ताक्षरकर्ता: अधिकृत अधिकारी,
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

अवैध रेत उत्खनन जेसीबी, हाइवा जब्त

बालोद। खनिज विभाग द्वारा 03 जून को गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत खेरूद में रात्रि 11.30 बजे निरीक्षण के दौरान मौके पर तांदुला नदी किनारे एक जेसीबी एवं हाइवा को जो भागने की कोशिश में था। उसे जब्त कर थाना अर्जुंदा में सुरक्षार्थ रखा गया। इसके साथ ही ग्राम खेरूद अंतर्गत एक अन्य स्थान पर एक जेसीबी एवं ट्रैक्टर से खनिज मिट्टी उत्खनन, परिवहन करते पाए जाने पर उक्त वाहनों को जब्त किया।

Home First Finance Company India Limited

CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

धारा 13 (2) के तहत मांग सूचना

आप, निम्नलिखित ऋणधारक, ने अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति को गिरवी रखकर ऋण लिया है और आप ही ने ऋण समझौते के लिए ऋणधारक/सह-ऋणधारक/जमानतदार के रूप में कार्य किया है। आपके द्वारा किए गए चूक के परिणामस्वरूप, प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफेसी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत **03-06-2026** को आपके ऋण खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हम, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, ने सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के साथ धारा 13(13) के तहत आपके द्वारा दिए गए पते पर मांग नोटिस जारी किया है। उक्त नोटिस **03-06-2026** को जारी किए गए हैं और इनमें कहा गया है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है। अत:, वर्तमान प्रकाशन एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (2) के प्रावधान के अनुसार और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार नोटिस देने के लिए किया गया है:

क्र. सं.	खाताधारक का नाम और पता, ऋणधारक(ओं) और जमानतदार(ओं)	लागू की जाने वाली सुरक्षा का विवरण	मांग नोटिस की तिथि तक कुल बकाया राशि, ब्याज और अन्य व्यय सहित (रुपये में)
1.	महेश कुमार, अंकिता सोनवानी	मकान-वार्ड नं.14, ख.नं.- 1251/27, प.ह.नं.- 42, नया प.ह. नं.- 52; ग्राम उताई, हथखोज पारा भीतरी क्षेत्र, रा.नि.मं.-उताई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.), दुर्ग, छत्तीसगढ़, 490011, चौहद्दी: पूर्व-तुंबन लाल टंडन का प्लॉट, पश्चिम-राजकुमार का प्लॉट, उत्तर-शिव कुमार साहू का प्लॉट, दक्षिण-सड़क	28,59,120
2.	मोहम्मद इरशाद, जहूर आलम, सलीफुन बेगम	प्लॉट-प्लॉट नंबर ए-95, ख.नं. 579/20, प.ह.नं. 13/18, दुर्गा मंदिर के पास, मौजा जामुल, गणेश नगर वार्ड नंबर 05, तह./जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, 490023, चौहद्दी: पूर्व - प्लॉट नंबर- ए-45, पश्चिम -सड़क, उत्तर -प्लॉट नंबर- ए-94, दक्षिण - प्लॉट संख्या- ए-96	15,53,848

आपको इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को ब्याज और लागत सहित उपर्युक्त राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड उक्त अधिनियम के प्रावधानों के तहत उधारकर्ताओं, बंधककर्ताओं और गारंटरों की सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करेगी, जिसमें उनकी सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करना भी शामिल है। उक्त अधिनियम के तहत होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को प्राप्त शक्तियों में शामिल हैं: (1) ऋणधारकों/जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करने की शक्ति, जिसमें सुरक्षित संपत्तियों को मुक्त करने के लिए पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है; (2) सुरक्षित संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेना, जिसमें पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है, और सुरक्षित संपत्तियों को वसूल करना; और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड द्वारा सुरक्षित संपत्तियों का कोई भी हस्तांतरण, हस्तांतरित सुरक्षित संपत्तियों के सभी अधिकारों और संबंधों में उसी प्रकार निहित होगा जैसे कि हस्तांतरण आपके द्वारा किया गया हो।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार, आपको होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड की पूर्व सहमति के बिना, ऊपर उल्लिखित और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के पास गिरवी रखी गई किसी भी सुरक्षित संपत्ति को बिक्री, पट्टे या अन्य किसी भी तरीके से (आपके व्यवसाय के सामान्य संचालन के अलावा) हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्थान: भिलाई,
दिनांक: 05-06-2026

हस्ताक्षरकर्ता: अधिकृत अधिकारी,
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग - 01 रायपुर

निविदा आमंत्रण सूचना
विज्ञापन क्र. - 392

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संभाग - 01 रायपुर के अंतर्गत (1) कबीर नगर रायपुर में निर्माणाधीन 48 ई.डब्ल्यू.एस. (जी +6) प्रकोष्ठ भवनों में फायर फायटिंग स्थापना कार्य एवं (2) कबीर नगर रायपुर में निर्माणाधीन 96 एल.आई.जी. (जी +6) प्रकोष्ठ भवनों में फायर फायटिंग स्थापना कार्य हेतु मैन्युअल निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना मण्डल की वेबसाईट www.cghb.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यालयीन समय पर कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संभाग - 01 कबीर नगर, रायपुर में संपर्क कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता
मो.नं. 9424209026

S-48018/1

छ.ग. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, वृत्त-दुर्ग

द्वितीय निविदा आमंत्रण
विज्ञापन क्र. 18

दीनदयाल आवास योजना कौरिनभाठा-राजनांदगांव में 112 नग एल.आई.जी. (ग्रुप-09) प्रकोष्ठ भवनों का निर्माण कार्य हेतु प्रपत्र - फ में राशि रू. 701.87 लाख की ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत 'ब' वर्ग एवं ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से ('प्री-क्वालीफिकेशन' के आधार पर) आमंत्रित की जाती है। विवरण मण्डल वेबसाईट www.cghb.gov.in एवं http://eproc.cgstate.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी कार्यपालन अभियंता संभाग-राजनांदगांव के मो.नं. 98271-75003 पर सम्पर्क करें ।

उपायुक्त

S-48020/1

"छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग" धमतरी वनमंडल धमतरी

काष्ठागार नगरी का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि धमतरी वनमंडल धमतरी के अन्तर्गत नगरी काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ, जलाऊ एवं बल्ली का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा । इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय / वन काष्ठागार नगरी से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक- 11 जून 2026 | नीलाम समय - अपरान्हः 2.00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रित वनोपज		योग वनोपज	
	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)
सागौन	28.886	1405	142.773	3402	171.659	4807
साल	691.502	-	791.881	146	1483.383	146
साजा	141.612	-	173.505	15	315.117	15
बीजा	127.112	-	139.713	-	266.825	-
तिन्सा	1.693	-	2.002	-	3.695	-
शीशम	-	-	0.377	-	0.377	-
हल्दू / मुण्डी / खम्हार	7.137	-	24.457	-	31.594	-
सलई / मोयन	3.844	-	-	-	3.844	-
धावड़ा	22.690	-	48.050	45	70.740	45
कर्रा / सेन्हा/ अन्य	200.673	-	217.136	92	417.809	92
योगः-	1225.149	1405	1539.894	3700	2765.043	5105
साल जलाऊ चट्टा	-	Chatta	132	Chatta	132	Chatta
योगः-	-	Chatta	132	Chatta	132	Chatta

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

टीपः- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई- कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं। (2) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई- कार्मस पोर्टल में अपने आईडी से लॉगइन करके देख सकते है । (4) ई-ऑक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेंकड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट में अन्य क्रेताओ द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

फोन 07722-238371
फैक्स -07722-236137

वनमंडलाधिकारी
धमतरी वनमंडल धमतरी

G-262701196/1

मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर से हिंसा का दौर समाप्त कर अवसरों का नया युग किया शुरू : शाह

पूर्वोत्तर परिषद की 73वीं पूर्ण बैठक में विकास, कनेक्टिविटी और समृद्धि पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पूर्वोत्तर भारत में हिंसा और अशांति के लंबे दौर को समाप्त कर इस क्षेत्र को विवादों के केंद्र से अवसरों के केंद्र में बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, निवेश, संपर्क और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के नए युग की ओर बढ़ रहा है।

अमित शाह ने गुवाहाटी में पूर्वोत्तर परिषद की 73वीं पूर्ण बैठक में भाग लेने के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर परिषद आज क्षेत्र के विकास के लिए रणनीतिक योजना बनाने वाली एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में कार्य कर रही है, जो जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ-साथ क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी बढ़ावा दे रही है।

विकास और शांति के नए मॉडल के रूप में उभरा पूर्वोत्तर

गृह मंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यों में शांति स्थापना, आधारभूत ढांचे के विकास, संपर्क सुविधाओं के विस्तार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप क्षेत्र में हिंसक घटनाओं में कमी आई है और विकास परियोजनाओं को गति मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार की /"एक्ट ईस्ट नीति/" और पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान ने इस क्षेत्र को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से और अधिक मजबूती से जोड़ा है।

क्षेत्रीय सहयोग और विकास पर विशेष फोकस

बैठक के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, क्षेत्रीय परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लोगों के जीवन स्तर में सुधार के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। नेताओं ने माना कि पूर्वोत्तर भारत देश के विकास का एक महत्वपूर्ण इंजन बन सकता है और इसके लिए साझा प्रयासों की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पूर्वोत्तर परिषद की यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब केंद्र सरकार क्षेत्र को व्यापार, पर्यटन, संपर्क और रणनीतिक दृष्टि से देश के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। बैठक में लिए गए निर्णय और व्यक्त की गई प्रतिबद्धताएं आने वाले वर्षों में पूर्वोत्तर भारत के विकास को नई दिशा दे सकती हैं।

राज्यों के शीर्ष नेतृत्व की रही भागीदारी

पूर्वोत्तर परिषद की 73वीं पूर्ण बैठक में क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, वरिष्ठ मंत्री, नीति-निर्माता और उच्च अधिकारी शामिल हुए। बैठक में क्षेत्रीय विकास, सड़क एवं रेल संपर्क, निवेश, पर्यटन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक प्रगति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

पूर्वोत्तर को मजबूत और समृद्ध बनाने का संकल्प

बैठक में केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के सभी राज्य और उनके नेतृत्व क्षेत्र को अधिक मजबूत, विकसित और समृद्ध बनाने के लिए एकजुट हैं। सिंधिया ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से पूर्वोत्तर के विकास को नई गति दी जा रही है। उन्होंने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार पर जोर दिया।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. EPC-CECONI VSKP2026003, दिनांक : 31.05.2026

कार्य का नाम : दक्षिण तट रेलवे (SCoR) जोन, विशाखापट्टनम के लिए आवासिय परिसर (टाइप-IV, टाइप-V एवं टाइप-VI), महाप्रबंधक बंगला, मनोरंजन सुविधाएँ, स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढाँचा आदि का निर्माण, जिसमें डिजाइनिंग और लैंडस्केप शामिल है।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 193,92,91,325.96, **EMD :** ₹ 3,89,85,900/-, **कार्य पूरा होने की अवधि :** 21 (इक्कीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 29.07.2026 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही वह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (निर्माण-I)/ विशाखापट्टनम
PR-72/CJ/26-27

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नारायणपुर, जिला नारायणपुर (छ.ग.)

दूरभाष (कार्यालय) 07781-252222
e-mailid – sdmnarayanpur@gmail.com

रा.मा.क्र./202605170500003

उद्घोषणा - पत्र

एतद् द्वारा नारायणपुर तहसील व जिला नारायणपुर के समस्त निवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यपालन अभियंता छ.ग. गृह निर्माण मण्डल संभाग - कोण्डागांव ने कार्यालयीन पत्र क्रमांक/359/कार्य.अभि./सं.- कोण्डागांव/ 2026 दिनांक 25.02.2026 के माध्यम से राज्य प्रवर्तित "अटल विहार योजना" हेतु भूमि आबंटन किये जाने हेतु ग्राम तेलसी प.ह.नं. 03 स्थित खसरा नम्बर 204 रकबा 5.37 हे. में से मुख्य मार्ग से लगी 1.00 हे. भूमि को छ. ग. गृह निर्माण मण्डल संभाग कोण्डागांव को आबंटित करने की मांग की गई है। उक्त संबंध में प्रकरण कलेक्टर महोदया जिला नारायणपुर के माध्यम से जांच प्रतिवेदनार्थ हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है, जिसकी सुनवाई दिनांक 18.06.2026 को इस न्यायालय में नियत है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से आगामी सुनवाई तिथि को या इसके पूर्व इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 04.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नारायणपुर, जिला-नारायणपुर (छ.ग.)

जैकेट के शेष

देवताओं के नाम ....

हाथ जोड़कर प्रकृति से अनुमति ली जाती है। यदि कभी...बहुत जरूरी होने पर महुआ या सेमर जैसे पेड़ों को काटना भी पड़े, तो कुल्हाड़ी चलाने से पहले पेड़ की सात बार परिक्रमा की जाती है और अनजाने में हुए नुकसान के लिए प्रकृति से बाकायदा क्षमा मांगी जाती है। केवल पेड़ ही नहीं, यह समाज जल को ही जीवन का परम सत्य मानता है। यही वजह है कि आज भी इस समाज में कई परिवार अग्नि के बजाय बहते हुए जल, नदी या नालों को साक्षी मानकर विवाह की रस्में पूरी करते हैं।

पतालकोट का देववन....

प्रतीक मानते हैं तथा इनके संरक्षण को सामाजिक और धार्मिक दायित्व समझते हैं। यही कारण है कि इन क्षेत्रों में वृक्षों की कटाई, भूमि की खुदाई अथवा किसी प्रकार का हस्तक्षेप निषिद्ध माना जाता है।

देववनों की छांव में सुरक्षित है जैव विविधता का खजाना : पातालकोट की भारिया जनजाति के लिए प्रकृति संरक्षण जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। उनकी संस्कृति, परंपराएं और सामाजिक मान्यताएं उन्हें पूरे वर्ष जंगलों, पेड़ों और जैव विविधता की रक्षा की प्रेरणा देती हैं। वे वृक्षों को केवल वन संपदा नहीं, बल्कि देवतुल्य मानते हैं और अपना जीवन उनसे जुड़ा हुआ देखते हैं। यही कारण है कि उनके लिए किसी एक दिन का पर्यावरण दिवस नहीं, बल्कि वर्ष का प्रत्येक दिन प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण को समर्पित होता है।

देववन की परम्परा ने संरक्षित रखा है जंगल : देववन की परंपरा ने पातालकोट के जंगलों को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारिया जनजाति का यह पारंपरिक ज्ञान केवल धार्मिक विश्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव के सह-अस्तित्व की एक सशक्त अवधारणा को भी दर्शाता है। आधुनिक पर्यावरणीय चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन और वन क्षरण के दौर में यह परंपरा बताती है कि स्थानीय समुदायों की भागीदारी और सांस्कृतिक मान्यताएँ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण कितनी प्रभावी हो सकती हैं। पातालकोट के देववन आज भी इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि जब जंगलों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि संस्कृति, आस्था और पूर्वजों की धरोहर के रूप में देखा जाता है, तब उनका संरक्षण स्वतः सुनिश्चित हो जाता है। यही कारण है कि भारिया जनजाति की यह अनूठी परंपरा न केवल पातालकोट की पहचान है, बल्कि प्रकृति संरक्षण का एक प्रेरणादायी मॉडल भी है।

84 गांवों का ...

कर्तव्य नहीं, बल्कि अपना मूल धर्म मानते हैं।

न अदालत का ....

स्थापित किया है जहां सदियों से समाज के लोग अपनी पारंपरिक पूजा करते हैं। खास बात है कि अपने बूढ़ा देव एवं बूढ़ी दाई की पूजा के लिए सभी समुदाय के लोगों ने जंगल में अलग-अलग स्थानों पर अपने सरना स्थल बनाए हैं जहां परंपरानुसार देवों की पूजा होती है। मैदानी इलाकों में जहां सरई (साल) के जंगल नहीं है वहां समुदाय के लोग महुआ, साजा एवं सेमल के पेड़ों की छाया में सरना पूजा करते हैं। सरना पूजा को लेकर अलग-अलग मान्यताएं भी हैं। सरना पूजा में उरांव समाज की महिलाएं भी भागीदारी करती हैं। क्योंकि स्थल पर मातृ शक्ति की भी पूजा होती है जबकि गोंड़ समाज में सिर्फ पुरूष ही सरना स्थल पर बूढ़ा देव की पूजा करते हैं जबकि परिवार की मुखिया महिलाएं अपने घर में बूढ़ी दाई की परंपरागत पूजा करती हैं।

महुआ त्यौहार से शुभ कार्यों की शुरूआत : शिक्षक देव सिंह करियाम बताते हैं कि महुआ के फूल आने पर गोंड़ समाज के लोग सरना स्थल पर महुआ त्यौहार मनाते हैं। यह गोंड़ समाज का प्रमुख त्यौहार है। इस त्यौहार में महुआ वृक्ष की पूजा करने की परंपरा है। समुदाय के लोग महुआ फूल को मातृ शक्ति का गर्भ मानते हैं। महुआ फूल परिपक्व होने के बाद स्वयं टपकता है इसे तोड़ा नहीं जाता। समुदाय के लोग महुए की डाल को भी नहीं तोड़ते। महुआ की लालरंग की छाल को मानव रक्त एवं दूध को मातृ शक्ति का प्रतीक माना जाता है। बैगा परंपरानुसार महादेव, तलवार, त्रिशूल एवं लोहे के गुरूद की पूजा करते हैं। चैत्र पूर्णिमा से महुआ त्यौहार प्रारंभ होता है तथा अक्षय तृतीया के दिन इस त्यौहार का समापन किया जाता है। इस त्यौहार को मनाने के साथ ही शादी-विवाह जैसे शुभ कार्यों को प्रारंभ किया जाता है। जहां महुआ के पेड़ नहीं हैं वहां आम वृक्ष की पूजा की जाती है। महुआ त्यौहार के दौरान सरना स्थल पर बलि देने की परंपरा है।

हर परिवार के अलग-अलग सरना स्थल : आदिवासी परिवार सामूहिक सरना स्थल पर तो एक साथ पूजा करते ही हैं। समुदाय के लोगों ने अपने कुलदेव की पूजा के लिए अलग-अलग सरना स्थल बनाया है। इस तरह समुदाय के हर परिवार के अलग-अलग सरना स्थल हैं जहां परिवार के सदस्य परंपरानुसार पूजा करते हैं। समुदाय के कुल गोत्र का निर्धारण भी पेड़ों, वन्य जीवों एवं पक्षियों के नाम पर निर्धारित है। समुदाय के लोग अपने कुलगोत्र के अनुसार वृक्ष, वन्य जीव एवं पक्षी के संरक्षण की प्रतिज्ञा करते हैं तथा किसी भी हाल में इनको नुकसान नहीं पहुंचाते।

कठोरी पूजा से शुरू होती है खरीफ खेती : आदिवासी समाज खरीफ खेती की तैयारियों के पूर्व सरना स्थल पर कठोरी पूजा करता है। इस पूजा के लिए आदिवासी समाज के हर परिवार थोड़ा सा धान बीज एवं चावल की रोटी लेकर पहुंचता है। देवों की पूजा उपरांत ग्रामीण सरना स्थल पर प्रतिकात्मक रूप से बारी-बारी से हल चलाते हैं। बैगा ग्रामीणों द्वारा लाए गए धान बीज को जोती गई धरती में बुनते हैं तथा गांव के पटेल घड़े की पानी से इसकी सिंचाई करते हैं। मान्यता है कि कठोरी पूजा के माध्यम से समुदाय के लोग धरती की पूजा कर अच्छी फसल होने की कामना करते हैं। गंगा दशहरा के दिन आदिवासी समाज के लोग जल स्रोत की सफाई करते हैं। इस दिन जल स्रोत। के किनारे भैंसासुर की पूजा करने के साथ ही उनका विवाह रचाया जाता है। गंगा दशहरा के दिन दसों दिशा के दिग्पालों की भी पूजा की जाती है।

मूल में प्रकृति पूजा : आदिवासी समुदाय के लोग मूल रूप से प्रकृति के उपासक हैं तथा विभिन्न रूपों में प्रकृति की पूजा करते हैं। प्रकृति ही आदिवासी जनजीवन का आधार है। समुदाय के लोग अपने कुलगोत्र के अनुसार एक-एक प्रजाति के पेड़, वन्य जीवन एवं पक्षी का संरक्षण करते हैं।

- डॉ अमृत मरावी, संभागीय अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज।

समक्ष - श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय
दुर्गूकोंदल, जिला-उ.ब.कांकेर (छ.ग.)

शपथ पत्र

बैशाखिन, पति स्व. शंकर सिंह ठाकुर, उम्र- 70 वर्ष, जाति- क्षत्रिय, निवासी ग्राम- हाटकोंदल, तहसील- दुर्गूकोंदल जिला- उ.ब. कांकेर (छ.ग.) ...शपथकर्ती

उपरोक्त शपथकर्ती निम्नानुसार सादर प्रस्तुत करती है:-

1. यह कि शपथकर्ती का पता उपरोक्तानुसार है।
2. यह कि शपथकर्ती के पति स्व.शंकर सिंह ठाकुर, पिता स्व. शिवलाल सिंह ठाकुर की मृत्यु 06/02/2026 को हो गया है।
3. यह कि स्व. शंकर सिंह ठाकुर के नाम से श्रीमान खण्ड शिक्षा अधिकारी दुर्गुकोंदल में सेवा पुस्तिका चूक वश शपथकर्ती का नाम देवरानी नामिनी के रूप में दर्ज है, जबकि मेरा नाम बैशाखिन ठाकुर है।
4. यह कि शपथकर्ती का सही नाम बैशाखिन ठाकुर, पति स्व.शंकर सिंह ठाकुर है, जो कि शपथकर्ती के पति स्व. शंकर सिंह ठाकुर का श्रीमान खण्ड शिक्षा अधिकारी दुर्गुकोंदल में सेवा पुस्तिका में नामिनी के रूप में देवरानी हो गया है, उक्त श्रीमान खण्ड शिक्षा अधिकारी दुर्गुकोंदल में सेवा पुस्तिका देवरानी को सुधारकर बैशाखिन ठाकुर पढ़ा एवं लिखा जावें।
5. यह कि शपथकर्ती के सम्पूर्ण दस्तावेज जैसे:- आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक पासबुक, एवं अन्य दस्तावेजों में शपथकर्ती का वास्तविक नाम जो बैशाखिन ठाकुर, ही है, जो सत्य एवं सही है।
6. यह कि शपथकर्ता द्वारा उक्ताशय का यह शपथ पत्र सादर प्रस्तुत है।

शपथकर्ती

सत्यापन

मैं उपरोक्त शपथकर्ती सत्य निष्ठापूर्वक यह घोषित एवं सत्यापित करती है कि इस शपथ-पत्र की कंडिका क्रमांक 01 (एक) से 06 (छः) उल्लेखित कथन सत्य एवं सही है जिसे आज दिनांक-18/03/2026 को स्थान दुर्गूकोंदल में अपने हस्ताक्षर कर सत्यापित किया हूं।
स्थान:- दुर्गूकोंदल
दिनांक:-18/03/2026

सत्यापनकर्ती

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला-बालोद छ.ग.

क्र./309/राजस्व/न.पं./2026-27 गुरूर, दिनांक- 02/06/2026

प्रथम दर/प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं इच्छुक व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत गुरूर क्षेत्रांतर्गत अम्बेडकर चौक के समीप वार्ड क्रमांक 06 पर व्यवसायिक परिसर निर्माण (स्ववित्त/पीपीपी मोड़ में) किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें नगर पंचायत द्वारा दुकानों की नीलामी कर आबंटित किये जाने हेतु निर्धारित दरों/शर्तों पर निविदा दर प्रस्ताव द्वि-लिफाफा पद्धति में स्पीड पोस्ट के माध्यम से सील बंद लिफाफे में निम्नानुसार आमंत्रित किया जाता है:-

1. कार्यालय में निविदा दर/बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 22/06/2026 कार्यालयीन अवधि तक।
2. निविदा/बोली खोलने की तिथि - 23/06/2026 समय 11.00 बजे से

अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत के राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है एवं विभागीय वेबसाइड www.uad.cg.gov.in में अवलोकन/डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर, जिला-बालोद (छ.ग.)

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाएं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इंण्डिया के ई-प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

e-Tender Notice No.10 / 2026-2027

Executive Engineer, Kolhapur Electrical Division Kolhapur. Tarabai Park, PWD Campus, Kolhapur. Invites Bids from Electrical Contractor in Whow Class Mentioned in B-1 (Percentage rate) Tender Format Bids Documents can be Downloaded From Website. Executive Engineer Reserve all Rights to Accept or reject Bids Conditional Bids will not be accepted.

Sr. No.	Name of Work	Amount Put to Tender
1)	Name Of Work- Estimate No. 112104 of 2026-2027 - Providing Internal and External Electrification, CCTV and networking in Main building, Koyana and Tulshi building at CPR hospital Kolhapur, Tal-Karveer, Dist. Kolhapur	Rs. 13414638/-

TIME TABLE

Publish Bid Date	Dt. 05.06.2026 @ 10.00 AM
Tender Submission Period	Dt. 05.06.2026 @ 10.00 AM to Dt. 12.06.2026 @ 18.00 PM
Pre-bid Meeting place & Date, Time	Nil
Tender Opening	Dt. 15.06.2026 @ 12:30 PM at Office of The Superintending Engineer (Elect.), Pune Regional Electrical Circle, ShivKirti, Government Rest House g-2/3,& g-10, Ghopardi, Pune-411003 Email- elepune.se@mahapwd.gov.in, Phone No.020-25816010

The detailed tender notice will be available on www.mahatenders.gov.in (any changes in the NIT will be published on the above website.

Executive Engineer,
Kolhapur Electrical Division
P.W.D. Kolhapur.

आरओसी-2026-27/क्र.-5/C1014

कार्यालय नगर पंचायत बेरला, जिला - बेमेतरा (छ. ग.)

ई मेल:- cmoberla@rediffmail.com

क्रमांक /201/ लो.नि.वि./न.पं./2026-27 **पंचम ई - निविदा आमंत्रण सूचना** बेरला, दिनांक- 04/06/2026

नगर पंचायत बेरला में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य विवरण	लागत राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि (रू. लाख में)	समय सीमा	निविदा प्रपत्र शुल्क (रू. में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	अमानत राशि एवं 100 रू. स्टाम्प जमा करने की अंतिम तिथि
1	192418	Design, Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work Including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System In Nagar Panchayat, Berla under SBM2.0	252.68	1.50	15 माह	10000/-	19/06/2026 17:30 PM तक	22/06/2026 16:00 PM तक

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in And https://cguad.gov.in से दिनांक 04.06.2026 को 10.00 बजे से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत बेरला

पेज एक के शेष

5 नगर पंचायतों में ...

योजनाओं पर भी पड़ सकता है। चुनाव प्रचार के लिए भाजपा की ओर से डिप्टी सीएम अरुण साव और विजय शर्मा के अलावा संगठन के पदाधिकारी और विधायक जुटे थे। वहीं कांग्रेस की ओर से पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, डॉ. चरणदास महंत चुनाव प्रचार में जुटे थे। साथ ही विधायक और पूर्व विधायकों को अलग-अलग नगर पंचायतों में जिम्मेदारी दी गई थी।

पंचायतों में पंच सरपंच के चुनाव परिणाम जारी : त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों में पंच के 1136 पदों में से 640 निर्विरोध निर्वाचित हुए। 107 पदों के लिए चुनाव हुए। सरपंच के 82 पद रिक्त थे। इनमें 15 निर्विरोध निर्वाचित हुए। 34 पदों के लिए चुनाव हुए। जनपद सदस्य 10 पद रिक्त थे, सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुए।

सरकार की जनहितकारी नीतियों पर जनता ने जताया विश्वास- साय : तीन नगर पंचायत चुनाव में भाजपा ने जीत हासिल की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, सहसपुर लोहारा, बम्हनीडीह और शिवनंदनपुर नगर पंचायतों में भाजपा प्रत्याशियों की विजय प्रदेशवासियों के सुशासन, विकास और जनकल्याण के प्रति विश्वास का प्रतीक है। तीनों जगह भाजपा को मिले शानदार जनादेश के लिए उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा, यह परिणाम स्पष्ट संकेत है कि छत्तीसगढ़ की जनता विकास, सुशासन और जनकल्याण की राजनीति पर अपना विश्वास लगातार मजबूत कर रही है। भाजपा प्रत्याशियों की विजय जनता के विश्वास और हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल है। उन्होंने कहा, यह जीत भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, संगठन की शक्ति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही जनहितकारी नीतियों पर जनता की मुहर है। जनता का यह विश्वास हमें और अधिक समर्पण, जवाबदेही और सेवा भाव के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

शहरों और गांवों की जनता ने भाजपा को नकार दिया- कांग्रेस : नगर निगमों तथा नगर पंचायतों एवं पंचायतों के उपचुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन शानदार रहा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, प्रदेश के शहरों और गांवों की जनता ने भाजपा को नकार दिया। पंचायतों के उपचुनाव के विभिन्न पदों पंचों, जनपदों में कांग्रेस के 543 समर्थित प्रतिनिधि चुनाव जीते है। जगदलपुर, बिलासपुर, कांकेर निगम के वार्डों में कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव जीते है। अंतागढ़ के वार्ड में कांग्रेस चुनाव जीती है। नगर पंचायतों 30 वार्डों में भी कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव जीते हैं। उन्होंने कहा, शिवनंदनपुर नगर पंचायत में अध्यक्ष का पद भले भाजपा जीती लेकिन 8 पार्षद कांग्रेस के जीत कर आये। कांग्रेस वहां भी चुनाव जीतकर आई। यह चुनाव परिणाम बताते है राज्य में अब भाजपा का अवसान शुरू हो गया है। जनता ने भाजपा के कुशासन को नकार दिया है।

कहां, किसे मिली...

भाजपा ने बाजी मारी

0 पलारी में कांग्रेस के यानेश कुमार ने भाजपा के लखनलाल गुरुपंच को हराकर अध्यक्ष निर्वाचित हुए और पार्टी ने यहां 9 वार्डों में भी जीत का परचम लहराया

कार्यालय नगर पालिका परिषद् कुरूद जिला-धमतरी (छ.ग.)

पता-पुराना बाजार चौक कुरूद, ई-मेल आईडी-kurudnp@gmail.com

क्रमांक 1717/लो.नि.वि./ऑ.नि.आं.सू. / 2026-27 कुरूद, दिनांक 04/06/2026

-:: ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण) :-

नगर पालिका परिषद् कुरूद क्षेत्रांतर्गत अधोसंरचना मद अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्य हेतु छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार/ फर्म से Chhattisgarh Government Integrated e-Procurement Portal-https://eproc.cgstate.gov.in में ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

निर्धारित तिथि एवं समय :-

01. Bid Submission Start Date - 04.06.2026, सायं 5.30 बजे तक
02. Bid Due Date - 22.06.2026, सायं 5.30 बजे तक
03. Bid Open Date - 25.06.2026, प्रातः 11.30 बजे तक
04. Physical Document Submission End Date - 24.06.2026, सायं 5.30 बजे तक

स. क्र.	कार्य का विवरण	टेण्डर सिस्टम नंबर	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (राशि रू.)	फर्म/ ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की अवधि माह	निविद प्रपत्र शुल्क मूल्य राशि रू. एवं प्रकार	प्रभावशील दर अनुसूची
01	वार्ड क्र. 15 केनाल रोड से एन.एच. तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	192477	18.64	14000.00	"D" and Above	04 माह	750.00 Form A	PWD Road SOR 01.01.2025
02	वार्ड क्र. 10 वृन्दावन सरोवर से नया बाजार तक बी.टी. रोड निर्माण कार्य।	192492	19.39	14550.00	"D" and Above	04 माह	750.00 Form A	PWD Road SOR 01.01.2025

उपरोक्त कार्यों के निविदा की विस्तृत / सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के लोक निर्माण शाखा, विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in एवं e-Procurement Portal-https://eproc.cgstate.gov.in से अवलोकन की जा सकती।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् कुरूद, जिला-धमतरी (छ.ग.)

नायब तहसीलदार, बिलाईगढ़
जिला- सारंगढ़- बिलाईगढ़ (छ. ग.)

// ईश्तहार //

आवेदक सहायक अभियंता (उपसंभाग) छ.स्टे.पॉ. डिस्ट्री. कं. लिमि. भटगांव द्वारा भटगांव के अंतर्गत ग्राम सोनियाडीह में नवीन 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र निर्माण कार्य हेतु शासकीय भूमि ख.नं.- 414 रकबा 0.922 हे. भूमि में से रकबा 0.300 हे. भूमि विभाग को आबंटित करने हेतु प्रस्तावित है, तथा आगामी सुनवाई तिथि दिनांक 15.06.2026 नियत है ।

उक्त संबंध में जिस किसी हितबद्ध व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति पेश करना हो तो, प्रकरण में नियत दिनांक 15.06.2026 तक स्वयं या अपने मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से दस्तावेज के उपस्थित होकर, दावा / आपत्ति पेश कर सकते है । नियत दिनांक बाद प्रस्तुत दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नायब तहसीलदार बिलाईगढ़
जिला- सारंगढ़- बिलाईगढ़ (छ.ग.)

राशिफल

मेष: किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष: मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन: पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क: आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह: व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला: मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक: परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु: मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर: क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ: रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

शब्द पहेली - 6247

बाएँ से दाए
1. पावर हाऊस -5
4. दिमागी, कल्पित-4
7. हृदय-2
8. खोदना-3
9. प्रचार वाक्य, स्लोगन-2
10. नुकीला-4
11. कलिका-2
13. प्यारा, लाडला-3
14. विशिष्ट, विशेष-2
15. खर्च, उपभोग-3
17. नौका-2
19. नाम करण-2,3
22. चमकीला-5
25. महोदय (अंग्रेजी-2)
26. रनिवास, जनवासा-3
28. संध्या, सांझ-2
29. दलना, महीन करना-3
30. जस, सम्मान -2
32. कारागृह-4
34. आलाप, लय, सुर-2
36. पागल स्त्री-3
37. इंकार, मना-2
38. सराबोर, सना हुआ -4
39. वेश्या, तवायफ-5

ऊपर से नीचे
1. चूहे का घर-2
2. नेता-3
3. सार-संभार-2,3
4. आदर्श, कसौटी-3
5. छाती-2
6. अचरज भरा कार्य-4
7. हृदय को ठेस लगना-5
10. अनवरत वर्षा-4
12. जूं का अंडा-2
16. ओट, घूंघट-3
17. मां के पिता-2
18. दुख, कष्ट-2
20. राष्टीय पक्षी-3
21. पत्र, लैटर-2
22. गुप्तचर, दूत-2
23. कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24. रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25. समयुगीन, समवर्ती-5
26. बंद, स्ट्राइक-4
27. सुरा, शराब-2
31. वचन, प्रतिज्ञा-3
33. बंदर-3
35. नथनी, नथिया-2
37. शहद-2

शब्द पहेली- 6246 का हल

ग	र	म	म	सा	ला	■	क	दा	चा	र
ती	खा	■	हा	■	चा	क	र	■	र	वा
वि	■	अ	ज	ग	र	■	म	ल	■	य
धी	मा	प	न	■	■	म	■	की	म	त
ही	■	ल	■	श	ता	न	न	■	जा	■
न	म	क	दा	नी	■	मा	न	सि	क	ता
■	क	■	म	च	ल	ना	■	या	■	र
अ	र	ज	■	र	■	■	ऐ	रा	व	त
ह	■	स	द	■	न	रो	त	म	■	म्य
म	न	■	ख्र	स	म	■	बा	■	टा	पू
क	र	त	ल	■	श	रा	र	त	पू	र्ण

सूडोकु नवताल - 6257

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6256 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

उच्च शिक्षित होकर छोटी नौकरी हथियाने वालों को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- डिग्री छिपाकर निम्न श्रेणी की नौकरी हासिल करना अमान्य

मद्रास हाईकोर्ट का आदेश रद्द, जिसमें सिंडिकेट बैंक के अटेंडेंट की नौकरी पाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री छिपाने वाले एक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था

सरकार का कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना पूरी तरह सही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कम शैक्षणिक योग्यता के लिए आरक्षित नौकरी के लिए अपनी शिक्षा छिपाना पद के असली हकदार से रोजगार छीनना है। इसलिए उच्च योग्यता छिपाकर ली गई नौकरी कानूनन अमान्य होगी। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने सिंडिकेट बैंक के अटेंडेंट की नौकरी पाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री छिपाने वाले एक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कम पढ़े-लिखे लोग कम योग्यता वाली नौकरियों में ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ऐसे में सरकार का कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना पूरी तरह सही है। कोर्ट ने 2025 के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार सभी योग्य उम्मीदवारों को तय नियमों के तहत ही मिलना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि कोई उम्मीदवार तय सीमा से अधिक पढ़ा-लिखा है, उसे उस कम योग्यता वाले पद पर नियुक्ति का कोई स्वतः अधिकार नहीं मिल जाता।

ओवर क्वालिफिकेशन पर कोर्ट ने दिया तर्क

यह देखते हुए कि किसी एम्प्लॉयर की सही जगह पर सही लोगों को रखने की जरूरत का मतलब हमेशा ज्यादा क्वालिफाइड लोग ही नहीं होता, जस्टिस अहसानुद्दीन अमनुल्लाह और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि सरकार के उस फैसले में कुछ भी गलत नही है, जिसमें किसी पद के लिए क्वालिफिकेशन की एक सीमा तय की गई है और ज्यादा डिग्री रखने वालों को अयोग्य ठहराया गया है।

राजस्थान से गुर्जर और मध्यप्रदेश से अग्रवाल का नाम भी लिस्ट में शामिल

पूनिया, चुघ जाएंगे रास, भाजपा ने 11 उम्मीदवारों की जारी की सूची

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की सूची जारी की। पार्टी ने हरियाणा भाजपा के प्रभारी सतीश पूनिया और राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ को राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। उम्मीदवारों की सूची में गुजरात से 4, मध्य प्रदेश और राजस्थान से 2-2, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर से 1-1 जबकि ओडिशा राज्यसभा उपचुनाव के लिए एक उम्मीदवार शामिल है। मध्य प्रदेश की दो राज्यसभा सीटों के लिए भाजपा ने राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने राजस्थान से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका गुर्जर को टिकट दिया गया है। गुजरात की चार सीटों पर राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया को उम्मीदवार बनाया गया है। अरुणाचल प्रदेश से ताई तागक और मणिपुर से ए. शारदा देवी को टिकट मिला है। ओडिशा में राज्यसभा की खाली सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी ने देवाशीष सामंतराय को उम्मीदवार घोषित किया है। गौरतलब है रास चुनाव 18 जून को होगा। मतगणना भी उसी दिन होगी।

कांग्रेस ने भी की खड़गे समेत सात उम्मीदवारों की घोषणा

कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को अपने सात उम्मीदवारों की घोषणा की, जिनमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक से, पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को टिकट दिया है। मध्य प्रदेश से पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, राजस्थान से पार्टी के वर्तमान राज्यसभा सदस्य नीरज डांगी, तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती को व राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा को झारखंड से उम्मीदवार बनाया है। खड़गे शुक्रवार को नामांकन दाखिल करेंगे।

खबर संक्षेप

अग्निवीर योजना सैनिकों और सरकार के बीच पवित्र रिश्ते को तोड़ती है: राहुल

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में आयोजित पूर्व सैनिक सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए अग्निवीर योजना पर तीखा हमला बोला। खराब मौसम के कारण कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंच पाने पर उन्होंने पूर्व सैनिकों से क्षमा मांगी और कहा कि सरकार तथा सैनिकों के बीच एक /"पवित्र और अलिखित समझौता/" होता है, जिसे अग्निवीर योजना ने तोड़ दिया है।

आज से भारत की यात्रा पर नेपाल के विदेश मंत्री

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के विवादित बयान, लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी जैसे सीमाई क्षेत्रों पर दावे को लेकर संबंधों में बनी हुई तल्खी के बीच नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल शुक्रवार से भारत की तीन दिवसीय (5 से 7 जून तक) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसके लिए उन्हें विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने आमंत्रित किया है। नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने की भारत यात्रा के तुरंत बाद नेपाल के विदेश मंत्री का नई दिल्ली का यह दौरा हो रहा है।

पीएम मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज की अहम बैठक

ऊर्जा सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में साथ काम करने पर बनी सहमति

दवा उद्योग, निवेश व्यापार और परिवहन पर भी विशेष फोकस

बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश, दवा उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा और ऑटोमोबाइल उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पांच दिवसीय भारत दौरे पर आईं वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने पीएम नरेंद्र मोदी से विस्तृत और व्यापक बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-वेनेजुएला द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश, दवा उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा और ऑटोमोबाइल उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया।

◆ 'ग्लोबल साउथ' के हितों को बढ़ाने पर जोर

पीएम नरेंद्र मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज बातचीत करते हुए

विदेश मंत्री जयशंकर से भी हुई मुलाकात

इससे पहले डेल्सी रोड्रिगेज ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की। जयशंकर ने बताया कि डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात कर उन्हें खुशी हुई और भारत-वेनेजुएला संबंधों को मजबूत करने में उनके लंबे समय से दिए गए योगदान की वह सराहना करते हैं।

राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बापू की स्थायी विरासत को नमन करते हुए कहा कि गांधी के आदर्श आज भी भारत-वेनेजुएला संबंधों के लिए प्रासंगिक हैं। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा कि 'बापू की स्थायी विरासत को नमन' करते हुए रोड्रिगेज ने राजघाट पर श्रद्धांजलि दी।

निवेश अवसरों पर हुई बातचीत

पीएम मोदी ने सिटीग्रुप चेयरपर्सन जेन फ्रेजर से की मुलाकात

पीएम नरेंद्र मोदी ने सिटीग्रुप की चेयरपर्सन और सीईओ जेन फ्रेजर से मुलाकात की। बैठक में भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, निवेश अवसरों, वैश्विक पूंजी प्रवाह और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने पर विस्तृत चर्चा हुई। पीएम मोदी ने बैठक में अपने विजन को साझा करते हुए आर्थिक विकास की रफ्तार तेज करने, भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजारों में विस्तार के अवसर प्रदान करने और देश में विदेशी निवेश बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने वैकल्पिक ऊर्जा (सौर ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और भारतीय कंपनियों के अंतरराष्ट्रीय विस्तार में सिटीग्रुप की भूमिका पर भी चर्चा की।

अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, झाड़ू बिक्री की आड़ में करते रहे हैं गांजा तस्करी

लग्जरी बस से की जा रही थी तस्करी, चार करोड़ का गांजा जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिश्रामपुर

झाड़ू बिक्री की आड़ में लग्जरी बस से गांजा तस्करी का खुलासा करते हुए सूरजपुर पुलिस ने 8 क्विंटल गांजा जब्त किया है। अंतरराज्यीय तस्करी से जुड़े इस मामले में पुलिस ने बस चालक समेत कई लोगों को हिरासत में लिया है। जब्त गांजे की कीमत करीब चार करोड़ रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह अंबिकापुर-सिलफिली क्षेत्र के कुछ स्थानीय युवकों ने नीलम कंपनी की लग्जरी बस क्रमांक सीजी 15 ईएच 4301 को राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर महावीरपुर कालीघाट के पास गुजरते देखा। बस में बड़ी मात्रा में झाड़ू के गट्ठर लदे थे तथा उसमें महिला-पुरुष सवार थे। परिस्थितियां संदिग्ध लगने पर युवकों ने डायल-112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बस का पीछा करने निकली। इस दौरान सूचना देने वाले युवक भी अपने वाहनों से बस के पीछे लगे रहे। बताया जाता है कि सुबह करीब 7 बजे बस सवार लोगों को पीछा किए जाने की भनक लगी तो उन्होंने बस रुकवाकर भागने का प्रयास किया। अफरा-तफरी के बीच पुलिस ने बस को अपने कब्जे में लेकर सीधे दसवीं बटालियन परिसर पहुंचाया, जहां विस्तृत जांच की गई।

पीछा कर रहे युवकों पर चाकू से हमला

जानकारी के अनुसार बस का पीछा कर रहे आकाश सोनी और आकाश कुशवाहा पर कुछ तस्करों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। बस में लगभग 20 से 22 महिला-पुरुष थे।

दिनभर चली जांच, कई थानों की टीम जुटी :गांजे की बड़ी खेप पकड़े जाने के बाद एडिशनल एसपी योगेश देवांगन एवं एसडीओपी अभिषेक पैकरा के मार्गदर्शन में जयनगर, भटगांव और लटोरी पुलिस की टीम पूरे दिन जांच और जब्ती कार्रवाई में जुटी रही। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस ने सर्च अभियान भी चलाया।

इंडिया गठबंधन में दरार

बैठक से डीएमके ने बनाई दूरी कांग्रेस को कहा 'धोखेबाज'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडिया गठबंधन की 8 जून को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में होने वाली बैठक से पहले विपक्षी एकता को बड़ा झटका लगा है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने घोषणा की है कि वह इस बैठक में हिस्सा नहीं लेगी जबकि उसे बैठक का निमंत्रण मिला था। पार्टी ने कहा कि तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस द्वारा किए गए कथित 'विश्वासघात' से डीएमके कार्यकर्ता गहरे आहत हैं। पार्टी ने कहा कि कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए उसने उस बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है जिसमें कांग्रेस भी मौजूद रहेगी। गौरतलब है, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव डीएमके व कांग्रेस ने साथ मिलकर लड़ा था। लेकिन नतीजे आने के बाद कांग्रेस ने एक्टर विजय की पार्टी को समर्थन दे दिया था।

पहले की तरह मुखर रहेगी आवाज

डीएमके ने यह भी स्पष्ट किया कि बैठक से दूरी बनाने का मतलब राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों से पीछे हटना नहीं है। पार्टी ने कहा कि वह नीट, वक्फ कानून, एक देश-एक चुनाव, एसआईआर और अन्य जनहित के मुद्दों पर अपनी आवाज पहले की तरह मुखर रखेगी। वह लगातार उन मुद्दों का विरोध करती रही है जिन्हें वह लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और राज्यों के अधिकारों के लिए नुकसानदायक मानती है। इनमें नीट परीक्षा, परिसीमन, चुनावों से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, 'एक देश-एक चुनाव' प्रस्ताव, वक्फ अधिनियम और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में संशोधन जैसे मुद्दे शामिल हैं। डीएमके ने यह बयान चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय अन्ना अरिवालयम से जारी किया गया। डीएमके ने लगाया 'विश्वासघात' का आरोप

अनुसंधान और नवाचार को लेकर लॉन्च होगा डिजिटल पोर्टल

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने देश के अनुसंधान और नवाचार तंत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन समर्थित एक नए डिजिटल पोर्टल की घोषणा की है। यह पोर्टल देशभर के शोधकर्ताओं, छात्रों और नवाचारकर्ताओं को पेटेंट फाइलिंग, वैज्ञानिक शोध पत्र लेखन तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों से जुड़ी प्रक्रियाओं में प्रशिक्षण और सहयोग उपलब्ध कराएगा।

फील्ड कमांडरों की वित्तीय शक्तियों में दोगुनी बढ़ोतरी तेजी से होंगे रक्षा सौदे

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। देश की निकट सीमाओं से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी संघर्षों के जटिल दौर में आने वाले समय में भारत में रक्षा क्षेत्र को और अधिक मजबूती मिलेगी। पहले के मुकाबले रक्षा समझौते और परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से होगा। क्योंकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को तीनों सशस्त्र सेनाओं (सेना, वायुसेना और नौसेना) के फील्ड कमांडरों की वित्तीय शक्तियों में दोगुना यानी 100% तक की बढ़ोतरी को मंजूरी प्रदान कर दी है।

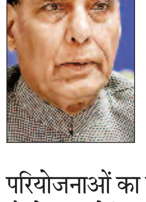

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने दिया ट्रंप को झटका

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने युद्ध संबंधी शक्तियों से जुड़े एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसके तहत ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को रोकने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने तीन महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में डेमोक्रेट्स का साथ दिया और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध किया।

SHIVA EMBROCATION OIL
शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराइट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
नकली माल से सावधान
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

मारुति ने पेश की देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल कार, पेट्रोल-डीजल की टेंशन खत्म

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सरकार लगातार एथेनॉल बेस्ड फ्यूल को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में एक बड़ा कदम उठाते हुए मारुति सुजुकी ने अपनी पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार वैगनआर को लांच कर दिया है।

- सरकार एथेनॉल बेस्ड फ्यूल को बढ़ावा दे रही है

यह कार खास तकनीक के साथ तैयार की गई है, जिससे यह सामान्य पेट्रोल के अलावा अधिक मात्रा में एथेनॉल मिक्स फ्यूल पर भी चल सकती है। नई फ्लेक्स-फ्यूल वैगनआर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह ई85 फ्यूल पर भी चल सकती है। ई85 का मतलब है कि फ्यूल में 85 प्रतिशत एथेनॉल और 15 प्रतिशत पेट्रोल होता है। वर्तमान में ज्यादातर वाहन ई20 तक के फ्यूल पर चलने के लिए तैयार किए जा रहे हैं, लेकिन फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक इससे एक कदम आगे है। यह गाड़ी फ्यूल में मौजूद एथेनॉल और पेट्रोल के अनुपात के अनुसार खुद को एडजस्ट कर लेता है।

नई फ्लेक्स-फ्यूल वैगनआर ई85 फ्यूल पर भी चल सकती है

कीमत सामान्य वैगनार से थोड़ी अधिक हो सकती है

कीमत की बात करें तो फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक के कारण इस मॉडल की कीमत सामान्य वैगनआर से थोड़ी अधिक हो सकती है। हालांकि अगर भविष्य में ई85 ईंधन पेट्रोल की तुलना में सस्ता मिलता है, तो ग्राहकों को रोजाना के ईंधन खर्च में अच्छी बचत मिल सकती है। लंबे समय में यह अतिरिक्त कीमत की भरपाई कर सकता है। आने वाले सालों में भारत में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों का बाजार तेजी से बढ़ेगा। जैसे-जैसे एथेनॉल फ्यूल की उपलब्धता बढ़ेगी, वैसे-वैसे लोग इस तकनीक को अपनाने लगेंगे। कई अन्य कार कंपनियां भी ऐसी कारों और दोपहिया वाहनों पर काम कर रही हैं।

ईसीयू एथेनॉल में कितना पेट्रोल है जांचता है

यह ईसीयू लगातार यह जांचता रहता है कि टैंक में कितना एथेनॉल और कितना पेट्रोल मौजूद है। इसी के मुताबिक, इंजन की कार्यप्रणाली को एडजस्ट किया जाता है। इससे कार हर प्रकार के मिश्रण वाले फ्यूल पर बेहतर प्रदर्शन कर पाती है और इंजन की कार्यक्षमता भी बनी रहती है।

डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं

नई वैगनआर को देखने पर आपको सामान्य मॉडल जैसी ही कार नजर आएगी। कंपनी ने इसके डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक के लिए कंपनी ने कार के कई जरूरी हिस्सों को अपग्रेड किया है।

वैगनआर को क्यों चुना गया?

मारुति सुजुकी ने अपनी पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार के लिए वैगनआर को चुना है क्योंकि यह कंपनी की सबसे सफल और पॉपुलर कारों में से एक है। वैगनआर अपनी आरामदायक सीटिंग, बड़े केबिन, अच्छे माइलेज और कम मेंटेनेंस खर्च के लिए जानी जाती है। कंपनी को उम्मीद है कि ग्राहकों के बीच इसकी पॉपुलेरिटी नई तकनीक को अपनाने में मदद करेगी।

हीरो मोटोकॉर्प की फ्लेक्स फ्लूल पर चलने वाली पहली मोटरसाइकिलें पेश

हीरो मोटोकॉर्प ने एथनॉल मिश्रित ईंधन (फ्लेक्स-फ्यूल) पर चलने वाली भारत की पहली मोटरसाइकिलें - स्प्लेंडर प्लस और एचएफ डीलक्स - पेश कीं। यह मोटरसाइकिल पेट्रोल में 85 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण पर चल सकती हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि एचएफ डीलक्स मिश्रित ईंधन मोटरसाइकिल की कीमत 72,792 रुपए (एक्स-शोरूम दिल्ली) होगी, जबकि मिश्रित ईंधन स्प्लेंडर प्लस की कीमत 82,710 रुपए (एक्स-शोरूम दिल्ली) होगी। इन मोटरसाइकिल की बिक्री जुलाई, 2026 में दिल्ली और महाराष्ट्र के चुनिंदा क्षेत्रों में शुरू की जाएगी।

खबर संक्षेप

एमपीसी आज करेगी फैसले की घोषणा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की घोषणा करेंगे। यह उम्मीद जतायी जा रही है कि केंद्रीय बैंक मुख्य रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रख सकता है, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के कारण महंगाई और आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर पैदा हो रही चुनौतियों को देखते हुए सतर्क रुख अपनाया जा रहा है।

रुपया सात पैसे टूटकर 95.83 प्रति डॉलर

मुंबई। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे कमजोर होकर 95.83 (अस्थायी) पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बीच ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। भारत के लिए एक बड़ा जोखिम है।

एनएचपीसी की बिक्री पेशकश को मिला पूर्ण अभिदान

नई दिल्ली। एनएचपीसी की बिक्री पेशकश (ओएफएस) को अंतिम दिन पूर्ण अभिदान मिल गया। इसके साथ सरकार ने हिस्सेदारी बिक्री के जरिए लगभग 4,300 करोड़ रुपये जुटा लिए। बीएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, बिक्री पेशकश के तहत 60.27 करोड़ शेयरों के मुकाबले कुल 151.33 करोड़ शेयरों के लिए बोली प्राप्त हुई।

सॉफ्टबैंक ने लेंसकार्ट में तीन फीसदी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी निवेशक सॉफ्टबैंक समूह ने चश्मा बनाने वाली कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में अपनी 3.25 प्रतिशत हिस्सेदारी को खुले बाजार के सौदे के जरिये 2,873 करोड़ रुपये में बेच दी। सॉफ्टबैंक ने अपनी सहयोगी कंपनी एसवीएफ II लाइटबल्ब लिमिटेड के माध्यम से लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में 3.25 प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 5,65,00,000 शेयर बेचे।

मई में तिरुपति लड्डू की बिक्री 1.2 करोड़ से अधिक

तिरुपति। यहां श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर द्वारा परोसे जाने वाले प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू ने मई में 1.2 करोड़ से अधिक लड्डू की बिक्री के साथ अपना अधिकतम मासिक बिक्री का स्तर हासिल किया है। टीटीडी की ओर से एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मई, 2026 में तिरुपति लड्डू की बिक्री ने वर्ष 2024 और वर्ष 2025 के इसी महीने में क्रमशः 1.01 करोड़ और 1.1 करोड़ के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मई के दौरान रिकॉर्ड तोड़ बिक्री का आंकड़ा 1,21,35,528 लड्डू रहा।

बैठक की अध्यक्षता भर्तृहरि महताब ने की

संसदीय समिति की बैठक में रुपए की कमजोरी निजी निवेश में सुस्ती पर जताई गई चिंता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संसद की एक स्थायी समिति की बृहस्पतिवार को हुई बैठक में रुपये में लगातार आ रही गिरावट और देश में निजी निवेश की सुस्ती को लेकर चिंता जताई गई जबकि सरकार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था चुनौतियों के बावजूद मजबूती के साथ उभर रही है। वित्त संबंधी स्थायी संसदीय समिति की बैठक में आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर और मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने देश की आर्थिक स्थिति पर प्रस्तुति दी।

इस बैठक की अध्यक्षता भर्तृहरि महताब ने की। महताब ने बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि महंगाई, बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में संघर्ष और अपने उद्योगों की सुरक्षा के लिए चीन के हाल के सख्त कदम जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, /"हालांकि अभी कुछ प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं, लेकिन इन गंभीर चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में उभर रही है।

सरकार को दिए जाएंगे सुझाव

महताब ने कहा कि घरेलू बचत और निवेश में वृद्धि जैसे कुछ सकारात्मक संकेत मिले हैं, लेकिन सरकार के पूंजीगत व्यय की गति के अनुरूप निजी निवेश का नहीं बढ़ना चिंता का विषय है। महताब ने कहा कि समिति इस महीने के तीसरे सप्ताह में फिर बैठक करेगी और एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इसमें अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद चुनौतियों के उल्लेख के साथ उनसे निपटने के लिए जरूरी कदमों के बारे में सरकार को सुझाव भी दिए जाएंगे।

- रुपए में आ रही लगातार गिरावट पर चिंता व्यक्त
- निजी निवेश की सुस्त चाल पर चिंता जताई गई
- कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों पर चर्चा की गई

पूंजी का प्रवाह विकसित देशों की और हो रहा

महताब ने कहा कि अमेरिका में बढ़ते निवेश आकर्षण और विकसित देशों में ब्याज दरों में वृद्धि के कारण पूंजी का प्रवाह उन देशों की ओर हो रहा है, जबकि पहले उभरती अर्थव्यवस्थाओं को अधिक निवेश मिलता था। बैठक में कांग्रेस के प्रमोद तिवारी, गौरव गोगोई एवं मनीष तिवारी, भाजपा के पीपी चौधरी एवं दिनेश शर्मा और लोजपा (आर) के अरुण भारती सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

आरबीआई रुपए को गिरने से बचाने उठा रहा कदम

डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में आ रही गिरावट पर उन्होंने कहा कि यह भी चिंता का विषय है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठा रहा है। निजी निवेश में सुस्ती पर उन्होंने कहा कि इसके लिए कुछ नीतिगत बदलावों की जरूरत है। साथ ही, चीन से बाहर आ रही कंपनियों को भारत में निवेश के लिए किस तरह का समर्थन दिया जा रहा है, इस पर भी ध्यान देना होगा।

भारत-अमेरिका में प्रस्तावित व्यापार समझौते पर सवाल

महताब ने कहा कि समिति के सदस्यों ने भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भी सवाल उठाए। महताब ने कहा, /"एक बड़ी चुनौती यह भी है कि जहां भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आ रहा है, वहीं कुछ निवेश यहां से बाहर भी जा रहा है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने इसे एक चक्रीय प्रक्रिया बताया है।/"

सेंट्रल बैंक का फंसे कर्ज से 3500 करोड़ रुपए वसूली का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने वित्त वर्ष 2026-27 में फंसे कर्ज की वसूली से 3,500 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने का लक्ष्य रखा है। इससे उसके बही-खाते को मजबूत करने में मदद मिलेगी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कुमार ने कहा, हमारे पास तकनीकी रूप से बट्टे खाते में डाली गई राशि करीब 32,000 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक ने ऐसे ऋण खातों से 2,270 करोड़ रुपये की वसूली की। हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में भी बट्टे खातों से 2,300 से 2,500 करोड़ रुपये की वसूली होगी और यह हमारे लाभ को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि समूचे वित्त वर्ष में कुल वसूली 3,500 करोड़ से 4,000 करोड़ रुपये के बीच रहने की उम्मीद है। बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 3,307 करोड़ रुपये की वसूली की थी।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया Central Bank of India

- वित्त वर्ष 2026-27 में फंसे कर्ज की वसूली की जाएगी
- बैंक के बही-खाते मजबूत करने में मदद मिलेगी

कृषि खातों के लिए ओटीएस योजना

बैंक का मुख्यालय मुंबई में है। इसने खासकर कृषि खातों के लिए विशेष एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजनाएं शुरू की हैं और वसूली अभियानों को भी तेज किया है। कुमार ने बताया कि बैंक चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कोष प्रबंधन और क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना बना रहा है, जिससे शुल्क आधारित आय बढ़ाई जा सके। इसके लिए बैंक को निदेशक मंडल की मंजूरी मिल चुकी है।

निवेशकों का सतर्क रुख सेंसेक्स हुआ स्थिर बंद

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग स्थिर बंद हुए। सेंसेक्स में 14 अंक और निफ्टी में 11 अंक की मामूली बढ़त रही। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति के नीतिगत दर पर आने वाले फैसले से पहले भी बाजार में सतर्कता का माहौल रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 13.84 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 74,360.01 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 10.95 अंक यानी 0.05 प्रतिशत चढ़कर 23,416.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाइटन, आईटीसी, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहीं। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

- बाजार में बना रहा उतार-चढ़ाव
- सेंसेक्स 14 और निफ्टी 11 अंक बढ़कर बंद

ब्रेंट क्रूड में मामूली गिरावट रही

लाइवलोंग वेल्थ के शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा, /"कमजोर वैश्विक संकेत, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाजार की शुरुआत दबाव में हुई। हालांकि, निचले स्तरों पर खरीदारी आने से सूचकांक नुकसान की भरपाई करने में सफल रहे।/"

एशियाई बाजार रहे नुकसान में

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक नुकसान में रहे। अधिकांश यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

सोना 700 रुपए मजबूत, चांदी 3,800 रुपए फिसली

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 700 रुपये बढ़कर 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 700 रुपये बढ़कर 1,60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। बुधवार को सोना 1,59,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। चांदी की कीमत में भारी गिरावट आई और यह 3,800 रुपये घटकर 2,65,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई।

वैश्विक बाजार में सोना चढ़ा : पिछले सत्र में चांदी की कीमत 2,69,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोने की कीमत लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 4,471.79 डॉलर प्रति औंस रही जबकि चांदी 1.14 प्रतिशत बढ़कर 73.56 डॉलर प्रति औंस पर पर पहुंच गई।

अमेजन के 'प्रोटियस' रोबोट का उन्नत संस्करण पेश

एजेंसी ▶▶| लंदन

वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने बृहस्पतिवार को यूरोप के अपने फुलफिलमेंट केंद्रों में कर्मचारियों की मदद के लिए अगली पीढ़ी का 'प्रोटियस' रोबोट पेश किया, जो अधिक मेहनत की जरूरत वाले कार्यों को संभालेगा। फुलफिलमेंट केंद्र में ऑनलाइन ऑर्डर का प्रसंस्करण, पैकिंग और आपूर्ति की तैयारी होती है। अमेजन ने यहां आयोजित 'डिलीवरिंग द फ्यूचर' कार्यक्रम में उन्नत प्रौद्योगिकी पर आधारित 'प्रोटियस' पेश करते हुए कहा कि यह रोबोट साधारण बातचीत के जरिए दिए गए निर्देश समझकर काम कर सकता है और कर्मचारियों का बोझ हल्का करने में मददगार होगा। कंपनी ने कि यह रोबोट भारी ट्रॉली को खींचने और लंबी दूरी तय करने जैसे काम करेगा, जिससे कर्मचारी फुलफिलमेंट केंद्रों में मौजूद स्टॉक के प्रबंधन और गुणवत्ता नियंत्रण जैसे कौशल आधारित कार्यों पर ध्यान दे सकेंगे। कंपनी ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी मौजूदा स्वायत्त रोबोट का उन्नत संस्करण है, जिससे इसके काम करने का दायरा एवं क्षमता बढ़ी है और यह रोबोट कर्मचारियों के दैनिक कार्यों में अधिक प्रभावी सहायता कर सकता है।

- मुश्किल कामों को देगा अंजाम
- कर्मचारियों के बोझ को हल्का करने में मदद होगी

25,000 नए रोजगार सृजित होंगे : अमेजन के मुताबिक, इस निवेश के तहत वह आने वाले वर्षों में यूरोप में अपने फुलफिलमेंट केंद्रों के कार्यबल में 25,000 की बढ़ोतरी करने की योजना बना रही है, जिससे क्षेत्र में नए रोजगार सृजित होंगे।

सुजलॉन नई इकाई में 500 करोड़ रुपए करेगी निवेश...

मुंबई। विंड टर्बाइन बनाने वाली कंपनी 'सुजलॉन' ने अपने कारोबार में विविधता लाने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य एक पूर्ण-विकसित नवीकरणीय ऊर्जा समाधान कंपनी बनना है। सुजलॉन ने बयान में कहा कि कंपनी अब बैटरी भंडारण सहित कई नए व्यवसायों में प्रवेश करेगी। इसके साथ ही यह एक एकीकृत सह-विकास मंच भी शुरू करेगी, जिसके जरिये नवीकरणीय ऊर्जा की संभावनाओं को बड़े पैमाने पर निष्पादन-तैयार परियोजनाओं में बदला जाएगा। इस मंच को कंपनी ने 'आरई डेवको' नाम दिया है। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि केवल इस 'डेवको' इकाई में वित्त वर्ष 2026-27 में 500 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

दिल्ली और महाराष्ट्र में एथेनॉल ईंधन स्टेशन जल्द शुरू होंगे : पुरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- दिल्ली एनसीआर, पुणे, मुंबई व नागपुर में होंगे स्थापित

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार कच्चे तेल के आयात को कम करने के उद्देश्य से दिल्ली-एनसीआर, पुणे, मुंबई और नागपुर में 50 से 100 एथनॉल ईंधन स्टेशन स्थापित कर रही है। पुरी ने उम्मीद जताई कि यह नेटवर्क बढ़कर 2026 के अंत तक 500 स्टेशनों तक पहुंच जाएगा।

मारुति सुजुकी द्वारा भारत की पहली एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से चलने वाली कार (फ्लेक्स-फ्यूल) पेश किए जाने के मौके पर पुरी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 2027 के अंत तक भारत में 5,000 एथनॉल ईंधन स्टेशन होंगे। पुरी ने कहा, हम दिल्ली-एनसीआर, पुणे, मुंबई और नागपुर में लगभग 50 से 100 एथनॉल वितरण स्टेशन के साथ शुरुआत कर रहे हैं। यह संख्या 2026 के अंत तक बढ़कर 500 तक पहुंच सकती है। मंत्री ने कहा कि यदि यूरो 6 मानक वाहन को ई100 ईंधन (शत प्रतिशत एथनॉल वाले वाहन) के अनुकूल बनाया जा सके, तो इससे लगभग 120 अरब अमेरिकी डॉलर के कच्चे तेल आयात को कम करने में मदद मिलेगी। तेल विपणन कंपनियों के घाटे पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वे अभी भी प्रतिदिन लगभग 500 से 550 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं। पुरी ने कहा कि भारत के 60 प्रतिशत एलपीजी और 90 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते से होती है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 93-94 दिनों में किसी भी स्थान पर ईंधन की कमी नहीं हुई है, हालांकि कुछ लोगों ने झूठी खबरें फैलाकर कृत्रिम कमी पैदा करने की कोशिश की।

किसानों को अतिरिक्त आय मिल सकती है

पुरी ने कहा कि यदि नए आने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों में से आधे एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से चलने वाले हों, तो देश में 311.8 करोड़ लीटर अतिरिक्त एथनॉल की मांग पैदा हो सकती है और किसानों को 12,403 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय मिल सकती है।

सेबी का 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व दिखाने का आरोप

राजेश एक्सपोर्ट्स ने राजस्व बढ़ाकर दिखाया : सेबी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सोना रिफाइनिंग एवं आभूषण विनिर्माण से जुड़ी कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (आरईएल) पर वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 के दौरान 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का एकीकृत राजस्व बढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है।

सेबी की तरफ से जारी अंतरिम आदेश के मुताबिक, कंपनी ने अपने अधिकांश राजस्व को अपनी विदेशी अनुषंगी कंपनियों, खासकर स्विट्जरलैंड स्थित वलकैम्बी एसए से जोड़कर दिखाया, जबकि इस इकाई के एकल आधार पर वित्तीय विवरण में राजस्व का केवल एक छोटा हिस्सा ही दर्ज है।

कंपनी ने विदेशी अनुषंगी कंपनियों से जोड़कर दिखाया राजस्व

आंकड़ों का मिलान ऑडिटेड खातों से नहीं हो पाया : आरईएल ने 2020-21 से लेकर 2024-25 की अवधि में अपना एकीकृत राजस्व करीब 15.18 लाख करोड़ रुपये दिखाया। इसमें से 15.15 लाख करोड़ रुपये यानी लगभग 99.8 प्रतिशत राशि अनुषंगी कंपनियों से जुड़ी बताई गई। लेकिन इन आंकड़ों का मिलान समूह की प्रमुख अनुषंगी वलकैम्बी एसए के ऑडिटेड खातों से नहीं हो पाया।

होल्डिंग कंपनी कैसे राजस्व दर्ज कर सकती है

सेबी ने यह सवाल उठाया कि बिना किसी स्वतंत्र परिचालन गतिविधि वाली एक होल्डिंग कंपनी कई लाख करोड़ रुपये के सकल लेनदेन मूल्य को राजस्व के रूप में किस तरह दर्ज कर सकती है, जबकि परिचालन अनुषंगी कंपनी खुद ही केवल प्रसंस्करण शुल्क को राजस्व के रूप में मान्यता देती है।

सेबी ने कंपनी के विश्लेषण को असंगत बताया

इस विसंगति के बारे में पूछे जाने पर राजेश एक्सपोर्ट्स ने कहा कि वलकैम्बी एसए केवल प्रसंस्करण आय को दर्ज करती है, जबकि जीजीआर प्रसंस्करण शुल्क के साथ सोने के लेनदेन के सकल मूल्य को राजस्व के रूप में मान्यता देती है। सेबी ने कंपनी की इस विश्लेषण को प्रथम दृष्टया असंगत और व्यावसायिक रूप से अविश्वसनीय बताया।

खबर संक्षेप

श्रीलंका ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को हराया

किंग्स्टन (जमैका)। पथुम निसंका के 79 रन और कप्तान कुसल मेंडिस के 72 रन की मदद से श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 41 रन से हराया। निसंका और मेंडिस ने दूसरे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी की। उनके अलावा चरित असालंका ने 45 और जनिथ लियानागे ने नाबाद 44 रन का योगदान दिया जिससे श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद सात विकेट पर 303 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 49.2 ओवर में 262 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से कप्तान शाई होप ने 66 गेंदों में 56 रन और सलामी बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स ने 38 गेंदों में 45 रन बनाए, लेकिन यह लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं थे।

फीफा मैत्री मैच में भारत को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

हिसोर (ताजिकिस्तान)। पिछले महीने यूनिटी कप में लगातार दो हार से हताश भारतीय फुटबॉल टीम आज शुक्रवार को यहां फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में ताजिकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। भारत ने पिछले साल सीएएफए नेशंस कप में इसी विरोधी के खिलाफ जीत दर्ज की थी। भारत को हालांकि लंदन में यूनिटी कप के दौरान 27 और 30 मई को क्रमशः जमैका (0-2) और जिम्बाब्वे (0-1) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरा मैच भी रविवार को यहीं खेला जाएगा।

मैच भारतीय समयानुसार रात 8:30 बजे शुरू होगा। एशियाई कप 2027 के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद से भारत की फीफा रैंकिंग लगातार गिर रही है जबकि इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले ताजिकिस्तान की रैंकिंग में सुधार हुआ है। भारत की विश्व रैंकिंग 137 जबकि ताजिकिस्तान की 103 है। ताजिकिस्तान मैसेडोनिया के नए कोच इगोर एंजेलोव्स्की के मार्गदर्शन में अपना पहला मैच खेलेगा।

शैली सिंह और देव मीणा एथलेटिक्स टीम में

नई दिल्ली। पोल वॉल्ट के प्रतिभावान खिलाड़ियों देव कुमार मीणा और कुलदीप कुमार के अलावा लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह और भाला फेंक खिलाड़ी शिवम लोखारे को नौ से 12 जुलाई तक चीन के ओरडोस में होने वाली पहली एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स

चैंपियनशिप के लिए भारत की 54 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया। देव और कुलदीप ने पोल वॉल्ट में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड (5.45 मीटर) बनाया है जबकि शिवम ने पिछले महीने रांची में फेडरेशन कप में 81.71 मीटर के प्रयास से भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता। शैली ने कीनिया के नैरोबी में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2021 में रजत पदक जीता था।

हॉकी महिला नेशंस कप लालथंटलुआंगी और डबास को टीम में जगह

नई दिल्ली। युवा डिफेंडर लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ पूल ए में रखा गया है जबकि पूल बी में मेजबान न्यूजीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस शामिल हैं। भारत 15 जून को अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके एक दिन बाद उसका सामना जापान से होगा। पूल चरण के अंतिम मैच में उसका मुकाबला 18 जून को उरुग्वे से होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में राहुल, गिल, यादव बना सकते हैं खास रिकॉर्ड्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 6 जून से एकमात्र टेस्ट खेलना है। यह मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादवेन्द्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये दोनों टीमें 2018 में एक टेस्ट में आपस में भिड़ी थी, जिसे भारतीय टीम ने जीता था। ऐसे में अब भारत और अफगानिस्तान के बीच सिर्फ दूसरा ही टेस्ट होने जा रहा है। इस मैच में भारतीय खिलाड़ी कुछ रिकॉर्ड्स बना सकते हैं, उन पर एक नजर डालते हैं।

केएल राहुल बना सकते हैं 9,000 रन का रिकॉर्ड

केएल राहुल ने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर में अब तक 120 मैच खेले हैं, जिसमें 45.21 की औसत के साथ 8,997 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 25 शतक और 42 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वोच्च स्कोर 337 रन रहा है। वह 3 रन और बनाते ही अपने 9,000 प्रथम श्रेणी रन पूरे कर लेंगे। अपने टेस्ट करियर में राहुल ने लगभग 36 की औसत से 4,053 रन बनाए हैं।

टेस्ट क्रिकट में 3,000 रन पूरे कर सकते हैं गिल

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का टेस्ट करियर शानदार चल रहा है। उन्होंने अब तक 73 पारियों में 43.07 की औसत के साथ 2,843 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 10 शतक और 8 अर्धशतक लगाए हैं। वह 157 रन और बनाते ही अपने 3,000 रन का आंकड़ा पूरा कर सकते हैं। इस आंकड़े को छूने के लिए उन्हें बड़े शतक की दरकार होगी। वह अपने करियर में पहले भी लंबी पारियां खेल चुके हैं।

यशस्वी बना सकते हैं ये रिकॉर्ड्स

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (सभी प्रारूपों को मिलाकर) में एशिया में 1,954 रन बनाए हैं। वह एशिया में अपने 2,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर सकते हैं। अपने प्रथम श्रेणी करियर में जायसवाल ने 55.30 की औसत के साथ 4,867 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 17 शतक और 18 अर्धशतक लगाए हैं। वह अपने प्रथम श्रेणी करियर में 5,000 रन पूरे कर सकते हैं।

कुलदीप की नजर 250 अंतरराष्ट्रीय विकेट पर

अगर कुलदीप यादव को एकमात्र टेस्ट में मौका मिलता है, तो उनके पास एशिया में 250 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने का मौका होगा। इस चाइनामैन गेंदबाज ने एशिया में अब तक 126 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और इसकी 138 पारियों में 24.01 की औसत के साथ 246 विकेट लिए हैं। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25 रन देते हुए 5 विकेट लेना रहा है। वह 5 पारियों में 5 विकेट हॉल भी ले चुके हैं।

भारत-अफगानिस्तान वनडे सीरीज 13 जून से

विराट कोहली नहीं खेलेंगे वनडे सीरीज, रुतुराज को मिला मौका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को 13 जून से अफगानिस्तान क्रिकेट टीम से वनडे सीरीज खेलनी है। तीन मैचों की इस सीरीज से विराट कोहली चोट के चलते बाहर हो चुके हैं। इस बीच खबर है कि कोहली की जगह पर रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं, रजत पाटीदार को इंडिया-ए की टीम में जगह मिल सकती है।

आईपीएल फाइनल के दौरान चोटिल हुए कोहली

कोहली को यह चोट आईपीएल 2026 के फाइनल के दौरान लगी थी। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 75 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली को कम से कम 2 हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई है। वह 20 जून को होने वाले आखिरी वनडे तक फिट हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें इस सीरीज से आराम दिया गया है। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द होने की उम्मीद है।

गायकवाड़ ने अब तक खेले हैं 9 वनडे मैच

गायकवाड़ ने 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से अपने वनडे करियर का आगाज किया था। उन्होंने अब तक 9 वनडे की 8 पारियों में 28.50 की औसत के साथ 228 रन बनाए हैं। वह 1 शतक से पहले 1 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। बता दें कि उन्होंने अपना शतक दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध (123*) और इकलौता अर्धशतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ (79 रन) बनाया था। गायकवाड़ भारत की ओर से 23 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके हैं।

क्या रोहित होंगे सीरीज से बाहर?

रोहित शर्मा भी चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर होने हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यशस्वी जायसवाल को टीम में मौका मिल सकता है।

इंडिया-ए में शामिल होंगे पाटीदार

गायकवाड़ को मेजबान श्रीलंका और अफगानिस्तान के साथ होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के लिए इंडिया-A की टीम में चुना गया था।अब उनकी गैरमौजूदगी में इंडिया-ए की टीम में पाटीदार को चुना जा सकता है। बता दें कि पाटीदार ने आईपीएल 2026 में उम्दा प्रदर्शन किया था और उनकी कप्तानी में आरसीबी ने लगातार दूसरा खिताब जीता था। इस त्रिकोणीय सीरीज का आगाज 9 जून से होगा और फाइनल मुकाबला 21 जून को खेला जाएगा।

वनडे सीरीज शेड्यूल

पहला वनडे - 13 जून, धर्मशाला
दूसरा वनडे - 17 जून, लखनऊ
तीसरा वनडे - 20 जून, चेन्नई

भारत टीम : शुबमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे

टीम में जगह मिलना भी मुश्किल

टी20 की कप्तानी से हटाए गए सूर्यकुमार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के गलियारों से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। भारत को 2026 टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जिताने वाले स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटा दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, बात सिर्फ कप्तानी जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सूर्या का अब टीम में बने रहना भी मुश्किल नजर आ रहा है।

गौतम गंभीर और चयनकर्ताओं का 'हंटर'

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टीम मैनेजमेंट और चयन समिति ने मुख्य कोच गौतम गंभीर से लंबी चर्चा के बाद यह सख्त फैसला लिया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि टीम अब भविष्य की ओर देख रही है और नए सत्र के लिए जल्द ही एक नए कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। यह बदलाव आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 सीरीज से पहले ही देखने को मिल सकता है।

खराब फॉर्म बनी सूर्या का 'काल'

भले ही सूर्या की कप्तानी में भारत ने वर्ल्ड कप जीता, लेकिन टूर्नामेंट के दौरान बड़ी टीमों के खिलाफ उनके बल्ले की खामोशी और हालिया आईपीएल 2026 में उनके बेहद खराब प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया। आईपीएल में सूर्या ने 13 पारियों में महज 20.76 की औसत से सिर्फ 270 रन बनाए। अर्धशतकों का अकालः पूरे सीजन में उनके बल्ले से केवल दो अर्धशतक ही निकले।

पहली बार अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की मेजबानी में खेलेगी भारतीय टीम, शेड्यूल जारी

नई दिल्ली। क्रिकेट इतिहास में पहली बार अफगानिस्तान भारतीय क्रिकेट टीम की मेजबानी करेगा। हालांकि यह सीरीज अफगानिस्तान में नहीं, बल्कि भारत की राजधानी नई दिल्ली में खेली जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज अरुण जेटली स्टेडियम में 13, 16 और 19 सितंबर को आयोजित होगी। इसकी आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। इससे पहले अफगानिस्तान 6 जून से शुरू होने वाले दौरे पर भारत के खिलाफ एक टेस्ट और 3 वनडे मैच खेलने वाला है।

अंडर-18 एशिया कप

पुरुषों में भारत-पाकिस्तान और महिलाओं में चीन से मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| काकामिगाहारा

भारतीय पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार को यहां अंडर-18 एशिया कप के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी कमियों से उबरकर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी जबकि महिला टीम चीन के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने के लक्ष्य के साथ उतरेगी।

भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम पूल ए में तीन जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारत ने अब तक अपने अभियान में 32 गोल किए और सिर्फ छह गोल खाए। पुरुष टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत कजाखस्तान के खिलाफ 13-0 की शानदार जीत के साथ की जिसके बाद उसे मेजबान जापान के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय महिला टीम का चल रहा बेहतरीन प्रदर्शन

इस बीच भारतीय महिला टीम टूर्नामेंट में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है। उन्होंने अपने तीनों मैच जीतकर पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया जिसमें उन्होंने 30 गोल किए और सिर्फ दो गोल खाए। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया पर 2-1 की कड़े मुकाबले वाली जीत के साथ की जिसके बाद उसने कोरिया के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने अपने अंतिम पूल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिंगापुर को 25-0 से रौंदकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पक्का किया।

भारतीय टीम ने जोरदार वापसी की

भारतीय टीम ने कोरिया पर 4-1 की जीत के साथ जोरदार वापसी की और उसके बाद चीनी ताइपे के खिलाफ 13-1 की बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। कप्तान केतन कुशवाहा सात गोल के साथ भारत के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। आशीष टानी पूर्ति ने छह गोल किए हैं। गाजी खान और शाहरुख अली ने तीन-तीन गोल दागे हैं। पाकिस्तान ने अपने तीन मैच में दो जीत और एक हार के साथ पूल बी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

सिंधू इंडोनेशिया ओपन से बाहर

हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह गुरुवार को यहां इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सिंधू पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी से हार गई थीं। सिंधू ने इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया और आखिर में 17-21, 14-21 से हार गईं। इस हार से सिंधू की ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ हार का सिलसिला 10 मैच तक बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी अभी तक आन के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है।

मलेशिया की जोड़ी को भारतीयों ने हराया

इस बीच हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने आरोन ताइ और केंग खाई शिंग की मलेशिया की बेहतर रैंकिंग वाली जोड़ी को हराकर उलटफेर करते हुए पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। हरिहरन और अर्जुन ने राउंड ऑफ 16 मैच में पहला गेम गंवाने के बाद 16-21, 21-15, 21-19 से जीत दर्ज की। हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और मैच को निर्णायक गेम में खींचा।

दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बनीं जैस्मिन प्रिया और विश्वनाथ विश्व रैंकिंग में शीर्ष तीन में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गत विश्व चैंपियन जैस्मिन लंबोरिया नवीनतम विश्व मुक्केबाजी रैंकिंग में महिला 57 किग्रा वर्ग में शीर्ष पर हैं जबकि एशियाई चैंपियशिप के स्वर्ण पदक विजेता प्रिया घंघास (60 किग्रा) और विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा) अपने-अपने वर्ग में शीर्ष तीन में शामिल हैं। भारतीय मुक्केबाजों ने महिलाओं के 10 में से नौ वजन वर्ग में शीर्ष 10 में जगह बनाई है जबकि पुरुषों के 10 में से आठ वजन वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की है।

मीनाक्षी 48 किग्रा वर्ग में नंबर एक

महिला वर्ग में मीनाक्षी 48 किग्रा वर्ग में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बनीं हुईं हैं जबकि प्रीति पवार 54 किग्रा वर्ग में पांच स्थान के फायदे से तीसरे पायदान पर हैं। इस साल एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली जैस्मिन एक स्थान के फायदे से दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन गईं। विश्व कप की पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और नुपुर (80 किग्रा से अधिक) अपने-अपने वजन वर्ग में दूसरे स्थान पर काबिज हैं।

अन्य खिलाड़ियों की ऐसी है रैंकिंग

इस साल राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहीं दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) एक स्थान के नुकसान से चौथे स्थान पर हैं। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) सातवें स्थान पर बरकरार हैं। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच (60 किग्रा) और एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा से अधिक) शीर्ष पांच मुक्केबाजों में शामिल हैं।

आईपीएल-2026 में रबाडा ने किए 177 डॉट बॉल

सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकने वालों में टॉप पर रहे रबाडा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का समापन हो गया है। इस संस्करण में बल्लेबाजों का बोलबाला नजर आया और उन्होंने कुल 27,450 रन बना दिए। यह एक संस्करण में बने सर्वाधिक रनों का नया रिकॉर्ड है।

हालांकि, इसके बाद भी कई गेंदबाज पूरी लय के साथ बल्लेबाजी कर रहे खिलाड़ियों के सामने भी बड़ी संख्या में डॉट गेंद फेंकने में सफल रहे हैं। ऐसे में आइए जानते हैं आईपीएल 2026 में किन गेंदबाजों ने सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकी हैं।

कगिसो रबाडा : 177 डॉट

आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकने का रिकॉर्ड गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज और पर्पल कैप पर कब्जा जमाने वाले कगिसो रबाडा के नाम रहा है। वह इस संस्करण 17 मैचों में 21.58 की औसत और 9.68 की इकॉनमी रेट से सर्वाधिक 29 विकेट लेने में सफल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 177 गेंदें डॉट फेंकी थी। हालांकि, इस दौरान उन्होंने 40 छक्के और 60 चौके खोते हुए सर्वाधिक 626 रन भी लुटाए।

मोहम्मद सिराज : 172 डॉट बॉल

सूची में जीटी के ही तेज गेंदबाज और पर्पल कैप की दौड़ में 7वें नंबर पर रहे मोहम्मद सिराज संयुक्त रूप से पहले पायदान पर मौजूद हैं। उन्होंने इस संस्करण 17 मैचों में 29.57 की औसत और 9.06 की इकॉनमी से 19 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने भी कुल 172 गेंदें डॉट फेंकी थी।

जोफ्रा आर्चर : 158

सूची में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज और पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर रहे जोफ्रा आर्चर दूसरे पायदान पर मौजूद हैं। वह इस संस्करण 16 मैचों में 23.36 की औसत और 9.31 की इकॉनमी रेट से 25 विकेट लेने में सफल रहे। इस दौरान उन्होंने भी कुल 158 गेंदें डॉट फेंकी थी।

भुवनेश्वर कुमार : 152

सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज और पर्पल कैप की दौड़ में दूसरे नंबर पर रहे भुवनेश्वर कुमार तीसरे पायदान पर मौजूद हैं। वह इस संस्करण 16 मैचों में 17.89 की औसत और 7.95 की इकॉनमी रेट से 28 विकेट लेने में सफल रहे। इस दौरान उन्होंने कुल 152 गेंदें डॉट फेंकी थी।

विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून

जब होगा इस धरती पर, पर्यावरण का सम्मान,
तभी होगी सुरक्षित सबकी जान !
आओ ये हम-आप संकल्प उठाएं, आज से पर्यावरण को नष्ट होने से बचाएं।

हरित विकास से ही सुरक्षित होगा भविष्य

पर्यावरण संरक्षण आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में प्रतिवर्ष 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। पर्यावरण और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि विकास की दौड़ में पर्यावरण की अनदेखी की जाती है, तो इसका सीधा प्रभाव मानव जीवन, कृषि, उद्योग और आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कृषि क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, जल संरक्षण, जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग से न केवल उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, बल्कि भूमि की गुणवत्ता भी सुरक्षित रखी जा सकती है। वर्तमान समय में कई किसान आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वहीं उद्योग जगत भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम उठा रहा है। आज अनेक औद्योगिक इकाइयां ऊर्जा संरक्षण, जल पुनर्चक्रण, प्रदूषण नियंत्रण और हरित तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दे रही हैं। सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट प्रबंधन और वृक्षारोपण जैसे प्रयास उद्योगों को पर्यावरण के प्रति अधिक जिम्मेदार बना रहे हैं। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि सतत विकास के लक्ष्य भी मजबूत हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है। जल बचाना, बिजली की खपत कम करना, प्लास्टिक का उपयोग घटाना, अधिक से अधिक पौधे लगाना और स्वच्छता बनाए रखना जैसे छोटे-छोटे प्रयास बड़े सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। यदि कृषि, उद्योग और समाज मिलकर पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध वातावरण प्रदान किया जा सकता है। आज आवश्यकता केवल पर्यावरण दिवस मनाने की नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की है। हरित सोच, हरित तकनीक और हरित विकास ही एक स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की आधार शिला बन सकते हैं।

Contact for Ad - Mob.: 9340808313

बिहार में मिला दुनिया का सबसे पुराना बरगद, 700 साल निकली उम्र

मुंगेर के आईटीसी कैंपस में खड़ा यह विशाल बरगद

विश्व पर्यावरण दिवस आज

मुंगेर। क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया का सबसे पुराना बरगद का पेड़ कहां होगा। आपके मन में ख्याल आता होगा कि सबसे पुराना बरगद का पेड़ या तो विदेश में किसी बड़े जंगल में होगा या किसी ऐतिहासिक स्थल पर होगा। इसका सही जवाब यह है कि बिहार के मुंगेर में सबसे पुराना बरगद का पेड़ है। मुंगेर की धरती पर खड़ा दुनिया के सबसे पुराने बरगद की उम्र 700 साल से भी ज्यादा बताई जा रही है। तीन साल की वैज्ञानिक रिसर्च और कार्बन डेटिंग के बाद इस रहस्य से पर्दा उठा है। मुंगेर के आईटीसी कैंपस में खड़ा यह विशाल बरगद अब सिर्फ एक पेड़ नहीं, बल्कि इतिहास का जीवित गवाह बन चुका है। लंबी-लंबी जटाएं, चारों तरफ फैली शाखाएं और सदियों का सफर तय कर चुका ये वटवृक्ष अब दुनिया के सबसे पुराने बरगद के रूप में पहचाना जा रहा है। स्थानीय लोगों के लिए यह पेड़ हमेशा आस्था और आश्चर्य का केंद्र रहा है। लोग कहते थे कि उनके दादा-परदादा के जमाने में भी यह पेड़ इसी तरह खड़ा था। अब वैज्ञानिकों ने भी लोगों के इस दावे पर मुहर लगा दी है। साल 2022 में बिहार वन विभाग ने इस पेड़ वास्तविक उम्र जानने का फैसला किया. इसकी जिम्मेदारी लखनऊ के बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान यानी बीएसआईपी की वैज्ञानिक डॉक्टर त्रिणा बोस और रिसर्च स्कॉलर अवनीश मिश्रा को सौंपी गई। इस काम में सबसे चुनौती बड़ी यह थी कि बरगद के पेड़ में दूसरे पेड़ों की तरह सालाना छल्ले यानी एनुअल रिंग्स नहीं बनते। ऐसे में वैज्ञानिकों ने पेड़ को बिना नुकसान पहुंचाए उसकी सूखी जटा और एक मोटे तने का सैंपल लिया। इसके बाद शुरू हुई तीन साल लंबी रिसर्च। कार्बन डेटिंग की आधुनिक तकनीक से जब सैंपल की जांच हुई तो वैज्ञानिक भी हैरान रह गए। रिपोर्ट में सामने आया कि पेड़ की उम्र 700 साल से भी ज्यादा है।

प्रकृति की ताकत और धैर्य का संदेश

दुनिया के सबसे पुराने बरगदों की सूची में शामिल मुंगेर का यह पेड़ पहले स्थान पर आ गया है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का सिद्धबाड़ी बरगद है जिसकी उम्र करीब 500 साल मानी जाती है। तीसरे स्थान पर कोलकाता का प्रसिद्ध 'ग्रेट बनयान ट्री' है जिसकी उम्र लगभग 350 साल है। आज मुंगेर का यह बरगद सिर्फ बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का प्रतीक बन गया है। 700 साल तक आंधी, तूफान और वक्त की मार झेलने वाला यह पेड़ मानो आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति की ताकत और धैर्य का संदेश दे रहा है।

बिहार के लिए गर्व की नई पहचान

मुंगेर का यह बरगद अब सिर्फ एक पेड़ नहीं बल्कि इतिहास, विज्ञान और प्रकृति का अद्भुत संगम बन चुका है। दुनिया भर के लोगों के लिए यह आकर्षण का केंद्र है और बिहार के लिए गर्व की नई पहचान है। 700 साल पुराना यह बरगद आज भी पूरी मजबूती के साथ खड़ा है और यही बता रहा है कि प्रकृति की जड़ें जितनी गहरी हों, उसका अस्तित्व उतना ही अमर होता है।

आइसलैंड-नॉर्वे नहीं, अब भारत में दिखेंगी चमकदार औरोरा लाइट्स

नई दिल्ली। औरोरा लाइट्स आसमान में दिखने वाली नेचुरल कलरफुल लाइट्स हैं। इसे अरोरा बोरेलिस, अरोरा ऑस्ट्रेलिस और नॉर्दर्न लाइट्स भी कहा जाता है। यह घटना तब होती है, जब सूरज से निकले चार्ज्ड पार्टिकल्स धरती के मैग्नेटिक फील्ड से टकराकर एटमॉस्फेयर की गैसों को रोशन करते हैं। बता दें कि सूरज ने 24 घंटे से भी कम समय में अपने 4455वें क्षेत्र से 3 शक्तिशाली सोलर फ्लेयर्स निकाली हैं। इनमें एक्स1 श्रेणी की सबसे शक्तिशाली फ्लेयर्स भी शामिल है। इन विस्फोटों के चलते रेडियो ब्लैकआउट हो गया है और कई कोरोनल मास इजेक्शन धरती की और तीव्रता से बढ़ रहे हैं। बेहद तेजी से होने वाली इस गतिविधि से आने वाले कुछ दिनों में औरोरा देखने की संभावना बढ़ गई है।

सोलर तूफानों से हो सकते हैं औरोरा सुपरचार्ज

लगातार सोलर फ्लेयर्स के बाद अब कई कोरोनल मास इजेक्शन धरती की तरफ आ रहे हैं। स्पेस वेदर एंजेसियों ने 4-6 जून 2026 के लिए एक गंभीर जी3 जियोमैग्नेटिक तूफान का अलर्ट जारी किया है। जब ये चार्ज्ड पार्टिकल्स धरती के मैग्नेटिक फील्ड से टकराते हैं, तब वे चमकीली नॉर्थ लाइट्स को इग्नाइट कर सकते हैं, जिससे वे संभावित रूप से लो लैटिट्यूड्स की ओर धकेल दिए जाएंगे। आने वाले सोलर तूफानों से औरोरा सुपरचार्ज हो सकते हैं।

भारत में कहां दिखती है नॉर्दर्न लाइट्स?

भले ही यह बेहद दुलर्भ है, लेकिन शक्तिशाली जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म के दौरान भारत में कभी-कभी हल्की नॉर्दन लाइट्स देखने को मिली है। खासतौर से लद्धाख का ऊंचाई वाला इलाका और कम प्रदूषण वाला क्षेत्र इसके लिए सबसे उपयुक्त है। हानले डार्क स्काई रिजर्व, पैंगोंग त्सो और नुब्रा घाटी वो मुख्य जगह है, जहां चार्ज्ड सोलर पार्टिकल्स लाइट ग्रीन और पर्पल कलर की चमक पैदा कर सकते हैं।

मौसम पर हुए नए शोध में वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

ओले हो जाएंगे विनाशकारी और मचाएंगे तबाही

वॉशिंगटन। इस साल अप्रैल के महीने में दुनिया के कई देशों को आलोवृष्टि का सामना करना पड़ा था। अप्रैल के आखिरी में अमेरिका के मिसौरी राज्य के स्प्रिंगफील्ड शहर में भयानक ओला पड़ा था। सबसे बड़ी बात यह है कि इनके आकार बेसबॉल के बराबर थे। इन ओलों ने कारों को तोड़ दिया, घरों की छतों और खिड़कियों को नुकसान पहुंचाया है। अब इस तरह की घटनाएं पहले से अधिक हो रही हैं। वैज्ञानिकों ने बताया है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया के कई इलाकों में बड़े और ज्यादा खतरनाक ओले गिरने की संभावना बढ़ रही है। तेज तूफानी हवाएं नमी को ऊपर ले जाती हैं, जहां तापमान बहुत कम होता है, तो छोटे-छोटे कणों के चारों तरफ जम जाती हैं और धीरे-धीरे बड़े होकर ओले बन जाते हैं। जब यह भारी हो जाते हैं, तो हवाओं की वजह से नीचे गिर जाते हैं। सामान्य रूप तौर पर लोगों का लगता है कि गर्मी में ओले आसानी से पिघल जाएंगे, लेकिन नई शोध में वास्तविकता इससे उलट हो सकती है।

ज्यादा आम हो सकते हैं दुनिया में बड़े ओले : नेचर जर्नल में 27 मई को एक अध्ययन प्रकाशित हुआ है। इसमें पेकिंग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि गर्म होती दुनिया में बड़े ओले ज्यादा आम हो सकते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com